खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम :28° C
न्यूनतम: 16° C

मेरठ, मंगलवार 31 मार्च 2026 मेरठ संस्करण: वर्ष 19 अंक 298 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com चैत्र शुक्ल पक्ष 13 विक्रमी सम्वत् 2083 11 शव्वाल 1447 हिजरी

नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

उप्र में आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय जल्द बढ़ाया जाएगा: योगी
पेज 2

पंजाब की नजर घरेलू मैदान में वापसी पर
खेल टाइम्स

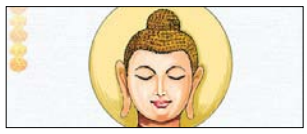

अहिंसा का शाश्वत संदेश: क्यों आज भी प्रासंगिक हैं महावीर
सम्पादकीय

जल्द समझौता नहीं हुआ, तो तबाह कर देंगे खर्ग द्वीप: ट्रम्प
पेज 12

संक्षिप्त समाचार

बड़े पदों पर कमजोर वर्ग की हिस्सेदारी सुनिश्चित हो : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि देश के संस्थानों में बहुजन समाज की बड़े पदों पर हिस्सेदारी कम है और उनकी उचित भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आरक्षण से आगे बढ़कर नीतिगत सुधार किए जाने चाहिए। श्री गांधी ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उनसे मिलने जब भी किसी संस्थान या संगठन के लोग आते हैं तो सबकी शिकायत यही रहती है कि उनके संस्थान में वरिष्ठ पदों पर कमजोर वर्ग के लोगों की हिस्सेदारी नहीं के बराबर है। उन्होंने कहा कि हाल ही में जनसंसद में ग्रामीण बैंक के एससी-एसटी वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान भी यह बात सामने आई कि प्रोन्नति में रोस्टर नियम होने के बावजूद दलित और आदिवासी कर्मचारियों के साथ भेदभाव किया जाता है।

पुलिस ने लश्कर कमांडर शब्बीर को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने बांग्लादेश सीमा के पास से एक समन्वित कार्रवाई में लश्कर-ए-तैयबा (लश्कर) के कमांडर शब्बीर अहमद लोन को गिरफ्तार कर लिया है। मामले से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि लोन ढाका के बाहरी इलाके में स्थित एक गुप्त ठिकाने से लश्कर का एक मॉड्यूल चला रहा था। यह सफलता दो महीने की कड़ी मशक्कत भरी खोज के बाद मिली, जिसकी निगरानी खुद दिल्ली पुलिस के आयुक्त सतीश गोलचा कर रहे थे।

ममता बनर्जी पर मतदाताओं को धमकाने का आरोप

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को चुनाव आयोग से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने और मतदाताओं को धमकाने का आरोप लगाया है। इस मुद्दे को लेकर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और किरेन रिजिजू के नेतृत्व में भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग पहुंचकर औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। भाजपा प्रतिनिधिमंडल में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, किरण रिजिजू और सुकांत मजूमदार के साथ-साथ अनिल बलूनी और पार्टी के कई नेता शामिल थे। नेताओं ने आयोग को एक ज्ञापन सौंपकर राज्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की मांग की।

स्पेन ने अमेरिका के लिए एयरस्पेस बंद किया, मिलिट्री बेस के इस्तेमाल पर भी लगाई रोक

तेल अवीव/तेहरान, वार्ता

स्पेन ने ईरान के खिलाफ युद्ध में शामिल अमेरिकी सैन्य विमानों के लिए अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है। साथ ही, मिलिट्री बेस के इस्तेमाल पर भी रोक लगा दी गई है।

स्पेन की रक्षा मंत्री मार्गरीटा रोबल्स ने कहा कि देश अपने एयरस्पेस और सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल ईरान से जुड़े किसी भी सैन्य अभियान के लिए नहीं करने देगा। इस फैसले के बाद अमेरिकी विमानों को रूट बदलने पड़ेंगे, हालांकि मानवीय और आपातकालीन उड़ानों को छूट दी गई है। स्पेन के अर्थव्यवस्था मंत्री कार्लोस कुएपों ने कहा कि यह फैसला एकतरफा और अंतर्राष्ट्रीय कानून के खिलाफ शुरू युद्ध का समर्थन न करने के आधार पर लिया गया है। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज पहले ही अमेरिका-इजरायल सैन्य अभियान की आलोचना कर चुके हैं। वहीं, डोनाल्ड ट्रम्प ने इस फैसले के जवाब में व्यापारिक कार्रवाई की धमकी दी है। वहीं ईरान ने लेबनान के निष्कासन आदेश को ठुकराते हुए कहा है कि उसका राजदूत बेरूत में ही अपना काम जारी रखेगा। विदेश मंत्रालय ने साफ किया कि राजदूत अपने कर्तव्यों का निर्वहन करता रहेगा। दरअसल, लेबनान ने पिछले हफ्ते ईरान के राजदूत मोहम्मद रजा शिबानी को पर्सोना नान ग्राटा घोषित कर 29 मार्च तक देश छोड़ने का निर्देश दिया था।

■ कहा: ईरान के विरुद्ध युद्ध अंतर्राष्ट्रीय कानून के खिलाफ, अमेरिकी विमानों को रूट बदलने पड़ेंगे

ईरान का इजरायल के केमिकल प्लांट पर हमला

तेल अवीव/तेहरान। ईरान ने दक्षिणी इजरायल में एक केमिकल प्लांट पर मिसाइल हमला किया है, जिससे प्लांट में भीषण आग लग गई है। इससे इलाके में जहरीले रिसाव का खतरा पैदा हो गया है। एक व्यक्ति घायल भी हुआ है।

हमला निर्यात होवाव इंडस्ट्रियल जोन में हुआ, जो बीयरशेवा शहर से करीब 9 किलोमीटर दूर स्थित है।

■ जहरीले रिसाव की चेतावनी, लोगों को आदेश, घर में रहें, खिड़कियां बंद रखें

हमले के बाद अधिकारियों ने आसपास के लोगों को घरों में रहने और खिड़कियां बंद रखने की सलाह दी है, क्योंकि प्लांट में खतरनाक रसायन मौजूद हैं। बगदाद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास स्थित इस ठिकाने पर हुई घटना में एक अमेरिकी हेलीकॉप्टर को निशाना बनाया गया हो सकता है।

उधर, इराकी सशस्त्र समूह ने यूएस ठिकानों पर हमलों की जिम्मेदारी ली। इराकी सशस्त्र समूह 'सराया औलिया अल-दम' ने अपने टेलीग्राम चैनल पर कहा है कि उसने पिछले 24 घंटों में इस क्षेत्र में यूएस ठिकानों को निशाना बनाते हुए आठ हमले किए हैं।

जनगणना- 2027 का पहला चरण एक अप्रैल से होगा शुरू

पहले चरण के लिए 33 सवाल तय, ऑनलाइन पोर्टल पर भी दे सकेंगे जानकारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। जनगणना-2027 का पहला चरण एक अप्रैल 2026 से शुरू हो रहा है। इसमें 33 सवाल पूछे जाएंगे। इसके मुताबिक, स्थिर रिश्ते में रहने वाले लिव-इन कपल्स को भी शादीशुदा माना जाएगा। ऐसा तब ही होगा जब कपल मानेगा कि उनका रिश्ता लंबा चलने वाला है।

पहले फेज के लिए ऑनलाइन पोर्टल भी शुरू किया गया है, जहां लोग खुद अपनी जानकारी भर सकेंगे। उनकी मदद के लिए इस पोर्टल पर फेक (अक्सर पूछे जाने वाले सवाल) भी दिए गए हैं। यह चरण 'हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग जनगणना' कहलाता है। इसका मकसद देश में घरों और बुनियादी सुविधाओं की जानकारी जुटाना है, ताकि सरकार बेहतर योजनाएं बना सके। दूसरे चरण में आबादी से जुड़ी डिटेल जानकारी ली जाएगी। भारत के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण कहते हैं कि जनगणना की संदर्भ तिथि (रेफरेंस डेट) बहुत महत्वपूर्ण है। संदर्भ समय एक मार्च की आधी रात है, जो 28 फरवरी 2027 और एक मार्च 2027 के बीच पड़ती है। इस संदर्भ तिथि का उल्लेख 16 जून 2025 को जारी पहली अधिसूचना में किया गया था, जिसमें जनगणना कराने के इरादे की घोषणा की गई थी। इसी संदर्भ तिथि के कारण इसे जनगणना 2027 कहा जाता है। 16 जून, 2025 को अधिसूचना प्रकाशित होने के बाद प्रक्रिया शुरू हो गई थी, लेकिन संदर्भ तिथि एक मार्च 2027 ही बनी हुई है। जनगणना के परिणामों से प्रत्येक प्रशासनिक इकाई, राज्य, जिले, गांव और वार्ड की जनसंख्या और विभिन्न आंकड़ों की एक झलक मिलेगी, जैसा -**शेष पृष्ठ दो पर**

■ लिव-इन कपल्स को शादीशुदा का दर्जा मिलेगा
■ जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी
■ करीब 30 लाख कर्मचारी मोबाइल एप के जरिये देशभर में जानकारी जुटाएंगे

व्यक्तिगत डेटा पूरी तरह गोपनीय

नई दिल्ली। रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने जनगणना अधिनियम की धारा 15 का हवाला देते हुए कहा कि जनगणना के दौरान जुटाया गया व्यक्तिगत डेटा पूरी तरह गोपनीय रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी व्यक्ति की जानकारी न तो आरटीआई के तहत साझा की जा सकती है, न ही अदालतों में साक्ष्य के रूप में पेश की जा सकती है और न ही किसी अन्य संस्था के साथ साझा की जाएगी।

अंगोला से गैस खरीदने की तैयारी में भारतीय कंपनियां

होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों को नहीं गुजरना पड़ेगा

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत में गैस की कमी और होर्मुज स्ट्रेट संकट की वजह से सरकारी तेल और गैस कंपनियां अब नए देशों से रसोई गैस (एलपीजी) खरीदने का ऑप्शन तलाश रही हैं। इसी वजह से इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और गेल जैसी कंपनियां अफ्रीकी देश अंगोला की सरकारी कंपनी सोनानगोल से एलपीजी खरीदने पर बातचीत कर रही हैं।

ये कंपनियां सोनानगोल के साथ लंबे समय का समझौता करने पर विचार कर रही हैं। हालांकि, बातचीत अभी शुरुआती दौर में है और सरकार स्तर पर भी चर्चा चल रही है। दरअसल, भारत को 92 फीसदी एलपीजी खाड़ी देशों से आती है। भारत सरकार इस निर्भरता घटाना चाहती है। ऐसे में अगर अंगोला से करार हो जाता है, तो जहाज अटलांटिक और अरब महासागर होते हुए सीधे भारत पहुंचेंगे। उन्हें होर्मुज स्ट्रेट से नहीं गुजरना होगा। भारत और अंगोला के बीच पहले से तेल और गैस का व्यापार होता रहा है, इसलिए दोनों देशों के बीच भरोसा और सप्लाई सिस्टम पहले से बना हुआ है। इसी वजह से नई डील करना आसान हो जाता है। अंगोला में गैस उत्पादन होता है और वहां एलपीजी के लिए जरूरी प्रोपेन और ब्यूटेन भी मिलते हैं, जिससे भारत को सीधे गैस मिल सकती है। सप्लाई के लिहाज से भी अंगोला सही विकल्प है, क्योंकि समुद्र के रास्ते गैस 12 से 18 दिन में भारत पहुंच सकती है और वहां एक्सपोर्ट की अच्छी सुविधा भी मौजूद है। अंगोला में एनर्जी सेक्टर सरकार के कंट्रोल में है, जिससे सरकारी स्तर पर समझौता करना आसान होता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अफ्रीका से गैस सप्लाई अमेरिका की तुलना में 10 से 15 दिन जल्दी भारत पहुंच सकती है। ऐसे में अंगोला भारत के लिए एक अच्छा ऑप्शन बन सकता है। अगर यह करार होता है, तो अंगोला पहली बार भारत को रसोई गैस सप्लाई करेगा। भारतीय कंपनियां एलपीजी के लिए करीब एक साल और एलएनजी के लिए कम से कम 10 साल का करार करने पर विचार कर रही हैं।

■ अंगोला सोनानगोल के साथ लंबे समय का समझौता करने पर विचार

तेलंगाना में पैरेंटल सपोर्ट बिल पास

नई दिल्ली। तेलंगाना सरकार बुढ़ापे में माता-पिता को 'बोझ' समझने वाले बच्चों पर अब तक की सबसे बड़ी सख्ती करने जा रही है। राज्य विधानसभा ने पैरेंटल सपोर्ट बिल, 2026 'सर्वसम्मति से पास कर दिया। इसके तहत, यदि कोई कर्मचारी अपने माता-पिता की देखभाल नहीं करता, तो उसकी कुल सैलरी में से 15 फीसदी या 10,000 (जो भी कम हो) की कटौती की जाएगी।

देश में पहली बार ऐसा कानून बना है, जिसमें सरकारी के साथ ही प्राइवेट सेक्टर के कर्मचारियों, विधायकों, सांसदों और सरपंचों तक को जवाबदेह बनाया गया है। खास बात यह है कि माता-पिता को इसके लिए कोर्ट नहीं जाना होगा, वे सीधे जिला कलेक्टर के पास आवेदन कर सकेंगे। जांच में शिकायत सही मिलने पर कलेक्टर सीधे कंपनी या विभाग को सैलरी काटकर माता-पिता के खाते में भेजने का आदेश देंगे। विधेयक पेश करते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भावुक हो गए। उन्होंने बताया कि मैं एक ऐसे जनप्रतिनिधि को जानता हूं जिसके पिता की कैंसर से मौत हो गई, लेकिन बेटे ने सुध तक नहीं ली। जब माता-पिता की आंखों में आंसू होते हैं, तो वह समाज के पतन का संकेत है। समाज को ऐसे लोगों का सामाजिक बहिष्कार करना चाहिए जो सक्षम होकर भी अपनों को छोड़ देते हैं। केरल और असम में भी हैं ऐसे कानून- केरल (2023) - यहां 25 फीसदी तक कटौती का प्रावधान है। मुख्य रूप से उन लोगों पर लागू होता है जिन्हें 'अनुकंपा नियुक्ति' मिली है।

■ मां-बाप को बेसहारा छोड़ा, तो कटेगी 15% सैलरी
■ पहली बार सांसद-विधायक भी कानून की जद में आएंगे

यूपी समेत 20 राज्यों में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। देश में बेमौसम बारिश का दौर जारी है। यूपी और राजस्थान समेत 20 राज्यों में आज बारिश का अलर्ट है।

राजस्थान के 25 जिलों में आंधी के साथ बारिश होने की संभावना है। वहीं, यूपी के 46 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी का दौर जारी है। हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में ताजा बर्फबारी हुई है। उत्तराखंड के नैनीताल में सोमवार सुबह बूंदाबांदी हुई। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में सोमवार सुबह बारिश हुई। वहीं, गुलमर्ग, पहलगाम, यूसमर्ग, गुरेज, रजदान टाप और सोनमर्ग-जोजिला जैसे ऊंचाई वाले इलाकों में रविवार को बर्फबारी हुई। पंजाब के सभी जिलों में बारिश का अलर्ट है।

■ जम्मू-कश्मीर और हिमाचल में बर्फबारी, दिल्ली में आंधी के साथ बारिश की संभावना

संकटग्रस्त कंपनियों के समाधान की प्रक्रिया होगी तेज

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। लोकसभा में सोमवार को दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक 2025 ध्वनिमत से पारित हो गया। विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि यह विधेयक संकटग्रस्त कंपनियों के समाधान की प्रक्रिया को तेज करने के मुख्य उद्देश्य से लाया गया है।

उन्होंने कहा कि इस विधेयक के कानून बन जाने के बाद कंपनियों के दिवाला मामलों का अदालत के बाहर समाधान किया जा सकेगा। इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि यह विधेयक अगस्त 2025 में लोकसभा में लाया गया था, तथा इसे प्रवर समिति को भेज दिया गया था। प्रवर समिति ने गहनता और गंभीरता से विचार करने के बाद 11 संशोधन सुझाए हैं और सभी को इसमें शामिल कर लिया गया है। इसमें क्रेडिटर को अधिक अधिकार दिए गए हैं। क्रेडिटर समाधानकर्ता की चयन प्रक्रिया में अपने अधिकारों का इस्तेमाल कर सकेंगे। इससे पूरी प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता लाई जा सकेगी और समाधान प्रक्रिया तेज होगी। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि इस विधेयक में प्रावधान किए गए हैं कि एनसीएलएटी में अपील के बाद तीन महीने के अंदर उसका फैसला आ जाए। उन्होंने कहा कि इस संशोधन विधेयक में बीमार कंपनियों के समाधान में देरी से बचने के पर्याप्त उपाय किए गए हैं। इसमें कर्मचारियों के हितों का पूरा ध्यान रखा गया है। उनकी जितनी देयता है, उसे प्राथमिकता पर रखा जाएगा। 'कर्मचारियों के हितों से हम बिलकुल समझौता नहीं करेंगे।'

■ लोकसभा में दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक 2025 पारित

संक्षिप्त समाचार

उप्र विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी बसपा

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने अगले साल होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती की तरफ से 31 मार्च को लखनऊ स्थित राज्य कार्यालय में समीक्षा बैठक बुलाई गई है। यह बैठक आगामी चुनावी रणनीति और संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से बुलाई गई है। बैठक में प्रदेश स्तर से लेकर जिला स्तर तक के सभी छोटे-बड़े पदा. धिकारी शामिल होंगे। बैठक में संगठन की वर्तमान स्थिति, जमीनी पकड़ और कार्यकर्ताओं की सक्रियता की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। साथ ही, पार्टी के जनाधार को बढ़ाने और आगामी चुनाव में बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए विशेष रणनीति पर चर्चा होगी। बैठक का मुख्य फोकस बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना और नए मतदाताओं को जोड़ने की योजना बनाना है।

तृणमूल कांग्रेस नेता काजी अब्दुल रहीम कांग्रेस में हुए शामिल

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की राजनीति में विधानसभा चुनावी सरगर्मियों के बीच बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। टीएमसी के विधायक काजी अब्दुल रहीम ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में कांग्रेस का दामन थाम लिया। कांग्रेस महासचिव व पश्चिम बंगाल के प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने पार्टी में शामिल होने पर उनका स्वागत करते हुए कहा कि रहीम राज्य की राजनीति में एक जाना-माना नाम हैं और अपने क्षेत्र में जनसेवा के लिए पहचाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि रहीम आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ मिलकर अपने क्षेत्र के विकास और जनता की सेवा के लिए काम करना चाहते हैं।

उप्र में पेट्रोल-डीजल आपूर्ति पहले से बेहतर, एलपीजी वितरण अब भी प्रभावित

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। दो दिनों तक चली घबराहट में हुई खरीदारी के बाद उत्तर प्रदेश में ईंधन आपूर्ति की स्थिति अब काफी हद तक सामान्य हो गई है। राज्य की राजधानी लखनऊ सहित अधिकांश शहरी इलाकों में रविवार तक हालात लगभग सामान्य हो गए, हालांकि ग्रामीण क्षेत्रों और घरेलू एलपीजी सिलेंडर वितरण में अभी भी चुनौतियां बनी हुई हैं।

शनिवार और रविवार को पेट्रोल पंपों पर पहले जैसी लंबी कतारें और अफरा-तफरी नहीं दिखी। लखनऊ में दोपहर बाद तक अधिकांश पंपों पर सामान्य रूप से वाहन ईंधन भरवाते नजर आए। अधिकारियों और पेट्रोल पंप संचालकों ने स्पष्ट किया कि पेट्रोल-डीजल की कोई वास्तविक कमी नहीं थी, बल्कि अफवाहों के कारण मांग अचानक बढ़ गई थी। लखनऊ के जानकीपुरम, विकास नगर और मडियांव जैसे इलाकों में, जहां पहले भारी भीड़ देखी गई थी, अब स्थिति पूरी तरह सामान्य रही। यहां ग्राहकों को बिना इंतजार के आसानी से ईंधन मिल रहा है। डीलरों के मुताबिक सप्ताह की शुरुआत में बिक्री में जो असामान्य बढ़ोतरी हुई थी, वह अब घटकर सामान्य स्तर के करीब आ गई है। राज्य भर के आंकड़ों के अनुसार 24 से 27 मार्च के बीच पेट्रोल-डीजल की खपत में तेज उछाल दर्ज किया गया। 24 मार्च को पेट्रोल की बिक्री 19 प्रतिशत, 25 मार्च को 36 प्रतिशत और 26 मार्च को 77 प्रतिशत तक बढ़ गई। 27 मार्च को भी यह 70 प्रतिशत अधिक रही, जो 26 मार्च से सात प्रतिशत कम थी। 26 मार्च को पेट्रोल की बिक्री 2.9 करोड़ लीटर तक पहुंच गई थी, जो 27 मार्च को घटकर 2.78 करोड़ लीटर रह गई। इसी तरह डीजल की खपत भी 36 प्रतिशत, 77 प्रतिशत और 75 प्रतिशत तक बढ़ी, जबकि 26 मार्च को यह 5.1 करोड़ लीटर तक पहुंच गई थी। गोरखपुर रीजन में भी स्थिति में सुधार देखा गया। हालांकि देवरिया और गोरखपुर के कुछ ग्रामीण इलाकों में टैंकरों की आवाजाही में देरी के कारण आंशिक दिक्कतें बनी रहीं। प्रयागराज में भी अधिकांश पेट्रोल पंपों पर स्थिति सामान्य रही। कमला नगर, कटरा, अलोपीबाग, सोहबतियाबाग, मीरापुर, करेली और सिविल लाइंस जैसे इलाकों में कहीं भी भीड़ नहीं दिखी और लोग सामान्य रूप से ईंधन भरवा रहे थे।

विदेश नीति पर चिंता जताते हुए प्रमोद तिवारी ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं सांसद प्रमोद तिवारी ने देश की विदेश नीति को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साध है। तिवारी ने सोमवार को यहां एक बयान में कहा कि जिस पाकिस्तान ने पहलगाम जैसी घटनाओं में देश की बहनों का सुहाग उजाड़ने का काम किया, उसी पाकिस्तान को आज अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मध्यस्थ के रूप में पेश किया जा रहा है, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा अमे. रिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा पाकिस्तान की मध्यस्थता की बात कहना और इस्लामाबाद में संभावित वार्ता को भारत के लिए अत्यंत चिंताजनक बताया। श्री तिवारी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 'अब की बार ट्रम्प सरकार' का नारा दिया था लेकिन आज देश की विदेश नीति को किस दिशा में ले जाया जा रहा है, यह सवाल खड़ा हो रहा है।

यूपी पुलिस के 1592 आरक्षियों को मिली पदोन्नति, बनाए मुख्य आरक्षी

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस में बड़े स्तर पर पदोन्नति की प्रक्रिया पूरी करते हुए 1592 आरक्षी नागरिक पुलिस को मुख्य आरक्षी (हेड कॉन्स्टेबल) पद पर पदोन्नत किया गया है। यह पदोन्नति चयन वर्ष 2025-26 में उत्पन्न रिक्तियों के सापेक्ष ज्येष्ठता के आधार पर की गई है। इस बावत पुलिस मुख्यालय की तरफ से सोमवार को आदेश जारी कर दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक स्थापना अमृता मिश्रा के स्तर से जारी आदेश के मुताबिक यह निर्णय अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा 14 मार्च को जारी चयन परिणाम के आधार पर लिया गया है, जिसे पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा अनुमोदित किया गया है। कुल 2271 योग्य पाए गए कर्मियों में से फरवरी 2026 की रिक्तियों के अनुसार 1592 आरक्षियों को पदोन्नति दी गई है। आदेश के अनुसार पदोन्नत मुख्य आरक्षी अपने वर्तमान तैनाती स्थल पर ही कार्यभार ग्रहण करेंगे और कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से 2 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रहेंगे। यह अवधि आवश्यकतानुसार बढ़ाई भी जा सकती है। साथ ही सभी पदोन्नत कर्मियों के लिए मुख्य आरक्षी पद से संबंधित आधारभूत प्रशिक्षण उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। आदेश के मुताबिक पदोन्नति से पहले संबंधित कर्मियों से स्वघोषणा पत्र लिया जाएगा, जिसमें यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उनके विरुद्ध कोई निलंबन, अनुशासनात्मक कार्रवाई या आपराधिक मामला लंबित न हो। यदि किसी कर्मचारी द्वारा गलत जानकारी दी जाती है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई करते हुए पदावनति तक की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

यूजीसी पर रोलबैक किया, तो होगा पुरजोर विरोधः आजाद

सीतापुर, वार्ता

सीतापुर में सांसद चंद्रशेखर का बड़ा बयान

आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष एवं नगीना सांसद चन्द्रशेखर आजाद उर्फ रावण सीतापुर में प्रदेश बीजेपी सरकार पर जमकर बरसे और कहा कि उत्तर प्रदेश में जंगलराज कायम है और सभी लोग इससे निजात पाना चाहते हैं। आजाद ने आगे कहा कि यूपी की बीजेपी सरकार घबराई हुई है, इसीलिए वह पंचायत चुनाव समय पर कराने के बजाय आगे के लिए टाल रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी आजाद समाज पार्टी विधानसभा चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार है।

चंद्रशेखर आजाद रविवार को लखीमपुर में पार्टी की रैली करने के बाद सीतापुर पहुंचे थे। जहां उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि वह पिछले करीब 6 माह से 2027 में होने जा रहे उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए तैयारी कर रहे हैं। लखीमपुर में उनकी आठवीं रैली है जिसकी सफलता देखकर लोग घबरा उठे हैं। सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि यूपी में सिर्फ जंगलराज ही नहीं, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, फर्जी एनकाउंटर, नौकरियों की भर्ती में गड़बड़ी से लोग आक्रोशित हैं। अब खुद बीजेपी के विधायक कैमरे के सामने ऐसे गम्भीर आरोप लगा रहे हैं, जिससे स्थिति का अनुमान स्वयं ही लगाया जा सकता है। इन चीजों से निजात के लिए जनता विकल्प की तलाश कर रही है। हम जनता को अच्छा विकल्प देने का प्रयास करेंगे।

योगी ने आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को स्मार्टफोन व नियुक्ति पत्र किए वितरित

यूपी में आंगनवाड़ियों का मानदेय जल्द बढ़ेगा

शाह टाइम्स ब्यूरो

सीएम योगी का बड़ा ऐलान, आंगनबाड़ी केन्द्र बनेंगे स्मार्ट, लखनऊ में विपक्ष पर जमकर बरसे मुख्यमंत्री

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को स्मार्टफोन और नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कहा कि यह बहुप्रतीक्षित पहल है, जिससे जमीनी स्तर पर काम करने वाली महिला कार्यकत्रियों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाया जा सकेगा।

उन्होंने कहा कि अब हर आंगनवाड़ी कार्यकत्री के पास स्मार्टफोन होना जरूरी है, ताकि कार्यों का रियलटाइम डेटा उपलब्ध हो सके और योजनाओं की मॉनिटरिंग बेहतर ढंग से हो पाए। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश के सभी जनपदों में स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे आंगनवाड़ी सेवाओं में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ेगी। योगी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत 3 से 5 वर्ष तक के बच्चों के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों पर प्री-प्राइमरी शिक्षा शुरू की जा रही है। इसके लिए पूर्व में बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित करीब 27 हजार केंद्र अब आंगनवाड़ी व्यवस्था को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे कार्यकत्रियों की जिम्मेदारी और भी बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान देश के भविष्य को संवारने का प्रयास है। यदि नवजात शिशु सुपोषित होगा और मां स्वस्थ होगी, तो देश का भविष्य स्वतः सशक्त बनेगा। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में सरकार ने इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं और इन योजनाओं की असली वाहक आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां ही हैं। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को उनकी भूमिका के अनुरूप 'यशोदा मैया' की उपाधि दी है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार यशोदा मैया ने भगवान श्रीकृष्ण का पालन-पोषण किया, उसी तरह आज आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां देश के बच्चों के भविष्य को संवारने का कार्य कर रही हैं।

अभिभावकों और विद्यार्थियों के नाम लिखा पत्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नए शैक्षणिक सत्र के अवसर पर प्रदेश के विद्यार्थियों और अभिभावकों के नाम एक प्रेरणादायक पत्र जारी किया है। योगी की पाती शीर्षक से जारी इस संदेश में उन्होंने बच्चों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए शिक्षा, संस्कार और समग्र विकास पर विशेष जोर दिया है। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि नया शैक्षणिक सत्र नई उम्मीदों और अवसरों के साथ शुरू हो रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद और विद्यालय की अन्य गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण और संस्कारयुक्त शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अपने संदेश में भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बच्चों को कर्तव्यनिष्ठ और सकारात्मक सोच अपनाने की प्रेरणा दी।

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

अर्थ व्यापार

सेंसेक्स 71947.55
निफ्टी 22331.40

सोना 146558
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

चांदी रु. 228149
प्रति किलो

शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट सेंसेक्स 1636 अंक लुढ़का

मुंबई, वार्ता

विदेशों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को बड़ी गिरावट देखी गई और बीएसई का सेंसेक्स 1,635.67 अंक (2.22 प्रतिशत) लुढ़ककर 25 महीने से अधिक के निचले स्तर 71,947.55 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 488.20 अंक यानी 2.14 प्रतिशत टूटकर 22,331.40 अंक पर बंद हुआ जो इसका करीब एक साल का निचला स्तर है।

पश्चिम एशिया संकट और उद्योगों पर उनके प्रभाव के कारण शेयर बाजारों में शुरू से ही बिकवाली हावी रही। सेंसेक्स एक हजार अंक से अधिक की गिरावट में खुला। दोपहर बाद बाजार पर दबाव और बढ़ गया। मझौली तथा छोटी कंपनियों में बिकवाली ज्यादा देखी गई। वृहत सूचकांकों में निफ्टी मिडकैप-50 में 2.68 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक में 2.66 फीसदी की गिरावट रही। बैंकिंग और वित्तीय शेयरों पर भारी दबाव रहा। ऑटो, मीडिया, एफएमसीजी, रियलटी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, फार्मा और स्वास्थ्य सेक्टरों के सूचकांकों में भी अधिक गिरावट रही। सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस का शेयर पांच प्रतिशत से ऊपर टूट गया। भारतीय स्टेट बैंक, इंडिगो, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक और ट्रेंट के शेयर तीन से चार प्रतिशत तक लुढ़के। भारती एयरटेल, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक और सनफार्मा के शेयर दो से तीन प्रतिशत फिसल गए। एशियन पेंट्स, अडानी पोर्ट्स, इटरनल, एलएंडटी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंफोसिस, एनटीपीसी, टीसीएस, बीईएल और मारुति सुजुकी के शेयरों में एक से दो फीसदी की गिरावट रही। हिंदुस्तान यूनी. लिवर, टाटा स्टील और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी लाल निशान में रहे।

मध्य पूर्व में युद्ध से धड़ाम हुआ सोना-चांदी

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में चल रहे युद्ध की वजह शेयर बाजार में लाल निशान पर ट्रेड कर रहा है। इसके साथ ही सोना-चांदी में भी भारी गिरावट दर्ज की जा रही है। 30 मार्च को एमसीएक्स में सोना और चांदी दोनों ही 1400 रुपये से ज्यादा की गिरावट है। एमसीएक्स में 10 ग्राम सोने की कीमत 1,46,558 रुपये चल रही है। इसमें 697 रुपये प्रति 10 ग्राम की गिरावट है। सोने ने अब तक 1,44,212 रुपये प्रति 10 ग्राम का लो और 1,49,250 रुपये प्रति 10 ग्राम का हाई बनाया है। चांदी में सुबह भारी गिरावट थी। हालांकि अब 10.30 बजे तक चांदी में रिकवरी आई है। सुबह 10.40 बजे एमसीएक्स में 1 किलो चांदी की कीमत 2,28,149 रुपये चल रही है। इसमें 195 रुपये प्रति किलो की तेजी है। चांदी ने अब तक 2,25,763 रुपये प्रति किलो का लो और 2,28,786 रुपये प्रति किलो का हाई बनाया है। रायपुर में आज सोना सबसे सस्ता मिल रहा है। यहां 10 ग्राम सोने की कीमत 1,46,860 रुपये चल रही है। कानपुर और लखनऊ में सोने की कीमत सबसे ज्यादा है। यहां 10 ग्राम सोने का भाव 1,47,070 रुपये चल रहा है। सोने के साथ रायपुर में चांदी भी सबसे सस्ती मिल रही है।

पेंशन बढ़ाने पर संवेदनशीलता से कर रहे हैं कामः सीतारमण

नई दिल्ली, वार्ता

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सोमवार को लोकसभा में कहा कि कर्मचारी पेंशन निधि के तहत पेंशन पाने वाले कर्मचारियों की पेंशन बढ़ाने पर सरकार संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है। श्रीमती सीतारमण लोकसभा में एक पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि इस योजना के तहत पेंशन बहुत कम है और इस मामले में उनसे बराबर प्रतिनिधिमंडल मिलने भी आते हैं। उन्हें इस मामले की पूरी जानकारी है और इस पर सरकार गंभीरता से तथा संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पेंशन कंट्रीब्यूशन के आधार पर तय की जा रही है।

उन्होंने इसे अत्यंत संवेदनशील मुद्दा बताया और कहा कि इस संबंध में उनसे कई लोग मिल चुके हैं। उनका मनाना है कि वृद्धावस्था में सबको पेंशन मिलनी चाहिए और राशि भी ठीक मिलनी चाहिए लेकिन राशि का निर्धारण तकनीकी आधार पर होता है और जो पैसा आ रहा है वह ज्यादा पेंशन देने के लिए अभी पर्याप्त नहीं है। अभी जो पैसा है उसके हिसाब से 10000 देना भी संभव नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस बारे में चर्चा चल रही है और इसमें समय लग रहा है, क्योंकि धर्म संकट यह है कि जो राशि अर्जित हो रही है वह पर्याप्त नहीं है। इस पर विचार चल रहा है और सब स्थितियों को देखने परखने के बाद इस बारे में निर्णय लिया जाएगा। श्रम राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे इससे जुड़े एक सवाल पर कहा कि असंगठित क्षेत्र में पेंशन की फिलहाल कोई योजना नहीं है।

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहज़मी जॉन्डिस, फेटी लीवर, एल्कॉहलिक लिवर डिज़ीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

कांग्रेस ने असम के लोगों को दी पांच गारंटी

लखीमपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने असम की जनता को पांच गारंटियां दी है। कांग्रेस ने असम में मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए विधानसभा चुनावों में पांच-सूत्रीय गारंटी घोषणापत्र जारी किया है, जैसा कि उसने पिछले लोकसभा चुनावों के दौरान घोषित किया था। ये पांच गारंटियां असम की जनता की सुरक्षा और विकास के लिए हैं। खड़गे ने कहा कि अगर कांग्रेस सरकार आती है, तो वह हर महिला को 50,000 रुपये देगी और हर परिवार को 25 लाख रुपये का हेल्थ इंश्योरेंस देगी। वह 100 दिनों के अंदर जुबीन गर्ग के परिवार को इंसाफ दिलाएगी। खड़गे ने कहा कि इस बार हिमंत बिस्वा सरमा को हटाना ही होगा। इस बार चुनावी लड़ाई कांग्रेस और बीजेपी के बीच नहीं होगी।

खड़गे ने पांच सूत्रीय गारंटी घोषणापत्र लॉन्च किया, हिमंत बिस्वा सरमा के परिवार पर बड़ा आरोप

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जनगणना- 2027... कि वे 1 मार्च, 2027 को 00:00 बजे की स्थिति में होंगे। इसलिए यह संदर्भ तिथि बहुत महत्वपूर्ण है। भारत में जनगणना दो चरणों में की जाती है। पहला चरण हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग जनगणना है, जिसमें घरों की सूची बनाना और उनकी गिनती करना शामिल है। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने 8 जनवरी को बताया था कि देश में होने वाली जनगणना 2027 का पहला फेज एक अप्रैल से 30 सितम्बर के बीच किया जाएगा। हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपने यहां 30 दिनों में यह काम पूरा करेंगे। सरकार ने यह भी कहा कि घरों की लिस्टिंग शुरू होने से 15 दिन पहले लोगों को खुद से जानकारी भरने (सेल्फ एन्यूमरेशन) का विकल्प भी दिया जाएगा। दरअसल, जनगणना 2021 में होनी थी, लेकिन कोरोना महामारी की वजह से इसे टाल दिया गया था। यह अब 2027 में पूरी होगी। सरकार ने बताया कि इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी। करीब 30 लाख कर्मचारी मोबाइल एप के जरिये जानकारी जुटाएंगे। मोबाइल एप, पोर्टल और रियल टाइम डेटा ट्रांसफर से जनगणना बहुत हद तक पेपरलेस होगी। ये एप एंडरॉयडऔर आईओ दोनों पर काम करेंगे। जाति से जुड़ा डेटा भी डिजिटल तरीके से इकट्ठा किया जाएगा। आजादी के बाद पहली बार जनगणना में जाति की गिनती शामिल होगी। इससे पहले अंग्रेजों के समय 1931 तक जाति आधारित जनगणना हुई थी। यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ने अप्रैल में लिया था। 2011 की पिछली जनगणना के अनुसार, भारत की आबादी करीब 121 करोड़ थी, जिसमें लगभग 51.5 फीसदी पुरुष और 48.5 फीसदी महिलाएं थीं।

अलग-अलग धर्मो के लड़का-लड़की साथ रह सकते हैंः हाईकोर्ट

प्रयागराज, वार्ता

लिव इन रिलेशनशिप पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की बड़ी टिप्पणी

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए अहम टिप्पणी की है, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 21 के तहत अंतरधार्मिक जोड़े का लिव-इन रिलेशनशिप में रहना कोई अपराध नहीं है। दरअसल इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अंतरधार्मिक लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे एक जोड़े द्वारा सुरक्षा की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए उक्त टिप्पणी की है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इस मामले में सुनवाई के दौरान टिप्पणी करते हुए कहा है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 21 और साल 2021 के अधिनियम को ध्यान में रखते हुए यह नहीं कहा जा सकता कि अंतरधार्मिक जोड़े का (लिव-इन रिलेशनशिप) में रहना कोई अपराध है। अदालत ने कहा कि अगर याचिकाकर्ताओं ने कोई अपराध नहीं किया है, तो कोर्ट को ऐसा कोई कारण नजर नहीं आता कि उनकी सुरक्षा प्रदान किए जाने की मांग को क्यों न स्वीकार किया जाए। कोर्ट ने कहा कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्राप्त संवैधानिक मौलिक अधिकार का दर्जा कहीं अधिक ऊंचा है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता अंतरधार्मिक जोड़े की याचिका को स्वीकार करते हुए निर्देश दिया कि यदि कोई व्यक्ति याचिकाकर्ताओं की इच्छा के विरुद्ध या किसी भी कपटपूर्ण तरीके, बल, ज़बरदस्ती, प्रलोभन, अनुचित प्रभाव अथवा गलत बयानी के माध्यम से उनका धर्म परिवर्तन करने का प्रयास करता है, तो याचिकाकर्ता इसकी रिपोर्ट या शिकायत पुलिस में दर्ज करा सकते हैं। लिव इन रिलेशनशिप में रहने वाले एक हिंदू लड़की और एक मुस्लिम युवक ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए कोर्ट से मांग कि थी कि कोर्ट कोई आदेश जारी करे, जिसमें प्रतिवादियों को निर्देश दिया जाए कि वो दोनों के शांतिपूर्ण जीवन और स्वतंत्रता में दखल न दें और साथ ही उन्हें सुरक्षा प्रदान करने का भी निर्देश दिया जाए। कोर्ट ने कहा कि एक बार जब कोई व्यक्ति बालिग हो जाता है, तो वह जिसके साथ चाहे रह सकता है और उसकी इस पसंद में कोई भी दखल नहीं दे सकता।

भाजपा-एलडीएफ साथ काम कर रहेः राहुल गांधी

पथानामथिट्टा (केरल)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पीएम मोदी ने अपने केरल दौरे के दौरा सबरीमला मुद्दे पर चुप्पी साधे रखी, जो इस बात का संकेत है कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) असल में भाजपा के नियंत्रण में है।

अडूर में कांग्रेस की एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने दावा किया कि नौ अप्रैल के लिए निर्धारित विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी को मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी और भाजपा के गठजोड़ से मुकाबला करना पड़ रहा है। एलडीएफ पर भाजपा के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया और दोनों पार्टियों को यूडीएफ की विरोधी ताकतों के तौर पर दिखाया। उन्होंने कहा कि भाजपा-एलडीएफ फ्रंट यूडीएफ के उलट है और इसीलिए भाजपा केरल में यूडीएफ को सत्ता हासिल करने से रोक रही है। गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हाल ही में सबरीमला में हुई सोने की चोरी के बारे में बताने की चुनौती दी और सवाल किया कि प्रधानमंत्री ने इस घटना को नजर. अंदाज क्यों किया। उन्होंने भाजपा-सीपीएम के रिश्ते को मिलीभगत का सबूत बताया और भरोसा दिलाया कि सोने की चोरी में शामिल लोगों को उसी हिसाब से सजा मिलेगी। गांधी ने केरल की धार्मिक एकता की परंपरा की भी तारीफ की और बताया कि कैसे मलयाली एकजुट होकर पूरे देश में एक मजबूत संदेश देते हैं।

सबरीमला मामले पर मौन रहे पीएम

गांजा तस्करों से बदर अली की नाजदीकियां !

आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद से भी कराई मुलाकात

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। गांजा तस्करों से बदर अली की नजदीकियां किसी से छुपी नही हैं। पिछले दिनों काशी टोल प्लाजा पर पुलिस ने घेराबंदी करके एक ही स्कोर्पियो में बदर अली के साथ गांजा तस्कर तस्लीम और सलमान कुरैशी को दबोच लिया था। पुलिस सभी स्कोर्पियो सवार को परतापुर थाना ले आई थी। रात भर कस्टडी में रखने के बाद अगले दिन सुबह परतापुर पुलिस ने सलमान कुरैशी से लगभग आधा किलो चरस बरामद करके सलमान और तस्लीम को जेल भेज दिया था जबकि बदर अली व पार्षद शमशाद माहिगीर और दानिश सैफी व अन्यों का तस्करा डालकर थाने से छोड़ दिया गया था। मामले में बदर अली का कहना था कि उन्हें मालूम नहीं था कि सलमान, गांजा तस्करी में शामिल है। सलमान पिछले हफ्ते ही जेल से बाहर आया तो आते ही बदर अली ने अपने और नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद के साथ उसके बड़े-बड़े होर्डिंग पोस्टर

लगाकर गांजा तस्कर से अपनी नाजदीकियां जाहिर कर दी। पोस्टर में सलमान को आसपा का शहर विधानसभा उपाध्यक्ष बताया गया है। इसी बीच कल से सोशल मीडिया पर कुछ फोटो वायरल हो रहे हैं। फोटो में बदर अली व पार्षद शमशाद के साथ गांजा तस्कर भी चंद्रशेखर आजाद से मुलाकात करता हुए दिखाई दे रहा है। पोस्ट पर बताया गया कि आगामी चुनाव को लेकर बदर अली ने क्षेत्र के कुछ लोगों के साथ चंद्रशेखर आजाद से ये मुलाकात की है लेकिन चर्चा ये है कि बदर अली अब गांजा तस्करों के भरोसे चुनाव में उतर रहा है या बदर अली के साथ शहर का कोई जिम्मेदार समूह नहीं है। गांजा तस्करी में सलमान को जेल भेजने के बाद पुलिस की पीठ थपथपाने वाले बदर अली की आखिर क्या मजबूरी है कि वह इन गांजा तस्करों का साथ नहीं छोड़ पा रहा है। दोनों की इस जुगलबंदी को लेकर भी कई तरह की बातें चर्चा में हैं।

गुरु तेग बहादुर पब्लिक स्कूल में वार्षिक परिणाम घोषित

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। गुरु तेग बहादुर पब्लिक स्कूल में सोमवार को वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा, जिससे छात्रों और अभिभावकों में खुशी का माहौल रहा। विद्यार्थियों ने अच्छे अंकों से सफलता प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। एकेडमिक अचीवर्स में हिंजा, इशा, संयम, जुवेरिया, अवि. राज, अवनी, कबीर, मरहान, अनुष्का, हमजा, तल्हा, ऐशल, अजीम, इफरा, बरसात, नविया, अभिषेक, आयरा, एमन, अदिना, मिरजा, शयान, अनिका जैन, एमरीन, मनन, जैनब, प्रखर, शौर्य, गर्व सोम, प्रहस्त, आकिब, वानी मित्तल, अराधना, तमन्ना, मौसम, राफिया व पर्व प्रमुख रहे। रिपोर्ट कार्ड मिलने पर बच्चों के चेहरों पर खुशी झलकती दिखी और वे अगली कक्षा में जाने को उत्साहित नजर आए। उप-प्रधानाचार्या प्रभा राव ने

विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा अभिभावकों को भी बधाई दी।

स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज में हवन पूजन के साथ नए सत्र का शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

बहसूमा। क्षेत्र के गांव सदरपुर में स्थित स्वामी विवेकानंद हाईस्कूल में सोमवार को विधि विधान के साथ नये सत्र 2026-27 के प्रारंभ में पंडित वैभव भारद्वाज द्वारा हवन पूजन किया गया। जिसमें विद्यालय के प्रबंधक मनोज तोमर व प्रधानाचार्या रीना तोमर अध्यापकगण रामगोपाल, राशिद अली, शाहनवाज सैफी, असीम, मंजू, पूजा, सुनीता, विनीता, स्वाति, कुमारी खुशी सैनी, काजल सिरोही, नेहा, पारुल, अहसान, जतिन, अभिषेक एवं समस्त अध्यापक एवं समस्त कर्मचारी गण एवं छात्र-छात्राओं के द्वारा श्री गणेश एवं मां सरस्वती को ध्यान करते हुए मंत्रो के साथ हवन को आहुति दी गई तथा प्रसाद वितरण के साथ नये सत्र का शुभारंभ किया गया।

चेतक स्क्रीन अवार्ड्स 24 नॉमिनेशंस के साथ धुरंधर सबसे आगे

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। द इंडियन एक्सप्रेस ग्रुप की 'स्क्रीन एकेडमी' ने आगामी 5 अप्रैल को होने वाले 'चेतक स्क्रीन अवार्ड्स' के लिए सभी 31 श्रेणियों में नामांकनों की घोषणा कर दी है। यह समारोह 2025 की सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्मों और ओटीटी कंटेंट के सम्मान में आयोजित किया जाएगा। आदित्य धर की स्पाय थ्रिलर 'धुरंधर' 24 नॉमिनेशंस के साथ सबसे आगे रही, जबकि मोहित सूरी की 'सैयारा' ने 17 और नीरज घेवान की 'होमबाउंड' ने 15 श्रेणियों में अपनी जगह बनाई। ये नॉमिनेशंस थिएटर और ओटीटी, दोनों प्लेटफॉर्म्स की फिल्मों के लिए हैं, जो आज के भारतीय सिनेमा की बदलती तस्वीर को दर्शाते हैं। 20 वर्षों में पहली बार, कोई फिल्म अवॉर्ड शो लाइव टेलीकास्ट होगा। 'द इंडियन एक्सप्रेस ग्रुप' की डिजिटल-फर्स्ट अप्रोच के तहत, यूट्यूब के साथ खास साझेदारी के जरिए इसे दुनिया भर के दर्शकों के लिए मुफ्त उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, इसका सीधा प्रसारण सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर भी होगा।

हवन पूजन के साथ डीपीएम पब्लिक स्कूल मे नये सत्र का हुआ शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

बहसूमा। सोमवार को हवन पूजन के साथ डीपीएम पब्लिक स्कूल में नए सत्र का शुभारंभ सचिव जगदीश त्यागी ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य श्रेष्ठ संस्कार और विद्यालय की निरंतर उन्नति के लिए की विशेष मंगलकामना की गई। बतादें कि डीपीएम पब्लिक स्कूल बहसूमा में सोमवार को नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 का शुभारंभ अत्यंत श्रद्धा, उत्साह एवं वैदिक परंपराओं के अनुरूप हवन पूजन, गणेश वंदना एवं सरस्वती पूजन के साथ भव्य रूप से किया गया। विद्यालय परिसर प्रातः काल से ही भक्तिमय वातावरण में सराबोर दिखाई दिया। नए सत्र के प्रथम दिवस विद्यालय पहुंचे छात्र छात्राओं उनके अभिभावकों एवं समस्त स्टाफ का तिलक लगाकर, पुष्प अर्पित कर एवं मंगलकामनाओं के साथ आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश के पूजन से हुआ। जिसके बाद विद्या की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती की विधिवत आराधना की गई। विद्यालय परिवार ने प्रार्थना की कि नवीन सत्र में सभी विद्यार्थियों को प्रखर बुद्धि, सद्बुद्धि, उत्तम संस्कार, शिक्षा में उत्कृष्ट सफलता तथा जीवन में निरंतर प्रगति प्राप्त हो। इसके उपरांत वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य हवन यज्ञ संपन्न कराया गया, जिसमें विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं, शिक्षक शिक्षिकाओं, कर्मचारियों एवं स्टाफ सदस्यों ने पूर्ण श्रद्धा एवं उत्साह के साथ आहुति देकर नए सत्र के मंगलमय होने की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय के सचिव जगदीश त्यागी ने कार्यक्रम की मुख्य भूमिका निभाते हुए संपूर्ण हवन पूजन की विधि-विधान एवं वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न कराया। उनके निर्देशन एवं विशेष देखरेख में पूरा आयोजन अत्यंत सुव्यवस्थित एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि नए शैक्षणिक सत्र का आरंभ हवन पूजन के साथ करने का उद्देश्य बच्चों में सकारात्मक ऊर्जा, आत्मविश्वास, अनुशासन, नैतिक मूल्यों और भारतीय संस्कृति के प्रति आस्था का विकास करना है।

भाजपा नेताओं ने किया नवनियुक्त सभासदों का सम्मान

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। कस्बा शाहजहांपुर के नवनियुक्त मनोनीत सभासदों के सम्मान में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह सम्मान समारोह नित्यानंद पुर मार्ग स्थित एफबी बैंकट हॉल में आयोजित हुआ, जिसकी मेजबानी भाजपा नेता तारिक खान ने की। कार्यक्रम के दौरान नवनियुक्त सभासद अमित सैनी और विनोद कुमार का माल्यार्पण कर तथा मिठाई खिलाकर जोरदार स्वागत किया गया। इस मौके पर तारिक खान ने कहा कि पार्टी ने समर्पित कार्यकर्ताओं को यह जिम्मेदारी देकर उनका सम्मान बढ़ाया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी

शाहजहांपुर के बैंकट हॉल में आयोजित हुआ कार्यक्रम, पार्टी पदाधिकारी रहे मौजूद

सभासद क्षेत्र के विकास और जनसमस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। समारोह में पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अनुज नागर (मंडल अध्यक्ष), तारिक खान (भाजपा नेता एवं मंडल उपाध्यक्ष), अनिल अग्रवाल (मंडल उपाध्यक्ष), शाहिद खान, दानिश कसार, अंकित प्रधान और विक्रांत त्यागी आदि मौजूद रहे।

स्मार्ट मीटर ने तोड़ी गरीब मजदूरों की कमर

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। ककरखेड़ा उत्तर प्रदेश सरकार के दिशा निर्देशों में बिजली विभाग द्वारा उपभोक्ताओं के यहां लगे स्मार्ट मीटरों ने उल्टा सीधा बिल भेजकर जनता की कमर तोड़ कर रख दी है। अधिकारी स्मार्ट मीटर के बारे में इसके लाभ हानि इसकी त्रुटियों के बारे में अनभिज्ञ नहीं हैं, भलीभांति जानते हैं। हर रोज बिजली घरों पर अपने कर्तव्यन कटने की शिकायत हो या बिजली का बिल अधिक आने की वजह से जनता बेहाल है।

बिजली विभाग ने रीडिंग के नाम पर स्मार्ट मीटर लगाने का सर्वे कर जनता को किया गुमराह

बिजली विभाग के कर्मचारियों ने घर घर जाकर मीटर रीडिंग के नाम पर सर्वे कर स्मार्ट मीटर लगाने की योजना को अमलीजामा पहनाने को जनता को गुमराह किया गया, फिर स्मार्ट मीटरों को उपभोक्ताओं को थोपा गया है। गांव से लेकर बड़े शहरों तक स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। स्मार्ट मीटरों की वजह से आज जनता की जेब पर डाका डाल उसकी कीमत बिजली घरों के चक्कर काट कर भुगत रही है।

प्रीपेड मीटरों से सीधा संबद्ध लखनऊ से नहीं होती कोई सुनवाई

जनता को अधिक परेशानियों का सामना स्मार्ट मीटरों को पोस्टपेड से प्रीपेड करने में अधिक आई है। प्रीपेड मीटरों का सीधा संबद्ध लखनऊ मुख्यालय से जुड़ा है। जिसकी कहीं कोई सुनवाई नहीं है। उल्टा सीधा बिल आने पर अधिकारियों के हाथ कुछ नहीं है केवल अधिकारियों के पास एक जवाब है टेक्निकल समस्या है। अगले बिल में ठीक हो जाएगी। महीने बाद बिल का चक्कर समाप्त रिचार्ज करो बिजली उपयोग में लो वरना कनेक्शन काट दिया जाता है।

ककरखेड़ा में रहने वाले इंद्रजीत पुत्र आशाराम की बिजली काट दी गई बिल जमा करने के बाद भी बिजली चालू नहीं हुई तीन दिनों तक अंधेरे में दो दिन बाद फिर बिजली काट दी गई। दो दिन में दो हजार चार सौ रुपए का बिल फिर बिजली काट दी गई। कमला देवी पत्नि राजेश के साथ भी यही घटना घटी। वहीं पास में रहने वाली कलावती सुशील कुमार, विवेक अन्य उपभोक्ताओं के साथ यही समस्या आ रही है।

योगेंद्र कुमार पूर्व सभासद

दिसंबर में सोलर प्लांट लगवाया था लगने के बाद से हर माह बिजली बिल का भुगतान करना पड़ रहा है 23 मार्च को बिजली काट दी गई। बिल जमा किया जबकि मेरी सोलर प्लांट से बनी 427 यूनिट बिजली विभाग पर बकाया है। वही कॉमर्शियल कनेक्शन 26 जनवरी को लगवाया था दुकान चालू नहीं हुई फरवरी में चार हजार आठ सौ का बिल आया, जमा किया फिर वहीं 27 मार्च को सात सौ रुपए का बिल में बिलजी काट दी गई। सोमवार को गंगानगर बिजली घर शिकायत की तो वहां एक्सईएन सौरभ मंगला मौके पर मिले। उन्होंने बताया कि स्मार्ट मीटर एप्लिकेशन डाउनलोड कर लो डाउनलोड किया तो उसमें आया जियो ऐप में आपका स्वागत है। तब समझ आया ये खेल तो आड़ानी कर रहे हैं। बाकी सब उसकी कठपुतली बने हुए हैं।

गौरव गुप्ता बने मेरठ व्यापार मंडल के जिला उपाध्यक्ष

शाह टाइम्स संवाददाता

लावड़। कस्बा निवासी व लावड़ व्यापार संघ अध्यक्ष गौरव गुप्ता को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की मेरठ इकाई में जिला उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया है। उन्हें सोमवार को जिला अध्यक्ष विष्णु दत्त पाराशर द्वारा मनोनय पत्र दिया गया और फूल माला पहनाकर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। वहीं लावड़ व्यापार संघ के महामंत्री नायाब रिजवी व गौरव गुप्ता ने लावड़ नगर पंचायत द्वारा लगाए जा रहे व्यापारी शुल्क के बारे में मेरठ इकाई के पदाधिकारियों को अवगत कराया जिसके संबंध में जल्द ही कोई बड़ा

लावड़ के व्यापारियों ने प्रतिष्ठान पर पहुंचकर दी बधाई

निर्णय लिया जाएगा। वहीं सोमवार को देर शाम गौरव गुप्ता के प्रतिष्ठान पर व्यापार संघ के अन्य पदाधिकारियों व व्यापारियों ने पहुंचकर उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी। इस दौरान गौरव गुप्ता ने कहा कि वे व्यापारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने और उनके हितों की रक्षा के लिए कार्य करेंगे। उन्होंने संगठन को और अधिक शक्रिय एवं मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इस मौके पर व्यापार संघ महामंत्री नायाब रिजवी, मोहन सैनी, हाजी खुर्शीद आदि लोग मौजूद रहे।

शाहजहांपुर नगर पंचायत में नामित सदस्यों का शपथ ग्रहण, विकास के संकल्प के साथ गूंजा परिसर

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। नगर पंचायत शाहजहांपुर में सोमवार को नव-नामित सभासदों के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन अत्यंत गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। नगर पंचायत परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं सम्मानित अतिथियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। समारोह के दौरान नव-नामित सदस्य संजू अग्रवाल, विनोद अहेरिया एवं अमित सैनी ने विधिवत अपने पद एवं दायित्व की शपथ ग्रहण की। शपथ लेते हुए तीनों सदस्यों ने नगर के समग्र विकास, पारदर्शी प्रशासन और जनसेवा के प्रति पूर्ण निष्ठा से कार्य करने का संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने अपने संबोधन में नगर पंचायत के विकास को नई दिशा देने पर जोर दिया। उन्होंने स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार तथा जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही, नव-नामित सदस्यों से अपेक्षा जताई गई कि वे जनता की आकांक्षाओं पर खरा उतरते हुए क्षेत्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर उपस्थित नागरिकों ने भी नव-नामित सभासदों को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि उनका कार्यकाल नगर पंचायत शाहजहांपुर को प्रगति की

नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में मील का पत्थर साबित होगा। समारोह के अंत में आयोजकों द्वारा सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व विधायक सत्यवीर त्यागी, चेयरमैन वसी उर्रहमान खां, डॉ. यूसुफ, बबलू अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, रवि अग्रवाल, मौ. फैजी खान, आंकित भडौली, विक्रांत त्यागी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इसके अलावा सभासदगण विकास कुमार, संजय, लईक कुरैशी, शादाब, इसरार अहमद, बिल्लू कुमार, सुभाष, कासिम मालिक, जाहिद अंसारी आदि की भी उपस्थित रहे।

सुभारती लॉ कॉलेज के छात्रों का परतापुर थाने में शैक्षिक भ्रमण

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित सरदार पटेल सुभारती इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ द्वारा विधि विद्यार्थियों के लिए परतापुर पुलिस थाने का शैक्षिक भ्रमण आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के निदेशक राजेश चन्द्रा (पूर्व न्यायमूर्ति, इलाहाबाद उच्च न्यायालय) के निर्देशन एवं संकायाध्यक्षा डॉ. रीना बिश्नोई के संरक्षण में किया गया। भ्रमण के दौरान डॉ. रीना बिश्नोई ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों को कानून-व्यवस्था एवं पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली से व्यावहारिक रूप से परिचित कराना है। वहीं निदेशक राजेश चन्द्रा ने बताया कि इस प्रकार के भ्रमण से छात्रों को शिकायत दर्ज करने, काउंसलिंग एवं विवाद समाधान जैसी प्रक्रियाओं की वास्तविक जानकारी प्राप्त होती है। विद्यार्थियों का दल परतापुर पुलिस थाना पहुंचा, जहां थाना प्रभारी अजय शुक्ला ने उनका स्वागत किया। उन्होंने मिशन शक्ति अभियान के

तहत महिला सुरक्षा एवं अधिकारों की रक्षा हेतु पुलिस की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। अवर निरीक्षक द्वारा छात्रों को एफआईआर दर्ज करने से लेकर चार्जशीट दाखिल करने तक की पूरी प्रक्रिया क्रमबद्ध तरीके से समझाई गई। पुलिस अधिकारियों ने असंज्ञेय अपराध, पंचनामा, महिला सुरक्षा कानूनों एवं हेल्पलाइन नंबर के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर छात्रों ने उत्साहपूर्वक कई प्रश्न पूछे, जिनका पुलिस अधिकारियों ने सरल एवं सहज भाषा में संतोषजनक उत्तर दिया। इस शैक्षिक भ्रमण में ऑबिका, सौम्या, अंशु राज, ओम, आदित्य बनर्जी, आदित्य पुंडीर, जाकिर, पृथ्वी, रिया चौबे, रिया शर्मा, ओसामा, मुन्ना, तबरेज, जाने आलम, निधि, नव्या, अंशिका, कुंदन सहित अनेक विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की।

सुभारती विश्वविद्यालय में 'शाम-ए-गजल' का भव्य आयोजन

पद्मश्री उस्ताद अहमद हुसैन-मोहम्मद हुसैन ने बांधा समां, बेगम अख्तर की याद में हुआ आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय के परफॉर्मिंग आर्ट्स विभाग द्वारा पद्मभूषण बेगम अख्तर की याद में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह के निर्देशन में उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के साथ संयुक्त तत्वावधान में 'शाम-ए-गजल' का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर पद्मश्री सम्मान से सम्मानित सुप्रसिद्ध गजल गायक अहमद हुसैन एवं मोहम्मद हुसैन ने अपनी सुरमयी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जिसके पश्चात मंच कला विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। इसके उपरांत विश्वविद्यालय की परंपरा के अनुसार सभी विशिष्ट कलाकारों, मुख्य अतिथि एवं अन्य गण्यमान्य अतिथियों का पादप भेंट कर तथा पटका पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। गजल संध्या में पद्मश्री से सम्मानित प्रख्यात गजल गायक उस्ताद अहमद हुसैन एवं मोहम्मद हुसैन ने अपनी मधुर आवाज से समां

बांध दिया। उनकी प्रस्तुति 'प्यार का जज्बा नया रंग दिखा देता है' और हसरत जयपुरी की लिखी गजल 'इश्क गर एक तरफ हो तो सजा देता है', 'चल मेरे साथ ही चल' से श्रोताओं को एक अविस्मरणीय संगीत अनुभव प्रदान किया। इस मौके पर हुसैन बंधुओं का साज पर संगत प्रख्यात सारंगी वादक कमाल खान, कीबोर्ड वादक जफर मिर्जा, गिटार वादक रतन प्रसन्ना तथा तबले पर अदनान खान ने साथ देकर कार्यक्रम को और भी प्रभावशाली बना दिया। इस दौरान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी व विशिष्ट अतिथि के रूप में मेरठ शहर के पूर्व सांसद राजेंद्र अग्रवाल रहे। वहीं प्रो. जयंत खोत, अध्यक्ष उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के निदेशक डॉ. शोभित नाहर, पंडित कमाल साबरी, पंडित संतोष नाहर आदि की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.(डॉ.) प्रमोद कुमार शर्मा ने कार्यक्रम की सफलता पर सभी को शुभकामनाएं दीं। वहीं विश्व. विद्यालय की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रो.(डॉ.) शल्या राज ने सभी का विश्वविद्यालय की ओर से औपचारिक रुप से स्वागत किया व कार्यक्रम में उपस्थित रहकर कलाकारों की सराहना की तथा ललित कला संकाय एवं मंच कला विभाग की पूरी टीम को बधाई दी। कार्यक्रम के अंत में कलाकारों को विश्वविद्यालय की ओर से सम्मान-प्रतीक एवं शाल भेंट कर धन्यवाद ज्ञापित किया गया। यह आयोजन ललित कला संकाय के संकाय प्रमुख प्रो.(डॉ.) पिंटू मिश्रा एवं मंच कला विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) भावना ग्रोवर के कुशल नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. श्वेता चौधरी ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में सुभारती विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे जिनमें विश्वविद्यालय के महानिदेशक मेज. जन. (डॉ.) जी.के.थपलियाल, एसएम (सेनि.), सुभारती डिफेंस अकादमी के निद. ेशक कर्नल राजेश त्यागी (सेनि.), डॉ. पंकज किशोर, डॉ. उमेश कुमार, डॉ. लकी त्यागी, डॉ. अमित कुमार, अंशुल चौधरी, जतिन आदि रहे वरन शहर की कई नामचीन हस्तियों ने भी अपनी शिरकत से इस मौके को खास बना दिया। इस कार्यक्रम में उपस्थित होने वाले लोगों में मेजर जनरल प्रणय डंगवाल, पूर्णिमा डंगवाल, कर्नल अमित सिंह सहित अनेक सेना अधिकारियों, शहर के प्रतिष्ठित चिकित्सकों एवं संगीत प्रेमियों के नाम रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं संगीत प्रेमियों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। तालियों की गूंज और कलाकारों के सम्मान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। आयोजकों के अनुसार, ऐसे सांस्कृतिक आयोजन भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

चौधरी राकेश टिकैत को उड़ीसा सरकार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया गया जिसके विरोध में जिलाध्यक्ष अनुराग चौधरी सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ सीओ मवाना का कार्यालय पर अनिश्चितकालिन धरना देकर बैठ गए।

कैंट विधायक ने आंगनबाड़ी केन्द्र गगोल का किया लोकार्पण, मुख्य सेविकाओं को दिए मोबाइल फोन

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। सोमवार को विकास भवन सभागार में विधायक मेरठ कैंट अमित अग्रवाल की अध्यक्षता में जनपद मेरठ की 300 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। उक्त अवसर पर मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्र भवन की नवीन डिजाइन के प्रस्तुतीकरण, आंगनबाड़ी केन्द्र भवन के लोकार्पण तथा बाल विकास परियोजना अधिकारियों के शिलान्यास कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया, जिसे सभागार में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा अवलोकित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विधायक द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्र गगोल का लोकार्पण किया गया तथा जनपद की 158 मुख्य सेविकाओं को विभागीय कार्यों के सुदृढ़ क्रियान्वयन हेतु मोबाइल फोन वितरित किए गए। इस अवसर पर नवचयनित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों

एवं सहायिकाओं को उनके दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, समर्पण एवं उत्तरदायित्व के साथ करने हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी डा. वी.के. सिंह, मुख्य विकास अधिकारी नूपुर गोयल, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेश कुमार गुप्ता, समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी, मुख्य सेविकाएं तथा नवचयनित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां एवं सहायिकाएं उपस्थित रहीं।

पीएम श्री उच्च प्राथमिक विद्यालय नंगली किठौर में परीक्षाफल वितरण कार्यक्रम का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

किठौर। पीएम श्री उच्च प्राथमिक विद्यालय नंगली किठौर में परीक्षाफल वितरण समारोह आयोजित किया गया जिसमें वार्षिकोत्सव वह मीना मंच मेला कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता बृजबाला व संचालन शादाब अली ने किया कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती पर माला अर्पण कर व दीप प्रज्वलित कर किया गया। छात्र-छात्राओं को परीक्षा परिणाम वितरित किया गया, परीक्षा फल प्राप्त कर सभी छात्र-छात्राओं के चेहरे खिल उठे प्रथम द्वितीय वृत्तीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को शील्ड प्रदान की गई बच्चों ने मीना नाटक वह सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस मौके पर प्रधानाध्यापक ताजुल मलूक ने अपने विचार प्रस्तुत किया और विद्यालय में मौजूद सुविधाओं जैसे आईसीटी लैब, डिजिटल लाइब्रेरी आदि के संबंध में जानकारी दी थाना किठौर से आई पुलिस टीम ने टोल फ्री नंबरों से

बालिकाओं और महिलाओं को अवगत कराया ग्राम प्रधान नंगली ने भी अपने विचार प्रस्तुत किया। इस मौके पर अध्यापक गणों जिसमे अतिया, रेनू चौधरी, रेखा, पिंकी आदि मौजूद थे।

प्राथमिक विद्यालय खिरका में हुआ पुरस्कार वितरण समारोह

शाह टाइम्स संवाददाता

फतेहगंज पश्चिमी। उच्च प्राथमिक विद्यालय खिरका में वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया।कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सभी का मन मोह लिया। विशेष रूप से 'छोटी सी आशा' एवं 'बाल विवाह रोकथाम' विषय पर आधारित प्रस्तुतियों को उपस्थित जनसमूह ने खूब सराहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम प्रधान श्री जितेन्द्र गंग. वार तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में एसएमसी अध्यक्ष श्री धर्मपाल जी मौजूद रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यापक हरीश बाबू के नेतृत्व में सीमा अग्रवाल, प्रीती चौधरी, सीमा रस्तोगी, संजीत प्रकाश सक्सेना, ओंकार शरण, मुक्ता

अग्रवाल, समर पाल गंगवार, ज्ञान प्रकाश, कुसुमलता एवं रामभरोसे ने कार्यक्रम को सफल बनाने में भूमिका निभाई।समारोह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

अंत में ग्राम प्रधान ने नए शैक्षिक सत्र में अधिक से अधिक बच्चों का विद्यालय में नामांकन कराने की अपील की।

स्टार अलफलाह इंटर कॉलेज में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

प्रबंधक डॉ. नुसरत सेठ ने कहा मुल्क का भविष्य हैं छात्र-छात्राएं, मेधावी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

किठौर। कस्बा किठौर के स्टार अल-फलाह इंटर कॉलेज में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मेधावी छात्र-छात्राओं को मोमेंट तो देते हुए सम्मानित किया। यह कार्यक्रम शिक्षा व सामा. जिक योगदान और विशेष उपलब्धियां को पहचान देने के लिए संस्था में हर वर्ष आयोजित किया जाता है जिसका उद्देश्य छात्र-छात्राओं के मनोबल को बढ़ाने व आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना और प्रतिभा की प्रति जागरूकता फैलाना है। कार्यक्रम कस्बा किठौर स्थित स्टार अलफलाह इंटर कॉलेज मैं छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया व प्रोत्साहित किया गया जिन छात्र-छात्राओं ने कक्षा 9 व 11 में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया उनको रिजल्ट कार्ड के साथ मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि किठौर चेयरमैन पति सलमान मुनक. ाद, एडीओ माछरा राजकुमार मौजूद

थे। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट शराफत अली ने किया। मुख्य अतिथि सलमान मुनकाद ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं बच्चों के लिए वरदान से कम नहीं है इसे विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभा सामने आती है और उनमें आत्मविश्वास का विकास होता है उन्होंने कहा कि आजकल के बच्चे हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं और समाज मैं अपना योगदान दे रहे हैं स्कूल प्रबंधक डॉक्टर नुसरत सेठ ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा के आने वाली बोर्ड परीक्षाओं में तुमको अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त होगा। आप सभी छात्र-छात्राएं अभी से ही अपने भविष्य को संवारने के लिए अपनी पढ़ाई लगन के साथ शुरू कर दें उन्होंने कहा कि तुम मुल्क का भविष्य हो अगर तुम बुनियादी तौर पर मजबूत होंगे तो मुल्क की जड़े भी मजबूत होगी और यह सब कुछ आप शिक्षा से हासिल कर सकते हैं समारोह के दौरान कक्षा 9 में प्रथम टॉपर मीनाक्षी पुत्री योगेंद्र कक्षा 11 गणित में प्रथम टॉपर आयशा पुत्री शराफत एडवोकेट और कक्षा 11 जीव विज्ञान में प्रथम टॉपर सन पुत्री जावेद अली रहे इसके अतिरिक्त द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को मोमेंट तो देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की इस मौके पर छात्र-छात्राओं के परिजन भी मौजूद रहे जिन्होंने अपने बच्चों का उत्साह बढ़ाया मुख्य रूप से विरासत त्यागी, अमित कुमार, सुदीप कुमार, पवन कुमार, अजय कुमार, वरिष्ठ पत्रकार शकील सैफी, डॉक्टर फुरकान, संजय, आंसू इकराम अली, वरुण कुमार आदि अध्यापकगण व गणमान्य लोग मौजूद थे।

दिव्यांगों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा

शाह टाइम्स संवाददाता

बहेड़ी। दिव्यांग जनों ने विभिन्न मांगों को लेकर तहसील परिसर में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। दिव्यांग उत्थान समिति के हृदय नारायण के नेतृत्व में दिव्यांगजन तहसील पहुंचे।

दिव्यांगों ने मांग रखी कि सरक. ारी नौकरी में 4 प्रतिशत का आरक्षण हो। व्यापार करने के लिए ब्याज मुक्त लोन दिया जाए।आरपी डब्लू डी एक्ट का सभी नियम व शर्तों के अनुसार पालन हो। बच्चों को सरक. ारी तथा गैर सरकारी स्कूलों में निशुल्क शिक्षा दिलाई दिया है। इसके अलावा अन्य मांगे भी ज्ञापन में शामिल करते हुए मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम इशिता किशोर को दिया गया।

धोबी तालाब की जमीन पर कब्जे की कोशिश नाकाम

जांच में खुलासा-डीएम ने दिए कार्रवाई के निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

बहेड़ी। नगर पालिका परिषद बहेड़ी क्षेत्र स्थित धोबी तालाब की भूमि पर कथित रूप से गलत तरीके से बैनामा कर कब्जे की शिकायत के मामले में गठित जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट जिलाधिकारी को सौंप दी है। जांच में स्पष्ट हुआ है कि तालाब की जमीन पर किसी भी सहखातेदार का कब्जा नहीं है और भूमि वर्तमान में जलमग्न अवस्था में है, जबकि कुछ लोग सड़क किनारे हिस्से पर अवैध कब्जे की कोशिश कर रहे हैं।

मामला 20 सितंबर 2025 को तहसील दिवस में उठाया गया था, जहां नगर पालिका परिषद बहेड़ी के कुछ सभासदों ने शिकायत करते हुए आरोप लगाया था कि भू-माफियाओं द्वारा तालाब के आगे के हिस्से पर गलत तरीके से बैनामा कर कब्जा किया जा रहा है। शिकायत में स्थानीय प्रशासनिक

अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए थे। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), उप जिलाधिकारी आंवला और तहस. ीलदार सदर की त्रिसदस्यीय जांच समिति गठित कर स्थलीय व अभिलेखीय जांच के निर्देश दिए थे। समिति की जांच में पाया गया कि राजस्व ग्राम शेखूपुर, परगना चौमहला, तहसील बहेड़ी स्थित गाटा संख्या 234 (रकबा 0.986 हे.) राजस्व अभिलेखों में श्रेणी-6-1 के अंतर्गत तालाब के रूप में दर्ज है। इसी गाटा के कुछ हिस्सों में विभिन्न व्यक्तियों के नाम दर्ज हैं, लेकिन मौके पर इनका कोई वास्तविक कब्जा नहीं पाया गया। जांच रिपोर्ट के अनुसार, तालाब के पूर्व दिशा में नारायण नगला रोड स्थित है, जो मौके पर चालू है और उसके दोनों ओर आबादी बसी हुई है। तालाब और सड़क के बीच स्थित त्रिभुजाकार भूमि (गाटा संख्या 462, क्षेत्रफल 3 बिस्वा) राजस्व अभिलेखों में दर्ज है। इसी हिस्से पर अन्य गाटा संख्या 355 व 356 के बैनामेदारों द्वारा अनधिकृत कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है, जो पूरी तरह अवैध है।

जिलाधिकारी ने जांच आख्या के आधार पर उप जिलाधिकारी बहेड़ी और अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद को निर्देश दिए हैं कि मामले में नियमानुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि तालाब की भूमि को अतिक्रमण से मुक्त रखा जा सके।

नगर में निकला आरएसएस का पथ संचलन

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। हिंदु नव वर्ष के अवसर पर सोमवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से नगर में पथ संचलन निकाला गया। पथ संचलन रामलीला ग्राउंड से शुरू हुआ, जो कस्बे के मुख्य मार्ग, बिजौरिया मार्ग, खारिजा मार्ग, बाईपास मार्ग, कचहरी मार्गों से होते हुए वापस रामलीला ग्राउंड पहुंचकर संपन्न हुआ। पथ संचलन के दौरान स्वयंसेवक निर्धारित वेशभूषा में अनुशासित पंक्तियों में चलते नजर आए। मार्ग में जगह-जगह लोगों ने पथ संचलन का फूल की वर्षा कर स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित पदाधिकारियों ने समाज में संगठन, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करने का संद. ेश दिया। पथ संचलन में विधायक डॉ. एमपी आर्य, ब्लॉक प्रमुख प्रति. निधि डॉक्टर आशुतोष गंगवार, नगर पालिका अध्यक्ष पति नीरेन्द्र सिंह राठौर, चोखेलाल गंगवार, पूर्व जिला पंचायत सदस्य लेखराज गंगवार, सभासद रामप्रकाश गंगवार, भानु गंगवार, सर्वेश गंगवार, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष केशव गुप्ता, युवा नेता सचिन रस्तोगी, देवेश देवल, हरस्वरूप गंगवार, अरविन्द शुक्ला सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना सरकार की प्राथमिकता: सैनी

दो दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम पर पहुंचे प्रभारी मंत्री ने की राजस्व, कानून व्यवस्था व विकास कार्यों की बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। सोमवार को जनपद में शासन की प्राथमिकताओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने के उद्देश्य से दो दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम पर पहुंचे प्रदेश सरकार के नामित जनपद प्रभारी मंत्री एवं राज्य मंत्री संसदीय कार्य एवं औद्योगिक विकास जसवंत सिंह सैनी ने पहले दिन कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व, कानून व्यवस्था एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक की।

बैठक में उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप कार्य करते हुए पात्र व्यक्तियों तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिशन मोड में पहुंचाया जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण के साथ कार्य करें, क्योंकि आम व्यक्ति बड़ी उम्मीद के साथ सरकारी दफ्तरों तक पहुंचता है। बैठक के दौरान प्रभारी मंत्री ने कानून व्यवस्था की स्थिति पर विशेष जोर देते हुए कहा कि जनपद में शांति और सुरक्षा बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि थानों में आने वाले प्रत्येक प्रार्थना पत्र का समयबद्ध और गुणवत्ता के साथ निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा पीड़ितों के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाए। उन्होंने कहा कि अपराधों, विशेषकर गंभीर अपराधों में कमी लाने के लिए सतर्कता और सक्रियता जरूरी है। साइबर सेल बागपत द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ तकनीकी अपराधों पर नियंत्रण बेहद आवश्यक है। साथ ही जनपद की सीमाओं से गुजरने वाले वाहनों की निगरानी हेतु अपनाए गए विशेष तरीकों की विस्तार से जानकारी ली। पुलिस अधीक्षक ने यक्ष एप से अपराधों के प्रभावी नियंत्रण के मॉडल की विस्तार से जानकारी दी। विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री ने स्पष्ट किया कि किसी भी योजना में ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत युवाओं को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने के लिए बैंकों को सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए ऋण वितरण प्रक्रिया को सरल और तेज बनाया जाए। इसी क्रम में प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने बताया कि जनपद में अब तक लगभग 1200 सोलर पैनल स्थापित किए जा चुके हैं और इसमें और तेजी लाने की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कर योजना के लक्ष्य को पूर्ण किया जाए। प्रभारी मंत्री ने राजस्व कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य किया जाए और जनपद को राजस्व वसूली में अग्रणी बनाया जाए। उन्होंने लंबित वादों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश देते हुए कहा कि न्यायिक प्रक्रिया में तेजी लाकर आम जनता को राहत दी जाए। इस अवसर पर जिलाधिकारी अस्मिता लाल, पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व विनीत कुमार उपाध्याय, मुख्य विकास अधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

किसानों का समय पर किया जाए भुगतान और गांवों में साफ-सफाई

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। गन्ना किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए गन्ना अधिकारी को निर्देशित किया गया कि किसानों का भुगतान समय से सुनिश्चित किया जाए और चीनी मिलों से नियमित संपर्क बनाए रखा जाए। बैठक में स्वच्छता को लेकर भी गंभीरता दिखाई गई। प्रभारी मंत्री ने पंचायती राज विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि गांवों में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए और सफाई कर्मियों की जिम्मेदारी तय की जाए। दाहा गांव में कूड़े के ढेर को लेकर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने सात दिनों के भीतर सफाई कराने के निर्देश दिए। स्कूलों में साफ-सफाई की स्थिति पर असंतोष जताते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि विद्यालयों में नियमित स्वाई के लिए रोस्टर बनाया जाए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण में ही बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी मंत्री ने सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि काइन दोनों क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने 19 पैरामीटरों को पूर्ण करने और कायाकल्प योजना के तहत सभी कार्यों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही जिला विद्यालय निरीक्षक को शिक्षकों से जुड़े पेंशन मामलों में देरी एवं लाप. रवाही पर नाराजगी व्यक्त कर तत्काल निस्तारण के कड़े निर्देश दिए। सामाजिक कल्याण योजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि पेंशन, छात्रवृत्ति, राशन, श्रम कार्ड और सामूहिक विवाह जैसी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक समय से पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन योजनाओं के लिए विशेष शिविर लगाए जाएं। राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना में भी प्रगति लाने के निर्देश दिए गए। आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण को लेकर उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि सभी शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान किया जाए।

बंदरो और कुत्तो का आतंक, 14 लोगों को किया घायल

शाह टाइम्स संवददाता

रटौल। क्षेत्र में कुत्तो और बंदरो का आतंक बना हुआ है जिसमें अलग अलग गावों में 14 लोगो को कुत्तो और बंदरो ने काटकर घायल किया है। ग्रामीणों नें उच्च अधिकारियों से इन्हें पकड़वाने की मांग की है।

रटौल और आस पास के गावों मे कुत्तो और बंदरो का आतंक बना हुआ है जिसमे यह लोगो को काटकर घायल कर रहे है। लहचौड़ा निवासी 80 वर्षीय महिला शकुंतला घर पर काम कर रही थी तभी बंदरो ने उस पर हमला बोल घायल कर दिया जिससे गम्भीर अवस्था में दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा रटौल के बालेश्वर को कुत्तो ने काटकर घायल किया। वही फुलेरा के दोहा को कुत्तो ने काटकर घायल किया। फुलेरा के ही गुलशन, अशोक को भी कुत्तो ने काटकर घायल किया राहुल सिंगोली, अनिल गौना, रूमान रटौल, गोना की सीमा को भी कुत्तो ने काटकर घायल किया। इसके अलावा गोना के सतीश, गढी कलंजरी के यशवी को भी बंदर ने काटकर घायल किया। इसके अलावा गोना की खुशी को भी रैबीज का इन्जेकशन लगाया गया। रटौल पीएचसी पर घायलों को रैबीज के इन्जेकशन लगाये गये क्षेत्र के लोगो ने उच्च अधिकारियों से कुत्तो और बंदरो को पकड़वाने की मांग की है।

शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही करती है प्रशासन की छवि को खराब

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। प्रभारी मंत्री जसवंत सैनी कहा कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही प्रशासन की छवि को खराब करती है, इसलिए अधिकारी इस कार्य को प्राथमिकता दें। जनता दर्शन में आने वाली समस्याओं का भी त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में परिवहन विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए मंत्री ने रैंकिंग में सुधार के लिए किए गए प्रयासों की प्रशंसा की। गौशालाओं की स्थिति को लेकर भी मंत्री ने चिंता व्यक्त की और बढ़ती गर्मी को देखते हुए वहां साफ-सफाई, छाया, चारा और पशुओं के स्वास्थ्य की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गौशालाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। अंत में प्रभारी मंत्री ने प्रदेश सरकार के नवनिर्माण के नौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चल रही योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अधिकारी पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें ताकि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। उन्होंने सभी अधिकारियों को टीम वर्क के साथ कार्य करने और अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करने का निर्देश दिया।

एक नजर

युवती से छेड़छाड़ व मारपीट के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर की जांच शुरू

बड़ौत। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में देर शाम अपने मकान पर एक युवती टीवी देख रही थी। अचानक पड़ोस का ही दूसरे समुदाय का युवक मकान में जा घुसा और युवती को अकेली पाकर उसके साथ छेड़खानी करने लगा। उसने शोर मचाया बाहर गली में घूम रहे उसके भाई ने आवाज सुनकर छेड़खानी करने वाले युवक को पकड़ लिया तभी आरोपी युवक ने बाहर निकाल कर अपने भाई को बुला लिया। दोनों भाइयों ने युवती व उसके भाई के साथ मारपीट की लाठी डंडों से हमला बोलते हुए उनकी पिटाई कर दी। युवती के भाई ने कोतवाली में दोनों भाइयों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। आरोपी अभी गांव से फरार हैं। युवती के परिजनों ने दबंगों से भयभीत होकर गांव में अपने मकान पर मकान बिकाऊ है के पोस्टर लगाकर गांव से प्लान करने का मन बनाया है। उधर पुलिस प्रशासन मामले की कार्रवाई में जुट गया है। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी दीक्षित त्यागी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जल्दी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कॉलेज में किया गया कार्यक्रम आयोजित

बड़ौत। नगर के जेवी कालेज बड़ौत एवं बिनौली कृषक विकास फार्मर प्रोडयूसर कंपनी लिमिटेड, दाहा के बीच एक MOU साइन किया गया। MOU का उद्देश्य महाविद्यालय के कृषि स्नातक व स्नातकोत्तर छात्रों का किसानों के साथ कोलैबोरेशन कर उन्हें एक दूसरे को अपने ज्ञान व अनुभव से लाभ पहुंचना है। साथ ही साथ छात्रों को कृषिगत व्यापार व व्यवसाय से परिचित भी करना है। यह MOU महाविद्यालय के प्राचार्य डा.वीरेंद्र प्रताप सिंह व बिनौली कृषक विकास फार्मर प्रोडयूसर कंपनी लिमिटेड के डायरेक्टर देवेंद्र राणा के बीच संपन्न हुआ है। इस कार्य को संभव बनाने में महाविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर डा.अरुण सोलंकी एवं महाविद्यालय के कृषि संकायाध्यक्ष डा.जीपी सिंह ने अपना बहुमूल्य योगदान दिया है। डा. विनय कुमार, प्रोफेसर भौतिकी एवं स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम के निदेशक इस MOU के साक्षी रहे।

तीन दिन पहले हुए सड़क हादसे का सीसीटीवी फुटेज वायरल, पुलिस जांच जारी

बागपत। बड़ौत कोतवाली क्षेत्र में तीन दिन पहले हुए एक सड़क हादसे का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर बड़ौली गांव के पास एक तेज रफ्तार बस ने गैस से भरे ट्रक को टक्कर मार दी थी। इस दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई थी और छह से अधिक लोग घायल हुए थे। यह हादसा एक पेट्रोल पंप के सामने हुआ था। सीसीटीवी फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि कैसे एक अनियंत्रित तेज रफ्तार बस आई और उसका पिछला हिस्सा कैंटर से टकरा गया, जिससे यह बड़ा हादसा हुआ। दुर्घटना के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया था। इस हादसे में सरूरपुर निवासी जावेद की मौत हो गई थी। घायलों में से एक व्यक्ति की हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि अन्य का उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस फिलहाल पूरे मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

बीमार पशु का तत्काल उपचार किया जाए:जसवंत

बागपत। जनपद प्रभारी मंत्री जसवंत सिंह सैनी ने विकास खंड बागपत के ग्राम पंचायत नैथला स्थित अस्थायी गौआश्रय स्थल का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने गौवंश के रख-रखाव, खानपान, स्वच्छता और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े सभी पहलुओं को विस्तार से समीक्षा की और मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने सबसे पहले गौआश्रय स्थल में मौजूद गौवंश की स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने चारे की गुणवत्ता, उसकी उपलब्धता और वितरण व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। साथ ही पेयजल की व्यवस्था और पानी की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए पानी की कमी किसी भी हाल में नहीं होनी चाहिए। स्वच्छता व्यवस्था को लेकर मंत्री ने विशेष सख्ती दिखाई।

एक लाख की रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा गया एसडीएम का निजी ड्राइवर

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। खेकड़ा तहसील में एसडीएम के निजी ड्राइवर निशु को एंटी करप्शन टीम ने एक लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई सोमवार दोपहर खेकड़ा तहसील परिसर में की गई।

निशु खेकड़ा एसडीएम की गाड़ी चलाता था। भगोट गांव निवासी अक्षय कुमार ने एंटी करप्शन टीम से शिकायत की थी। अक्षय कुमार की गांव के मुख्य मार्ग के पास जमीन है, जिसकी कुरेबंदी का मामला एसडीएम कार्यालय में विचाराधीन है। शिकायतकर्ता अक्षय कुमार का आरोप है कि एसडीएम के कहने पर ही निशु ने उनसे बातचीत शुरू की थी। शुरुआत में दो लाख रुपये की रिश्वत मांगी गई थी। बाद में एक लाख रुपये पर सहमति बनी, जिसमें आधी रकम पहले और आधी बाद में देने की शर्त रखी गई। अक्षय कुमार ने इस मामले की जानकारी एंटी करप्शन टीम को दी। टीम ने योजना बनाकर सोमवार दोपहर निशु को खेकड़ा तहसील से एक लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद एंटी करप्शन टीम निशु को खेकड़ा थाने ले गई, जहां उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। अधिकारी इस पूरे मामले की गहन छानबीन कर रहे हैं।

महावीर जयंती की पूर्व संध्या पर भगवान महावीर को किया याद

शाह टाइम्स संवाददाता

बड़ौत। तहसील परिसर में महावीर जयंती की पूर्व संध्या पर भगवान महावीर को याद किया गया।

इस अवसर पर एडवोकेट विनोद जैन ने कहा कि हमारे जीवन में किसी वस्तु पदार्थ अथवा ज्ञान का भी होना पर्याप्त नहीं है बल्कि उसकी सम्यकता भी अनिवार्य है। सम्यक दर्शन समय ज्ञान और सम्यक आचरण ही जीवन के कल्याण का साधन है। सिविल बार एसोसिएशन के महामंत्री पुष्पेंद्र कुमार ने कहा कि महावीर स्वामी ने अहिंसा, अने. कतावाद, जियो और जीने दो के सूत्र मानव जीवन के कल्याण के लिए बताएं। वरिष्ठ समाजसेवी एडवोकेट मोहित चौहान ने कहा कि मन, वचन और कर्म से किसी को कष्ट न देना और अपनी इच्छाओं पर विजय प्राप्त करना ही सच्चा धर्म है। दूसरों के विचारों का सम्मान करना (अनेकांतवाद) और जियो और जीने दो के भाव के साथ प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर रहना। इस अवसर पर पूर्व बार बार अध्यक्ष ईश्वर सिंह एडवोकेट, शशिभूषण, हरबीर सिंह, भूप्रकाश श्योरान, संजीव, संजीव , सचिन, सोहनवीर, सत्यपाल , मदनपाल आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

जंगल में पड़ा मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, जांच शुरू

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। दोघट थाना क्षेत्र के तमेलाढी गांव के जंगल में हिंडन नदी से एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की।

मेरठ के सरधना स्थित पारसी गांव निवासी गौरव पुत्र ऋषिपाल ने पीआरवी 2977 को हिंडन नदी में शव होने की सूचना दी थी। पुलिस टीम ने नदी से शव को बाहर निक. ाला और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए बागपत भेज दिया। पुलिस के अनुसार, शव लगभग 12 से 15 दिन पुराना प्रतीत होता है। शव के दोनों पैर जानवरों द्वारा खाए जाने की जानकारी मिली है, जिससे उसकी पहचान करना और भी मुश्किल हो गया है। दोघट थानाध्यक्ष केवल सिंह ने बताया कि अज्ञात शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा चुका है। पुलिस शव की शिनाख्त कराने के लिए लगातार प्रयास कर रही है और आसपास के क्षेत्रों से लापता व्यक्तियों की जानकारी जुटाई जा रही है।

सभी तालाबों को स्वच्छ बनाया जाए:डीएम

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। जिलाधिकारी अस्मिता लाल की अध्यक्षता में जिला गंगा पर्यावरण एवं वृक्षारोपण समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद को स्वच्छ, सुंदर एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने के उद्देश्य से संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने नगर निकाय क्षेत्रों में कूड़ा प्रबंधन को प्रभावी बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी बैंक्वेट हॉल के साथ अनुबंध कर उनके अपशिष्ट का उचित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही प्रत्येक घर से नियमित कूड़ा संग्रहण की व्यवस्था सुकृद्ध की जाए, ताकि कोई भी कचरा खुले में न डाला जाए और उसका वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण हो। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्रों में भी अपशिष्ट निस्तारण को लेकर सख्ती बरतने के निर्देश दिए तथा पर्यावरण विभाग को नियमित जांच कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा। ग्राम पंचायतों के तालाबों की साफ-सफाई पर विशेष जोर देते हुए जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी तालाबों को स्वच्छ बनाया जाए तथा उनके चारों ओर व्यापक वृक्षारोपण कराया जाए। उन्होंने जामुन, बांस और अर्जुन जैसी प्रजातियों के पौधे लगाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने जिला गंगा प्लान तैयार करने के निर्देश देते हुए कहा कि नदियों में किसी भी प्रकार का कूड़ा न डाला जाए। उन्होंने बताया कि जनपद बागपत को हजल योद्धा पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है, जिसे बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। मुख्य मार्गों पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। नगर पालिका बागपत क्षेत्र में एबीसी केंद्र की स्थापना हेतु प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश अधिशासी अधिकारी को दिए गए। साथ ही नगर निकाय क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट एवं सिग्नेज लगवाने के भी निर्देश दिए गए। जिलाधिक. ारी ने कहा कि गांव और शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाना हम सभी का दायित्व है। नदियों को निर्मल और स्वच्छ बनाए रखना प्राथमिकता होनी चाहिए। साथ ही दिव्यांगजनों एवं बेसहारा पशुओं के प्रति संवेदनशील रहते हुए उनका टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए।

प्रियंका ने की पीसीएस परीक्षा में सफलता हासिल

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। सरूरपुर गांव की प्रियंका ने पीसीएस 2024 परीक्षा में सफलता हासिल की है। उन्हें आयकर विभाग में असिस्टेंट कमिश्नर के पद पर चयनित किया गया है। इस उपलब्धि से उनके गांव और परिवार में खुशी का माहौल है।

सरूरपुर निवासी देशपाल की बेटी प्रियंका ने यह सफलता कड़ी मेहनत और संकल्प के दम पर प्राप्त की है। उन्होंने बागपत में तैनात रहे एसपी नीरज जादौन से प्रेरणा लेकर प्रशासनिक सेवा में जाने का लक्ष्य निर्धारित किया था। प्रियंका चार बहनों और एक भाई वाले परिवार में दूसरे स्थान पर हैं। वह हाल तक डौला गांव में लेखपाल के पद पर कार्यरत थीं। उनकी छोटी बहन प्रिंसी भी खंड शिक्षा अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं, जो परिवार में शिक्षा के महत्व को दर्शाता है।

प्रियंका के चयन पर परिवारजनों के साथ-साथ सामाजिक कार्यकर्ता सुभाष नैन, सिरसली के पूर्व प्रधान राजू तोमर और कृष्णपाल आनंद (नीटू) सहित कई गणमान्य लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दीं। ग्रामीणों का मानना है कि प्रियंका की यह सफलता क्षेत्र की अन्य बेटियों के लिए प्रेरणा बनेगी।

गांव में सामान खरीदने निकले युवक पर दो लोगों ने कैंची व चाकू से किए पांच वार

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। निवाड़ा गांव में सामान खरीदने निकले एक युवक पर दो लोगों ने कैंची और चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हमलावर वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए।

घटना उस वक्त हुई जब दानिश पुत्र इकबाल अपने घर से सामान लेने के लिए जा रहा था। गांव के ही रहने वाले सुल्तान और आमिर पुत्र कल्लू ने उसे घर से निकलते ही घेर लिया। उन्होंने दानिश के साथ गाली-गलौज की और फिर चाकू व कैंची से उस पर वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल दानिश को बागपत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।

उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल के लिए रफर कर दिया गया है। फिलहाल, चिकित्सक घायल युवक के उपचार में जुटे हैं। पुलिस ने पीड़ित परिवार की शिकायत के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी बृजेश कुमार ने बताया कि घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है और मामले की जांच की जा रही है।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 77/3 गर्ग कॉम्प्लेक्स ई.के. रोड निकट ए.न.ए.एस. कालिज, मेरठ (उप्र) से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎0121-4005303, 4007303
मुख्यालय:
मोबाइल-9720007290
UPHIN/2007/20661
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

हापुड़ में तालाब सुधार के नाम पर भ्रष्टाचार, प्रशासन को चेतावनी

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। जनपद में लघु सिंचाई विभाग द्वारा कराए जा रहे तालाबों के जीर्णोद्धार कार्यों में भारी अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए हैं। इस संबंध में प्रशासन को एक ज्ञापन सौंपकर उच्चस्तरीय जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि शीघ्र प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो जनहित में आंदोलन किया जाएगा। आरोप लगाया गया है कि जनपद के विभिन्न गांवों में तालाबों के पुनर्जीवन के नाम पर निम्नस्तरीय और मानकों के विपरीत कार्य कराए जा रहे हैं, जो सरकारी धन के दुरुपयोग का स्पष्ट उदाहरण है। खासतौर पर गढ़मुक्तेश्वर ब्लॉक

के ग्राम पंचायत अनुपपुर डिबाई स्थित तालाब के कार्य को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि मौके पर जाकर कार्यों की गुणवत्ता आसानी से देखी जा सकती है।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार की लापरवाही और भ्रष्टाचार से न केवल शासन की योजनाएं प्रभावित हो रही हैं, बल्कि आम जनता को मिलने वाले लाभ से भी वंचित होना पड़ रहा है। पूर्व में भी कई बार इस मुद्दे को उठाया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है।

ज्ञापन में मांग की गई है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। साथ ही संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सभी तालाबों के कार्यों की गुणवत्ता की दोबारा जांच कराकर उन्हें निर्धारित बीओक्यू मानकों के अनुसार पूरा कराया जाए। शिकायतकर्ताओं ने स्पष्ट किया कि यदि इस गंभीर मामले में जल्द संतोषजनक कार्रवाई नहीं की गई तो वे लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने को बाध्य होंगे, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

कुराना टोल पर वकील से मारपीट-लूट का आरोप, गुस्साए अधिवक्ताओं ने ठप किया काम

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। कुराना टोल प्लाजा पर टोल स्टाफ द्वारा एक अधिवक्ता और उनके चालक के साथ कथित मारपीट व लूट की घटना के विरोध में सोमवार को अधिवक्ताओं ने न्यायिक कार्य से विरत रहकर कड़ा विरोध जताया। इस संबंध में सोमवार को आम सभा की बैठक आहूत की गई, जिसकी अध्यक्षता देवेन्द्र सिंह नवादा ने की, जबकि संचालन सचिव रवि कुमार ने किया।

बैठक में उपस्थित अधिवक्ताओं ने प्रस्ताव रखते हुए आरोप लगाया कि रविवार को कुराना टोल टैक्स पर तैनात स्टाफ ने अपने मैनेजर कुनाल सिंह के कहने पर अधिवक्ता शंकर लाल सैनी और उनके चालक के साथ अमानवीय व्यवहार किया। आरोप है कि दोनों के साथ अभद्रता करते हुए मारपीट की गई और जान से मारने की नियत से हमला किया गया, साथ ही लूटपाट की घटना को भी अंजाम दिया गया। घटना के विरोध में अधिवक्ताओं ने एकजुट होकर 30 मार्च को न्यायिक कार्य नहीं करने का निर्णय लिया। बैठक में कुलदीप शर्मा, नवदीप शर्मा, संजय कंसल, अमति कौशिक, विरेन्द्र सैनी, बब्लू सैनी, पवन सैनी, कुलदीप सैनी, अमित पायल, अंजय सैनी, अनोद श्रीवास्तव, अंकित परजापति, जगदीश प्रसाद, विनोद कुमार पूठा, हिमांशु राज, अनिल तौमर, अंजित चौधरी पाल, मनोज भैया सहित कई अधिवक्ता मौजूद रहे। अधिवक्ताओं ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

ग्रेच्यूटी और सैलरी को लेकर भड़के कर्मचारी

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। तहसील धौलाना क्षेत्र स्थित एक निजी कंपनी के कर्मचारियों ने उपजिलाधिकारी से शिकायत कर ग्रेच्यूटी और अग्रिम वेतन दिलाने की मांग की है। कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें बिना किसी पूर्व सूचना के जबरन नौकरी से निकाला जा रहा है, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। मजदूरों ने बताया कि वे रिलायंस रोड भोवापुर स्थित हैबल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में वर्ष 2022 से 2026 तक लगातार कार्यरत रहे हैं और पूरी निष्ठा के साथ अपनी सेवाएं देते रहे हैं। इसके बावजूद कंपनी प्रबंधन द्वारा उन्हें अचानक बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है। जब इस संबंध में कारण पूछा गया

तो कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया।

कर्मचारियों का कहना है कि कंपनी पर उनकी वर्ष 2022 से 2026 तक की ग्रेच्यूटी बकाया है। साथ ही उन्होंने मांग की है कि उन्हें तीन माह का अग्रिम वेतन भी दिलाया जाए, ताकि वे नई नौकरी मिलने तक अपने परिवार का भरण-पोषण कर सकें। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस मामले में जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा। कर्मचारियों ने उपजिलाधिकारी से मामले में हस्तक्षेप कर कंपनी के खिलाफ उचित कार्रवाई करते हुए बकाया भुगतान दिलाने की मांग की है। ज्ञापन पर बबलू सहित अन्य कर्मचारियों के हस्ताक्षर हैं।

सफाई में ढिलाई पड़ी भारी, पालिकाध्यक्ष ने अधिकारियों को लगाई फटकार

शाह टाइम्स संवाददाता

पिलखुवा। नगर पालिका परिषद पिलखुवा में शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में लापरवाही सामने आने पर पालिकाध्यक्ष ने कड़ा रुख अपनाया। बैठक में सफाई कार्य की वास्तविक स्थिति पर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान सफाई नायक संजय कुमार, राजेश, मनीष तथा सफाई निरीक्षक दीपक कुमार से वार्डवार सफाई व्यवस्था, कूड़ा उठान, नालियों की सफाई और कर्मचारियों की उपस्थिति को लेकर विंदुवार जानकारी ली गई। समीक्षा में कई स्थानों पर सफाई व्यवस्था संतोषजनक न पाए जाने

पर पालिकाध्यक्ष ने असंतोष व्यक्त किया और जिम्मेदारों को फटकार लगाई। पालिकाध्यक्ष ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि शहरवासियों को स्वच्छ और बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना नगर पालिका की प्राथमिक जिम्मेदारी है, इसमें किसी तरह की ढिलाई नहीं होनी चाहिए। पालिकाध्यक्ष ने चेतावनी दी कि भविष्य में लापरवाही पाई गई तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

"उड़ान' से बदली तस्वीर, 400 ग्रामीण महिलाओं को मिला रोजगार का रास्ता

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें उद्यमिता से जोड़ने की दिशा में 'प्रोजेक्ट उड़ान' के तहत सोमवार को एक भव्य उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कनेक्टिंग ड्रीम्स फाउंडेशन द्वारा इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड के सहयोग से संचालित इस कार्यक्रम में हापुड़ और मुरादनगर की ग्रामीण महिला उद्यमियों की एक वर्ष की परिवर्तनकारी यात्रा का उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी अभिषेक पांडे और मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गौतम मौजूद रहे।

कार्यक्रम को दो चरणों में संचालित किया गया। पहले चरण में महिलाओं को व्यवसाय की बुनियादी जानकारी, ब्रांडिंग, खाद्य सुरक्षा अनुपालन और पंजीकरण से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया।

दूसरे चरण में उन्हें बाजार से जोड़ने, डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसे व्हाट्सएप बिजनेस के माध्यम से व्यापार विस्तार, प्रदर्शनी के अवसर और निरंतर मार्गदर्शन के लिए हेल्प डेस्क व पीयर नेटवर्क की सुविधा उपलब्ध कराई गई। पिछले एक वर्ष में इस परियोजना के तहत 50 से अधिक स्वयं सहायता समूहों की करीब 400 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया। इसके परिणामस्वरूप 80 से अधिक महिला नेतृत्व वाले उद्यम स्थापित हुए, जबकि 200 से ज्यादा महिलाएं सक्रिय रूप से इन उद्यमों से जुड़कर आजीविका कमा रही हैं।

कार्यक्रम के दौरान उड़ान उद्यमिता की ओर एक कदम नामक टूलकिट का भी शुभारंभ किया गया, जिसमें 12 मॉड्यूल के माध्यम से व्यवसाय की पूरी जानकारी सरल भाषा और चित्रों के जरिए दी गई है।

यह आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि उन महिलाओं की मेहनत, आत्मविश्वास और बदलाव की कहानी का प्रतीक रहा। इसी उद्देश्य के तहत 'प्रोजेक्ट उड़ान' की शुरुआत की गई, जो ग्रामीण महिलाओं को उद्यमी बनाकर उन्हें स्थानीय अर्थव्यवस्था से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

जनप्रतिनिधियों के साथ एसपी की अहम बैठक आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। जनपद में कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने तथा जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने पुलिस कार्यालय के सभागार में जनप्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण गोष्ठी आयोजित की। बैठक में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं को विस्तार से रखा, जिस पर पुलिस अधीक्षक ने गंभीरता से चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

गोष्ठी के दौरान अपराध नियंत्रण, शांति व्यवस्था बनाए रखने, महिला सुरक्षा, ट्रैफिक व्यवस्था और जनसुनवाई जैसे अहम मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने कहा कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय से ही अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को जागरूक करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। एसपी कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने कहा जनपद में कानून-व्यवस्था को बनाए रखना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम चाहते हैं कि पुलिस और आमजन के बीच संवाद और विश्वास और अधिक मजबूत हो। जनप्रतिनिधियों द्वारा जो भी सुझाव और शिकायतें प्राप्त हुई हैं, उन पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। हमारा प्रयास है कि जनपद में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था का माहौल पूरी तरह कायम रहे और आमजन खुद को सुरक्षित महसूस करें।

एक नजर

महिलाओं की सुरक्षा पर फोकस, मिशन शक्ति के तहत चला विशेष अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत सोमवार को हापुड़ नगर के गोल बाजार और सर्राफा बाजार क्षेत्र में विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस टीम ने बाजार में मौजूद महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी और हेल्पलाइन नंबरों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने महिलाओं को बताया कि किसी भी प्रकार की परेशानी, उत्पीड़न या आपात स्थिति में इन नंबरों का तत्काल उपयोग कर सहायता प्राप्त की जा सकती है।

इस दौरान पुलिस टीम ने महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने, किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सतर्क रहने की भी सलाह दी। बाजार में मौजूद लोगों ने भी इस पहल की सराहना की और पुलिस द्वारा दी गई जानकारी को उपयोगी बताया। एसआई रजनी ने कहा हमिशन शक्ति फेज 5.0 का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को न केवल सुरक्षा प्रदान करना है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और जागरूक बनाना भी है। हम लगातार बाजारों, स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर जाकर महिलाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा के उपायों के बारे में जानकारी दे रहे हैं। आज के इस अभियान में हमने सभी को हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में वे बिना झिझक पुलिस से संपर्क कर सकें। हमारा प्रयास है कि हर महिला खुद को सुरक्षित महसूस करे और किसी भी प्रकार के अपराध के खिलाफ आवाज उठाने में सकोच न करे। पुलिस हर समय उनकी मदद के लिए तैयार है और ऐसे अभियानों के माध्यम से हम समाज में विश्वास और सुरक्षा का माहौल मजबूत कर रहे हैं।

ट्रेन की चपेट में आकर 55 वर्षीय व्यक्ति की मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़/पिलखुवा। कोतवाली क्षेत्र में सोमवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में ट्रेन की चपेट में आने से 55 वर्षीय व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।

मृतक की पहचान सुरेंद्र पुत्र गोविंद, निवासी ग्राम भोवापुर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सुरेंद्र अपने साथ राजेंद्र पुत्र समय सिंह के पास रह रहा था और लंबे समय से वहीं अकेले जीवन यापन कर रहा था। सोमवार सुबह किसी कारणवश वह रेलवे ट्रैक के पास पहुंच गया, जहां अचानक ट्रेन की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली प्रभारी मनीष चौहान ने बताया कि घटना के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का स्पष्ट रूप से पता चल सकेगा।

बाइक सवार युवक की सड़क हादसे में मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

पिलखुवा। कोतवाली क्षेत्र के अनवरपुर कट के पास रविवार को तेज रफ्तार का कहर एक बार फिर देखने को मिला। सर्विस लेन पर बाइक सवार युवक को अज्ञात वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही गंभीर हालत हो गई। अस्पताल पहुंचने से पहले ही युवक ने दम तोड़ दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान 20 वर्षीय प्रशांत पुत्र विना. 'द, निवासी ग्राम मुकीमपुर, थाना भोजपुर (गाजियाबाद) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार प्रशांत रविवार को हापुड़ से अपने गांव लौट रहा था। जैसे ही वह अनवरपुर कट के पास सर्विस लेन पर पहुंचा, तभी पीछे से तेज गति से आ रहे अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक सड़क पर दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कोतवाली प्रभारी मनीष चौहान ने बताया कि अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि अनव. रपुर कट पर यातायात नियंत्रण के पुख्ता इंतजाम किए जाएं और तेज रफ्तार वाहनों पर सख्त कार्रवाई हो, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

हापुड़ में मेडिकल चमत्कार, लेटरल थाइरोग्लॉसल सिस्ट का सफल ऑपरेशन

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड हॉस्पिटल ने चिकित्सा क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए दुर्लभ और जटिल लेटरल थाइरोग्लॉसल सिस्ट का सफल ऑपरेशन कर नया इतिहास रच दिया है। ईएनटी विभाग की विशेषज्ञ टीम ने 23 वर्षीय युवक हिमांशु का सफल सर्जिकल उपचार कर संस्थान की उच्चस्तरीय चिकित्सा क्षमता और आधुनिक तकनीकों का परिचय दिया है। मरीज हिमांशु लंबे समय से गर्दन में असामान्य सूजन और गांठ की समस्या से परेशान था। विस्तृत जांच के दौरान पता चला कि उसे थाइरोग्लॉसल सिस्ट के साथ-साथ थायरॉयड सूजन भी है। यह स्थिति सामान्यतः गर्दन के मध्य भाग में पाई जाती है, लेकिन इस मरीज में सिस्ट गर्दन के बाईं ओर स्थित था, जो कि बेहद दुर्लभ और जटिल मामला माना जाता है। चिकित्सकों के अनुसार इस प्रकार के मामलों में सटीक निदान और विशेषज्ञ सर्जरी अत्यंत आवश्यक होती है, क्योंकि सिस्ट आसपास की मांसपेशियों और ऊतकों से जुड़ा हुआ था। सिस्म के ईएनटी विशेषज्ञों ने अपनी कुशलता और आधुनिक तकनीकों के माध्यम से इस चुनौतीपूर्ण सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया और बिना किसी जटिलता के सिस्ट को पूरी तरह निकाल दिया। इस प्रक्रिया में सिस्ट के साथ-साथ उससे जुड़े ट्रैक्ट और हायॉइड हड्डी के एक हिस्से को भी सावधानीपूर्वक हटाया जाता है, जिससे दोबारा सिस्ट बनने की संभावना बेहद कम हो जाती है। इस जटिल सर्जरी को डा. अविनाश कुमार (विभागाध्यक्ष, ईएनटी), डा. शुभम मित्तल, डा. नंदिनी सेठी और डा. प्रीति की टीम ने सफलतापूर्वक संपन्न किया। संस्थान की प्राचार्या बरखा गुप्ता, वरिष्ठ सलाहकार ब्रिगेडियर डा. आर. के. सहगल, महाप्रबंधक एन. वर्धराजन, निदेशक रघुवर दत्त और चिकित्सा अधीक्षक मेजर जनरल सी. एस. आहलूवालिया ने टीम को बधाई देते हुए इसे संस्थान के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। विशेषज्ञों ने आमजन से अपील की है कि गर्दन में किसी भी प्रकार की गांठ या सूजन को नजरअंदाज न करें और समय पर चिकित्सकीय परामर्श अवश्य लें। इस उपलब्धि के साथ सिम्स हापुड़ ने यह साबित कर दिया है कि अब क्षेत्र के लोगों को जटिल सर्जरी के लिए बड़े शहरों का रुख करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि अत्याधुनिक और विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाएं अब स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हैं।

बेटी की सफलता पर झूमा गांव, फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। जनपद की होनहार बेटी श्वेता त्यागी ने पीसीएस परीक्षा उत्तीर्ण कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अपनी मेहनत और लगन के दम पर सफलता हासिल कर गांव लौटने पर उनका ढोल-नगाड़ों और फूल-मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला और ग्रामीणों में खासा उत्साह रहा।

गांव पहुंचते ही श्वेता त्यागी का जोरदार अभिनंदन किया गया। ग्रामीणों ने फूल-मालाएं पहनाकर उनका स्वागत किया और मिठाई खिलाकर अपनी खुशी जाहिर की। लोगों का कहना था कि श्वेता की सफलता पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है और यह अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। श्वेता त्यागी ने अपनी इस उपलब्धि का

श्रेय अपने माता-पिता के मार्गदर्शन, शिक्षकों के सहयोग और अपनी निरंतर मेहनत को दिया। श्वेता त्यागी ने कहा यह सफलता मेरे लिए ही नहीं, बल्कि मेरे पूरे परिवार और गांव के लिए गर्व का क्षण है। मेरे माता-पिता और गुरुओं ने हर कदम पर मेरा मार्गदर्शन किया, उनका आशीर्वाद ही मेरी सबसे बड़ी ताकत रहा। इस अवसर पर गांव के गणमान्य नागरिकों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने श्वेता के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया।

टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ शिक्षक एकजुट, दिल्ली कूच की तैयारी तेज

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय आहवान पर 4 अप्रैल 2026 को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन को लेकर जनपद हापुड़ के शिक्षकों ने तैयारी तेज कर दी है। इसी क्रम में पिलपैड़ा धौलाना में जनपद कार्यकारिणी की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में शिक्षकों ने भाग लिया।

बैठक में पर्यवेक्षक के रूप में गाजियाबाद के जिलाध्यक्ष दीपक शर्मा और सुशील शर्मा मौजूद रहे। इस दौरान टीईटी अनिवार्यता के विरोध को लेकर विस्तृत चर्चा की गई और अधिक से अधिक संख्या में शिक्षकों की भागीदारी सुनिश्चित करने की रणनीति तैयार की गई।

दीपक शर्मा ने शिक्षकों से एकजुटता का आहवान करते हुए कहा कि यह आंदोलन शिक्षकों के मान-सम्मान और स्वाभिमान से जुड़ा हुआ है, इसलिए सभी को मिलकर अपनी आवाज बुलंद करनी होगी।

वहीं सुशील शर्मा ने जनपद हापुड़ के शिक्षकों से अपील की कि वे बड़ी संख्या में दिल्ली पहुंचकर धरना-प्रदर्शन को सफल बनाएं। बैठक में संजय शर्मा, संदीप सिरोही, दिनेश कुमार, योगेंद्र कुमार, संगीता और प्रतिभा सहित कई शिक्षकों ने अपने सुझाव रखे और आंदोलन को सफल बनाने पर जोर दिया।

ब्रह्मादेवी स्कूल में सम्मान और भावनाओं का संगम, चार आचार्य हुए विदा

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। मोदीनगर रोड स्थित ब्रह्मादेवी सरस्वती बालिका विद्या मन्दिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सोमवार को चार वरिष्ठ आचार्यों के सम्मान में गरिमामयी विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जिसके बाद पूरे माहौल में भावुकता और सम्मान का अनूठा संगम देखने को मिला।

समारोह के दौरान विद्यालय की उप-प्रधानाचार्या ने सेवानिवृत्त होने वाले आचार्यों का विस्तृत परिचय देते हुए उनके लंबे और समर्पित शिक्षण कार्य को याद किया। विद्यालय के आचार्यों द्वारा प्रस्तुत सामूहिक गीत ने कार्यक्रम में भावनात्मक रंग भर दिया। इसके पश्चात विद्यार्थियों और शिक्षकों ने कविता व गीत के माध्यम से अपने

प्रिय आचार्यों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त किया। विद्यालय की व्यवस्थापिका स्वाति गर्ग और प्रधानाचार्या मीनाक्षी यादव ने आचार्यों को सम्मानित करते हुए उनके योगदान की सराहना की। इस अवसर पर उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने सेवानिवृत्त आचार्यों के स्वस्थ, सुखद और सफल भविष्य की कामना की। पूरा कार्यक्रम प्रधानाचार्या मीनाक्षी यादव के निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जहां हर किसी की आंखें नम और दिल गर्व से भरा नजर आया।

धोबी तालाब की जमीन पर कब्जे की कोशिश नाकाम

जांच में खुलासा-डीएम ने दिए कार्रवाई के निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

बहेड़ी। नगर पालिका परिषद बहेड़ी क्षेत्र स्थित धोबी तालाब की भूमि पर कथित रूप से गलत तरीके से बैनामा कर कब्जे की शिकायत के मामले में गठित जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट जिलाधिकारी को सौंप दी है। जांच में स्पष्ट हुआ है कि तालाब की जमीन पर किसी भी सहखातेदार का कब्जा नहीं है और भूमि वर्तमान में जलमग्न अवस्था में है, जबकि कुछ लोग सड़क किनारे हिस्से पर अवैध कब्जे की कोशिश कर रहे हैं।

मामला 20 सितंबर 2025 को तहसील दिवस में उठाया गया था, जहां नगर पालिका परिषद बहेड़ी के कुछ सभासदों ने शिकायत करते हुए आरोप लगाया था कि भू-माफियाओं द्वारा तालाब के आगे के हिस्से पर गलत तरीके से बैनामा कर कब्जा किया जा रहा है। शिकायत में स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए थे। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), उप जिलाधिकारी आंवला और तहस. ीलदार सदर की त्रिसदस्यीय जांच समिति गठित कर स्थलीय व अभिलेखीय जांच के निर्देश दिए थे।

समिति की जांच में पाया गया कि राजस्व ग्राम शेखूपुर, परगना चौमहला, तहसील बहेड़ी स्थित गाटा संख्या 234 (रकबा 0.986 हे.) राजस्व अभिलेखों में श्रेणी-6-1 के अंतर्गत तालाब के रूप में दर्ज है। इसी गाटा के कुछ हिस्सों में विभिन्न व्यक्तियों के नाम दर्ज हैं, लेकिन मौके पर इनका कोई वास्तविक कब्जा नहीं पाया गया। जांच रिपोर्ट के अनुसार, तालाब के पूर्व दिशा में नारायण नगला रोड स्थित है, जो मौके पर चालू है और उसके दोनों ओर आबादी बसी हुई है। तालाब और सड़क के बीच स्थित त्रिभुजाकार भूमि (गाटा संख्या 462, क्षेत्रफल 3 बिस्वा) राजस्व अभिलेखों में दर्ज है। इसी हिस्से पर अन्य गाटा संख्या 355 व 356 के बैनामेदारों द्वारा अनधिकृत कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है, जो पूरी तरह अवैध है।

जिलाधिकारी ने जांच आख्या के आधार पर उप जिलाधिकारी बहेड़ी और अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद को निर्देश दिए हैं कि मामले में नियमानुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि तालाब की भूमि को अतिक्रमण से मुक्त रखा जा सके। प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में भू-माफियाओं के खिलाफ सख्त संदेश गया है और सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन की मंशा भी स्पष्ट हुई है।

नगर में निकला आरएसएस का पथ संचलन

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। हिंदु नव वर्ष के अवसर पर सोमवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से नगर में पथ संचलन निकाला गया। पथ संचलन रामलीला ग्राउंड से शुरू हुआ, जो कस्बे के मुख्य मार्ग, बिजौरिया मार्ग, खारिजा मार्ग, बाईपास मार्ग, कचहरी मार्गों से होते हुए वापस रामलीला ग्राउंड पहुंचकर संपन्न हुआ। पथ संचलन के दौरान स्वयंसेवक निर्धारित वेशभूषा में अनुशासित पंक्तियों में चलते नजर आए। मार्ग में जगह-जगह लोगों ने पथ संचलन का फूल की वर्षा कर स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित पदाधिकारियों ने समाज में संगठन, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। पथ संचलन में विधायक डॉ. एमपी आर्य, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉक्टर आशुतोष गंगवार, नगर पालिका अध्यक्ष पति नीरेन्द्र सिंह राठौर, चोखेलाल गंगवार, पूर्व जिला पंचायत सदस्य लेखराज गंग. वार, सभासद रामप्रकाश गंगवार, भानु गंगवार, सर्वेश गंगवार, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष केशव गुप्ता, युवा नेता सचिन रस्तोगी, देवेश देवल, हरस्वरूप गंगवार, अरविन्द शुक्ला सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

एक नजर

चूल्हे पर खाना बनाते समय युवक की जलकर मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। थाना क्षेत्र के लभेड़ा दुर्गाप्रसाद गांव में रविवार की सुबह चूल्हे पर खाना बनाते समय एक युवक की जलकर मौत हो गई। इस हृदयविदारक घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार 45 वर्षीय हरपाल पुत्र ओमपाल निवासी लभेड़ा दुर्गाप्रसाद अविवाहित थे। उनकी दो बहनों की शादी हो चुकी है।

घटना की सूचना मिलते ही बड़ी बहन दिल्ली से तथा दूसरी बहन भी मीरगंज के पास किसी गांव से पहुंच गई।ग्रामीणों के मुताबिक, रविवार को हरपाल अपने घर में चूल्हे पर खाना बना रहे थे। इसी दौरान अचानक क्या हुआ, इसका किसी को स्पष्ट पता नहीं चल सका। कुछ समय बाद घर से धुआं उठता देख आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। अंदर जाकर देखा तो हरपाल गंभीर रूप से झुलसे पड़े थे और उनकी मौके पर ही मौत हो चुकी थी।घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। शाम के समय बहनों ने नम आंखों से अंतिम संस्कार कराया, जबकि मृतक के चाचा सोमपाल ने चिता को मुखाग्नि दी। बताया जा रहा है कि इस मामले की सूचना स्थानीय पुलिस या प्रशासन को नहीं दी गई और न ही शव का पंचायतनामा या पोस्टमार्टम कराया गया।

एनएसएस शिविर में स्वच्छता अभियान व पौधारोपण छात्रों ने लिया समाजसेवा का संकल्प

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। राजेंद्र प्रसाद डिग्री कॉलेज में सोमवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का एक दिवसीय विशेष शिविर आयोजित किया गया। प्राचार्य प्रो. एस.के. सिंह के निर्देशन में आयोजित इस शिविर में छात्र-छात्राओं ने कॉलेज परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया और पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बी.के. प्रधान ने छात्रों को श्रमदान के महत्व के बारे में बताया और समाजसेवा के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। शिविर के अंत में छात्रों ने पूरे वर्ष समाजसेवा के कार्यों को जारी रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में वीरेंद्र शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

प्राथमिक विद्यालय खिरका में हुआ पुरस्कार वितरण समारोह

शाह टाइम्स संवाददाता

फतेहगंज पश्चिमी। उच्च प्राथमिक विद्यालय खिरका में वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया।कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सभी का मन मोह लिया। विशेष रूप से 'छोटी सी आशा' एवं 'बाल विवाह रोकथाम' विषय पर आधारित प्रस्तुतियों को उपस्थित जनसमूह ने खूब सराहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम प्रधान श्री जितेन्द्र गंग. वार तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में एसएमसी अध्यक्ष श्री धर्मपाल जी मौजूद रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यापक हरीश बाबू के नेतृत्व में सीमा अग्रवाल, प्रीती चौधरी, सीमा रस्तोगी, संजीत प्रकाश सक्सेना, ओंकार शरण, मुक्ता अग्रवाल, समर पाल गंगवार, ज्ञान प्रकाश, कुसुमलता एवं रामभरोसे ने कार्यक्रम को सफल बनाने में भूमिका निभाई।समारोह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

अंत में ग्राम प्रधान ने नए शैक्षिक सत्र में अधिक से अधिक बच्चों का विद्यालय में नामांकन कराने की अपील की।

ब्राह्मण महासभा द्वारा जिला अध्यक्ष संजीव शर्मा का हुआ स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

फतेहगंज पश्चिमी। कस्बे के एक बैंकट हॉल में ब्रह्म समर्पित ब्राह्मण महासभा द्वारा होली मिलन समारोह एवं जिला अध्यक्ष संजीव शर्मा के स्वागत समारोह का भव्य आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान परशुराम जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने समाज की एकता, उत्थान और संगठन को मजबूत करने पर जोर देते हुए अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि समाज के विकास के लिए आपसी सहयोग और जागरूकता बेहद आवश्यक है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों का माला व पटका पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। जिला अध्यक्ष संजीव शर्मा ने अपने संबोधन में संगठन को और मजबूत बनाने की बात कही तथा अपनी नई टीम का गठन भी किया। कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष राजकुमार शर्मा, जिला महामंत्री अंकित शुक्ला,जिला मंत्री शिवम शर्मा,अरुण तिवारी, अनुज शर्मा, सुनील शर्मा, सुधीर शर्मा, विनीत शर्मा, अभिषेक शर्मा, हरीश शर्मा, शिव अवतार शर्मा, प्रवन पांडेय, विपिन मिश्रा, राजीव मिश्रा, गौरव मिश्रा, दीपक शंख्यधार, राघव शंख्यधार, विकास उपाध्याय, अशोक उपाध्याय, अवधेश पाठक, सर्वेश पाठक, नंदकिशोर मिश्रा सहित सैकड़ों ब्राह्मण मौजूद रहे।

शिक्षा चौपाल में समग्र विकास पर जोर, मेधावी छात्र हुए सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। न्याय पंचायत नरखेड़ा के मंडवा स्थित संविलियत विद्यालय में सोमवार को शिक्षा चौपाल का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक डॉ. डी.सी. वर्मा, विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख मीरगंज कृष्ण गोपाल गंगवार एवं खंड शिक्षा अधिकारी अवनीश कुमार द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम को सांस्कृतिक रूप दिया।कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, नवाचारों को बढ़ावा देना तथा विद्यार्थियों में रचनात्मकता का विकास करना रहा। अपने संबोधन में विधायक डॉ. डी.सी. वर्मा ने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने शिक्षकों से आधुनिक व नई शिक्षण पद्धतियों को अपनाने का आह्वान किया।

विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख कृष्ण गोपाल गंगवार ने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में स्मार्ट शिक्षण विधियों का उपयोग बेहद जरूरी हो गया है। वहीं खंड शिक्षा अधिकारी अवनीश कुमार ने अभिभावकों से बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने की अपील की। अकादमिक संदर्भ दाताओं ने विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों, नवाचारों एवं योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए शिक्षकों को सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम में सचिन मुरारी शर्मा, पूनम देवी, अरविंद कुमार, राजेश कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में नोडल संकुल शिक्षक आकाश सक्सेना, करन सिंह, ज्योति, आराधना, हरिकृष्ण, लीलाधर, सोनू, धर्मेंद्र वर्मा, रामाशंकर, ऋचा अग्रवाल, महेंद्रपाल आदि का विशेष योगदान रहा। मंच संचालन अमित कुमार एवं सत्यवीर द्वारा किया गया।

छात्रों को डिजिटल ज्ञान से किया अवगत

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। अनुबिस डिग्री कॉलेज में को राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्र इकाई द्वारा एक दिवसीय शिविर के अंतर्गत अंतिम "चतुर्थ शिविर" का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य छात्रों एवं महिलाओं को आधुनिक तकनीक और "गूगल जैमिनी" के उपयोग के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम का संचालन छात्र इकाई के कार्यक्रम अधिकारी तारा चंद के निर्देशन में किया गया। छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए और डिजिटल तकनीकों के उपयोग पर चर्चा की।डॉ. शोभा सक्सेना ने छात्रों को "गूगल जैमिनी" के विभिन्न उपयोगों और इसके जरिए शिक्षा में होने वाले लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस तकनीक के माध्यम से पढ़ाई को अधिक आसान और प्रभावी बनाया जा सकता है।

आवारा सांडों के कारण हुआ हादसा, ट्रैक्टर पलटने से एक की मौत, तीन घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। मीरगंज क्षेत्र में सोमवार दोपहर एक सड़क हादसा हो गया, जिसमें ट्रैक्टर पलटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब चालक ने अचानक सामने आए आवारा सांड को बचाने की कोशिश की।जानकारी के अनुसार सीबीगंज क्षेत्र के गांव बल्लाकोठा निवासी तेजपाल अपने साथियों के साथ ट्रैक्टर से मीरगंज आए थे। वे तहसील के पास स्थित एक दुकान से रोटावेटर लेकर वापस अपने गांव जा रहे थे। सिंधौली चौराहे के आगे अचानक एक सांड सड़क पर आ गया। उसे बचाने के प्रयास में चालक ट्रैक्टर से नियंत्रण खो बैठा, जिससे ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया और सड़क किनारे स्थित एक बारात घर की दीवार से जा टकराया।हादसे में बारात घर की दीवार का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, वहीं पास खड़ी एक कार भी ट्रैक्टर की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि कार सवार लोग बाल-बाल बच गए।

घटना में धर्मदास, तेजपाल, लालता प्रसाद और सूरजपाल गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे

ट्रैफिक प्रभारी श्रीपाल यादव ने स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए बरेली भेजा।

बरेली के अस्पताल में इलाज के दौरान सूरजपाल को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि सूरजपाल निवासी लालपुर थाना शाही के रहने वाले थे और बल्लाकोठा में उनकी रिश्तेदारी है। वह दामाद के साथ रोटावेटर लेने मीरगंज आए थे।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के बाद हाईवे पर दर्जनों की संख्या में आवारा सांड घूम रहे थे। पुलिस मौके पर मौजूद होकर सांडों को हटाया है।

झूठ बोलकर शादी तय करने का आरोप चार के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। शाही थाना क्षेत्र में झूठ बोलकर बेटे की शादी तय करने पर चार पर धोखाधड़ी का मुकदमा। बिचौलिया और लड़का पक्ष ने शादी तय करते समय लड़की बालों से झूठ बोलकर शादी तय कर ली।

लड़की पक्ष को जब पता लगा की लड़का बेरोजगार है तो उन्होंने शादी करने मना कर दिया। रुपया और सामान वापस न करने पर खरगसेन, करन, खरगसेन की मां निवासी दौली की गौंटिया व बिचौलिया योगेश निवासी आनंदपुर के खिलाफ श्यामलाल निवासी आनंदपुर की तहरीर पर धोखा धडी आदि धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ है।चार जनवरी को श्यामा लाल ने दौली जबाहरलाल की गौटिया निवासी खरगसेन के पुत्र करन के साथ अपनी पुत्री की शादी तय की थी। शादी तय करते समय लड़की बालों ने एक बाइक और 51 हजार रुपया नकद दिया था। शादी तय करते समय बिचौलिया योगेश और करन व करन के परिजनों ने बताया कि करन इंटर पास है और नौकरी करता है। नौ बीघा जमीन है। शादी तय होने के बाद लड़की पक्ष के लोगों को पता चला कि लड़का बीना पड़ा लिखा बेरोजगार है और उसके पास जमीन भी जो बताई गई उतनी नहीं है। लड़का बेरोजगार होने का पता चलने पर लड़की पक्ष ने शादी तय करते समय दिए गए सामान को वापस माँगा तो लड़का पक्ष ने देने से मना कर दिया। लड़की के पिता ने कई बार पंचायत कराई किन्तु सामान वापस में देने पर रविवार को लड़का पक्ष के चारो आरोपियों पर धोखा धड़ी का मुक. दमा दर्ज किया।

दिव्यांगों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा

शाह टाइम्स संवाददाता

बहेड़ी। दिव्यांग जनों ने विभिन्न मांगों को लेकर तहसील परिसर में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। दिव्यांग उत्थान समिति के हृदय नारायण के नेतृत्व में दिव्यांगजन तहसील पहुंचे।

दिव्यांगों ने मांग रखी कि सरक. ारी नौकरी में 4 प्रतिशत का आरक्षण हो। व्यापार करने के लिए ब्याज मुक्त लोन दिया जाए।आरपी डब्लू डी एक्ट का सभी नियम व शर्तों के अनुसार पालन हो। बच्चों को सरक. ारी तथा गैर सरकारी स्कूलों में निशुल्क शिक्षा दिलाई दिया है। इसके अलावा अन्य मांगे भी ज्ञापन में शामिल करते हुए मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम इशिता किशोर को दिया गया।

आंगनबाड़ी व्यवस्था को मिला डिजिटल बूस्ट

207 कार्यकत्रियों को स्मार्टपफोन, 63 नए केंद्र भवनों का लोकार्पण

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। महिला एवं बाल विकास योजनाओं को जमीनी स्तर पर और प्रभावी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को आंगनबाड़ी व्यवस्था को डिजिटल सशक्तिकरण की नई सौगात दी। लखनऊ स्थित लोक भवन से आयोजित कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं मुख्य सेविकाओं को स्मार्टफोन, ग्रोथ मॉनिटरिंग डिवाइस और नियुक्ति पत्र वितरित किए गए, वहीं प्रदेश भर में नए केंद्र भवनों और परियोजना कार्यालयों का लोकार्पण व शिलान्यास भी किया गया।

बरेली में इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार में जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों की मौजूदगी में देखा गया। इस मौके पर जिले की 207 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों/मुख्य सेविकाओं को स्मार्टफोन, 780 ग्रोथ मॉनिटरिंग डिवाइस वितरित किए गए, जबकि 08 नवचयनित कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए।

इसके साथ ही जिले में 3.48 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 06 बाल विकास परियोजना कार्यालयों का शिलान्यास तथा 7. 56 करोड़ रुपये की लागत से तैयार 63 आंगनबाड़ी केंद्र भवनों का लोकार्पण किया गया। इन नए भवनों के बनने से बच्चों को बेहतर वातावरण, पोषण और प्रारंभिक शिक्षा की सुविधाएं मिलेंगी।

कार्यक्रम में विधायक कैंट संजीव अग्रवाल ने कहा कि सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की भूमिका बेहद अहम है। अब स्मार्टफोन और आधुनिक उपकरण मिलने से उनका काम और तेज, पारदर्शी व प्रभावी होगा, जिसका सीधा लाभ बच्चों और माताओं को मिलेगा।

जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने कहा कि जिले में सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को शत-प्रतिशत स्मार्टफोन और डिवाइस उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के जीवन की पहली पाठशाला हैं, जहां से उनके सर्वांगीण विकास की नींव पड़ती है। कार्यक्रम में एमएलसी कुंवर महाराज सिंह/बरोहन लाल मौर्य, मुख्य विकास अधिकारी देवयानी सहित बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के अधिकारी और बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां मौजूद रहीं।

पुलिस ने शिवा के तीन हत्यारे दोस्तों को दबोचा

बरेली। इंटर के छात्र शिवा की चाकू से गोदकर हत्या करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने बताया कि शिवा ने गाली देते हुए सिर में कड़ा मारकर घायल कर दिया था। इससे नाराज गौरव ने साथियों की मदद से शिवा की हत्या करने की योजना बनाई और घर से बुलाकर ले जाकर चाकू से गोद दिया। पुलिस ने चाकू बरामद कर लिया।

इज्जतनगर थाना क्षेत्र के अशोक बिहार कॉलोनी निवासी इंटर के छात्र शिवा पटेल को शुक्रवार की शाम को उसके दोस्त घर से बुलाकर ले गए थे। उसके बाद चाकू से कई वार कर फरार हो गए थे। घायल शिवा को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां शनिवार की सुबह उसकी मौत हो गई थी। शिवा के पिता केहरी सिंह की तहरीर पर इज्जतनगर पुलिस ने पांच नामजद समेत तीन अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज की। रविवार को पुलिस ने विलय धाम पुल के पास से गौरव, पारस, और रचित शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। इंस्पेक्टर इज्जतनगर बिजेन्द्र सिंह ने बताया कि छात्र की हत्या के मामले में चोरों आरोपियों को गिरफ्तार कर चाकू भी बरामद किया गया है।

नाथ नगरी में खेलों का महाकुंभ: 54वीं राष्ट्रीय सीनियर महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता का भव्य आगाज

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। नाथ नगरी बरेली एक बार फिर राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर दमदार तरीके से उभरी है। फ्यूचर विश्वविद्यालय परिसर में सोमवार को 54वीं राष्ट्रीय सीनियर महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ, जिसमें देशभर से आई महिला खिलाड़ियों के जोश, जुनून और जज्बे ने माहौल को पूरी तरह खेलमय बना दिया।

प्रतियोगिता का उद्घाटन जिलाधिकारी अविनाश सिंह और कैंट विधायक संजीव अग्रवाल ने हैंडबॉल को गोलपोस्ट में डालकर किया। इस प्रतीकात्मक शुरुआत के साथ ही पूरे परिसर में उत्साह और

तालियों की गूंज सुनाई दी। उद्घाटन के बाद अतिथियों ने विभिन्न राज्यों से आई टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया।

जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि "खेल केवल शरीर को मजबूत नहीं बनाते, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना जैसे जीवन मूल्यों को भी विकसित करते हैं। राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का बड़ा मंच देती हैं। वहीं विधायक संजीव अग्रवाल ने कहा कि बरेली में इस स्तर के आयोजन होना शहर के लिए गौरव की बात है और इससे स्थानीय खिलाड़ियों को नई प्रेरणा मिलती है। जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष डॉ. आशीष गुप्ता ने बताया कि बरेली में राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता का यह तीसरा सफल आयोजन है। इससे पहले वर्ष 2021 में सीनियर और 2023 में जूनियर चौंपियनशिप का सफल आयोजन किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि इस बार के आयोजन के साथ बरेली ने राष्ट्रीय खेल आयोजनों की "हैट्रिक" पूरी कर ली है। कोषाध्यक्ष डॉ. स्वतंत्र कुमार ने कहा कि "नाथ नगरी की धरती पर देशभर से आई नारी शक्ति अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करेगी। यह आयोजन महिला सशक्तिकरण का सशक्त संदेश देगा। 30 मार्च से 3 अप्रैल तक चलने वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों की लगभग 27 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इनमें कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी शामिल हैं, जिससे मुकाबले बेहद रोमांचक और उच्च स्तर के होने की उम्मीद है। खिलाड़ियों के लिए आवास, भोजन, सुरक्षा, चिकित्सा और परिवहन की उच्च स्तरीय व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, वहीं दर्शकों के लिए भी बेहतरीन इंतजाम किए गए है।

छुट्टा पशु के हमले में किसान की मौत

परिजनों में मचा कोहराम, नहीं थम रहा छुट्टा पशुओं का आतंक

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। क्षेत्र में छुट्टा पशुओं का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार दोपहर खेत से छुट्टा पशुओं को भगाने गये एक किसान पर सांड ने जानलेवा हमला कर दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना से मृतक के परिवार में चीख-पुकार मच गई है। ग्रामीणों में प्रशासन के खिलाफ भारी रोष है।

रहरा थाना इलाके के ग्राम ढकिया खादर निवासी इकबाल सिंह पुत्र मलखान सिंह काफी समय से जंगल स्थित अपने खेत पर मकान बनाकर रह रहे थे। सोमवार दोपहर उन्हें सूचना मिली कि कुछ छुट्टा पशु उनके गेहूं के खेत में घुसकर फसल बर्बाद कर रहे हैं। इकबाल तुरंत खेत की ओर भागे और पशुओं को खदेड़ने लगे। इसी दौरान एक आक्रामक सांड ने उन पर हमला बोल दिया। सांड ने उन्हें सींगों से उठाकर सड़क पर पटक दिया। जिससे सिर और शरीर में गंभीर चोटें आने के कारण इकबाल सिंह की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर जमा हो गये। रहरा थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक अपने पीछे पत्नी कुंतेश और दो बेटों सोनू, मोनू को रोते-बिलखते छोड़ गये हैं। क्षेत्र में बढ़ते छुट्टा पशुओं के हमलों से ग्रामीण डरे हुए हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द इन पशुओं को पकड़वाकर गौशाला भिजवाया जाये ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। रहरा थाना प्रभारी अखिलेश प्रधान ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम को भेजा गया है।

दबंगों ने महिला व उसके दो बच्चों को पीटा

गंभीर हालत में जिला अस्पताल रैफर

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। कोतवाली क्षेत्र के गांव रखेड़ा में रविवार की रात दबंगई का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुराने विवाद के चलते तीन दबंगों ने एक मजदूर के घर में घुसकर उसकी पत्नी और दो मासूम बच्चों पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले के वक्त घर का मुखिया प्रेम सिंह मजदूरी के सिलसिले में हरियाणा गया हुआ था। दबंगों ने घर में अकेली महिला यशोदा उसकी बेटी प्रियंका और बेटे गौरव को निशाना बनाया। आरोपियों ने तीनों के साथ बेरहमी से मारपीट की और शोर सुनकर ग्रामीणों को इकट्ठा होता देख जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। इस हमले में मां और उसके दोनों बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। आनन-फानन में परिजन घायलों को लेकर कोतवाली पहुंचे और पुलिस को नामजद तहरीर दी। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद प्रियंका और गौरव की नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। कोतवाल राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश जारी है।

1008 कलशों से भगवान महावीर का अभिषेक

डीएम-एसपी ने आरती कर शोभायात्रा का किया शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

अमरोहा। महावीर जयंती पर नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। श्रीजी का 1008 कलशों द्वारा अभिषेक हुआ, डीएम, एसपी ने आरती कर शोभायात्रा का शुभारंभ किया।

सोमवार को नगर में महावीर जयंती के अवसर पर शोभा यात्रा निकाली गई। डीएम निधि गुप्ता वत्स व एसपी अमित कुमार आनन्द की आरती के पश्चात शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। बड़ा बाजार स्थित जैन मंदिर से शुरू शोभायात्रा कोतवाली, बसवान गंज, बाजार गुजरी, कटरा, शफातपोता, कोट चौराहा होते हुए कोट स्थित जैन मंदिर पहुंची जहां श्रीजी का 1008 कलशों द्वारा अभिषेक हुआ। यात्रा में खवासी के रूप में विशाल जैन व इंद्र, इंद्राणी के रूप में राजेश जैन, इंदु जैन को बैठने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। रास्ते में जगह जगह पुष्प वर्षा से शोभायात्रा का स्वागत व अभिनंदन हुआ। इस अवसर पर अध्यक्ष योगेश जैन, संदीप जैन, पीयूष जैन, सिद्धार्थ जैन, अखिल जैन, शुभंभ जैन, नमन जैन, दीपाली जैन, अंजली जैन, पूजा जैन एवं समस्त जैन समाज उपस्थित रहा।

लव मैरिज से नाराज परिजनों ने बेटी को पीटा

फैसले के बहाने बुलाया, देवर को भी धुना

शाह टाइम्स संवाददाता

अमरोहा। प्रेम विवाह का फैसला एक युवती के लिए मुसीबत बन गया। शादी से नाराज परिजनों ने अपनी ही बेटी को रास्ते में रोक लिया और उसके साथ चल रहे नाबालिग देवर पर भी हमला कर दिया। बीच सड़क हुई इस मारपीट से इलाके में हड़कंप मच गया।

डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गांव असगरीपुर निवासी जुबैन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसने करीब एक साल पहले मोहसिन के साथ अपनी मर्जी से लव मैरिज की थी। इस फैसले के बाद से ही उसके मायके वालों ने उससे रिश्ता तोड़ लिया और तभी से उसके प्रति रंजिश रखने लगे। घटना 27 मार्च की शाम करीब पांच बजे की बताई जा रही है। जुबैन अपने 14 वर्षीय देवर जसीम के साथ ससुराल के पुराने घर की ओर जा रही थी। आरोप है कि रास्ते में उसके पिता फुरकान, भाई जैनुल और जुनैद तथा तहेरे भाई अरबाज मिल गए। चारों ने देखते ही गाली-गलौज शुरू कर दी। जब जुबैन ने विरोध किया तो आरोपियों ने दोनों को घेरकर बेरहमी से पीट दिया, जिससे वे घायल हो गए। शोर-शराबा सुनकर जब आसपास के लोग मौके की ओर दौड़े तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस से शिकायत की। सीओ सिटी अभिषेक यादव ने बताया कि तहरीर के आधार पर युवती के पिता और भाइयों समेत चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

एक नजर

संरक्षक ने प्रधानाचार्य को किया निलंबित

■ प्रधानाचार्य ने कार्रवाई को इकतरफा बताया

शाह टाइम्स संवाददाता, गजरौला। ब्लॉक क्षेत्र के सिहाली गौसाई स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के संरक्षक सतीश कुमार भास्कर ने कारण बताओ नोटिस का प्रत्युत्तर न देने पर प्रधानाचार्य महेश कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। वहीं प्रधानाचार्य ने इस कार्रवाई को इकतरफा बताया है। इस कार्रवाई से संबधित पत्र प्रेस को जारी करते हुए सतीश कुमार भास्कर ने प्रधानाचार्य महेश कुमार पर 15 मार्च 2026 को दिए गए कारण बताओ नोटिस का कोई प्रत्युत्तर नहीं देने पर निलंबन की कार्रवाई की। संरक्षक ने महेश कुमार को निर्देशित किया है कि जब तक उनके विरूद्ध जांच पूरी नहीं हो जाती तब तक वे संस्था के कार्य आदि में हस्तक्षेप न करें और संस्था की सभी चाबियां, अभिलेख आदि प्रबंध समिति को हस्तांतरित करेंगे। वहीं महेश कुमार ने बताया कि यह कार्रवाई इकतरफा है। प्रबंधक व संरक्षक दोनों पक्षों में विवाद चल रहा है। मामला रजिस्ट्रार के संज्ञान में है, उनके माध्यम से जो भी निर्देश मिलेगा उसी के अनुरूप अगला कदम उठाएंगे।

जैथल प्राथमिक विद्यालय में वार्षिकोत्सव की धूम

शाह टाइम्स संवाददाता मंडी धनौरा। सोमवार को क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय जैथल में वार्षिकोत्सव बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने गीत, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मौजूद लोगों का मन मोह लिया। बच्चों की रंगारंग प्रस्तुतियों पर अभिभावकों और ग्रामीणों ने तालियों से उनका उत्साह बढ़ाया। मेधावी और प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर उनका हौसला बढ़ाया। वहीं एआरपी सत्य प्रकाश गौतम ने सरकार की शिक्षा संबंधी योजनाओं की जानकारी देते हुए ग्रामीणों से अपने बच्चों का अधिक से अधिक नामांकन विद्यालय में कराने की अपील की। इस मौके पर पूर्व एआरपी पवन कुमार, ग्राम प्रधान, राशन डीलर, आनंद कुमार, महेंद्र सिंह, सहायक अध्यापक रंजीता, शिवानी, अमृता आर्य, शिक्षामित्र देवेंद्र सिंह, आंगनबाड़ी सुनीता व ब्रजवाला मौजूद रहीं।

नशे में पिता-पुत्र ने घर से बुलाकर युवक को पीटा

मुकदमे में समझौता न करने पर मारपीट

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। मारपीट के मुकदमे में फैसले का दबाव बना रहे पिता-पुत्र ने शराब के नशे में हंगामा किया। वादी के बेटे को घर से बुलाने के बाद मारपीट कर घायल कर दिया। मामले में पुलिस ने आरोपी पिता-पुत्र के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

घटना नौगावां सादात थाना क्षेत्र के गांव देहरा की है। यहां रहने वाले योगेंद्र सिंह द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर के मुताबिक 28 मार्च की शाम में गांव का ही अनूप और उसका बेटा निपेंद्र घर के बाहर आकर हंगामा करने लगे, आरोप है कि दोनों नशे में थे। धोखे से भतीजे यश कटारिया को घर से बाहर बुलाने के बाद उसका गिरेबान पकड़ लिया, उसके साथ मारपीट की। योगेंद्र के मुताबिक उसके भाई स्व.योगेश ने अनूप और उसके बेटे निपेंद्र के खिलाफ पूर्व में मारपीट व गाली-गलौज करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया था जो अदालत में विचाराधीन है। आरोपी पिता-पुत्र इसी मुकदमे में फैसला करने का दबाव बना रहे हैं। इनकार करने पर आए दिन घर के बाहर आकर हंगामा करते रहते है। प्रभारी निरीक्षक बालेंद्र यादव ने मामले में आरोपी अनूप व निपेंद्र के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू करने की बात कही।

नेकपुर न्याय पंचायत को अमरोहा में शामिल करो

आल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन ने उठायी मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

अमरोहा। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन ने नेकपुर पंचायत को अमरोहा में शामिल करने और स्मार्ट मीटर योजना को वापस लिए जाने की मांग को धरना प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

सोमवार को ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट मे नारेबाजी कर डीएम को ज्ञापन सौंपा। उनकी मांग है कि संभल जिले की नेकपुर न्याय पंचायत के 23 गांवों को अमरोहा में शामिल किया जाए, और छुट्टा पशुओं,जंगली जानवरों व आवारा कुत्तों, बंदरों से जान मॉल के नुकसान को रोका जाए। बिजली बिल 2023 व स्मार्ट मीटर योजना वापस ली जाए। जबकि 60 वर्ष की आयु के सभी किसानों, मजदूरों को दस हजार प्रति माह बुढ़ापा पेंशन दी जाए और प्राथमिक शिक्षा से ही बच्चों को तैराकी का प्रशिक्षण दिया जाए। अमेरिका, इजराइल बिना शर्त युद्ध बंद करे। प्रदर्शन करने वालो में जिला संयोजक गंभीर सिंह, राजेंद्र सिंह, विनोद शर्मा, बलवीर प्रीतम, महेंद्र, बलविंदर, वीरेंद्र, सोमपाल, जसपाल, नन्हे खां, शाहिद खां, माया चौहान नोबहर सिंह, सुखपाल, महावीर व फहीम चौधरी शामिल रहे।

हसनपुर के विनय सैनी बने असिस्टेंट कमिश्नर

शाह टाइम्स संवाददाता हसनपुर। नगर के मोहल्ला पूठ रोड काला शहीद निवासी समाजसेवी विजयपाल सिंह सैनी के पुत्रविनय सैनी ने यूपी यूपीपीसीएस परीक्षा उत्तर असिस्टेंट कमिश्नर कमर्शियल टैक्स का पद प्राप्त किया है। विनय सैनी की सफलता से परिजनो एवं नगर की जनता में हर्ष का माहौल बना हुआ है। विनय सैनी के सिलेक्ट होने का पता जैसे ही परिवार के लोगों को लगा तो वहां जश्न का माहौल बन गया। परिजनों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार करते हुए विनय सैनी के उज्जवल भविष्य की कामना की है। मोहल्ले में चर्चा है कि विनय सैनी बहुत ही होनहार छात्र रहे हैं। और यह उनके परिश्रम का ही नतीजा है कि वह इस मुकाम पर पहुंचे है।

नगर में धूमधाम से निकली बाबा खाटू श्याम की निशान यात्रा

श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा से किया स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

अमरोहा। बाबा खाटू श्याम के जन्मोत्सव पर शहर में धूमधाम से निशान यात्रा निकाली गई। निशान यात्रा का श्रद्धालुओं ने जगह जगह पुष्प वर्षा से स्वागत किया।

सोमवार को नगर में बाबा खाटू श्याम के जन्मोत्सव पर धूम धाम से निशान यात्रा निकाली गई। यात्रा मे बड़ी संख्या में महिला, पुरुष व बच्चे शामिल रहे जिनके हाथों में बाबा का निशान मौजूद था। श्याम भक्त बाबा श्याम खाटू के नारे लगाते चल रहे थे। निशान यात्रा सुबह 10 बजे गंगानाथ मंदिर से प्रारंभ होकर बड़ा बाजार, कोतवाली, बाजार बसवा गंज, कटरा, घेर मुनाफ, बेगम सराय, शफात पोता, कोट चौराहा, बाजार बटवाल होती हुई, पुष्कर नगर बाबा श्याम के मंदिर पर जाकर समाप्त हुई। यात्रा का शहर में श्रद्धालुओं ने जगह जगह पुष्प वर्षा से स्वागत किया, मंदिर पहुंचने पर बाबा की आरती की गई और प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर रोहित अग्रवाल,सारिका अग्रवाल, समीर खंडेलवाल, प्रियंका खंडेलवाल, मोहित, रुपाली, तुषार जिंदल, सनी जैन, अनुभव, अंशु अग्रवाल, नीरज, अशोक आदि श्याम भक्त मौजूद रहे।

मेहनत व अनुशासन ही सफलता की कुंजीः कमर

शाह टाइम्स संवाददाता अमरोहा। तैयब जूनियर हाईस्कूल में वार्षिक परीक्षाफल घोषित किया गया। कक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को शील्ड व मेडल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के मैनेजर कमर नकवी और प्रधानाचार्य सैयद शारिक रिजवी ने संयुक्त रूप से विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। सम्मान पाकर बच्चों के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी, वहीं अभिभावकों ने भी अपने बच्चों की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया। इस मौके पर मैनेजर कमर नकवी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मेहनत और अनुशासन ही सफलता की कुंजी है। प्रधानाचार्य सैयद शारिक रिजवी ने भी विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा ही व्यक्ति को सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचाने का सबसे मजबूत माध्यम है। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावकगण और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पूर्व विधायक के भतीजे बने नायब तहसीलदार

शाह टाइम्स संवाददाता,

गजरौला। पूर्व विधायक हरपाल सिंह एवं गजरौला की पालिकाध्यक्ष राजेंद्री उर्फ उमा देवी के भतीजे एवं

■ इस उपलब्धि पर लगा बधाईयों का तांता

भाजपा नेता विपिन सागर के सगे छोटे भाई विजेंद्र सिंह ने पीसीएस की परीक्षा उत्तीर्ण की है। उनका चयन नायब तहसीलदार पद के लिए हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार में जश्न का माहौल है। सोमवार को पूर्व विधायक हरपाल सिंह ने अपने आवास पर एकत्र भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों को मिठाई खिलाकर अपने भतीजे को मिली कामयाबी का जश्न मनाया। पूर्व विधायक हरपाल सिंह ने बताया कि नायब तहसीलदार के पद पर चयनित बिजेंद्र सिंह उनके भाई स्वर्गीय प्रेम सिंह के पुत्र हैं। वहीं विजेंद्र सिंह के हसनपुर तहसील के गांव सांथलपुर की मंढैया स्थित आवास पर उनके परि. जनों को बधाई देने वालों का तांता लगा है। बेटे को मिली इस कामयाबी से मां जयवंती देवी काफी गदगद हैं। भाजपा नेता विपिन सागर ने बताया कि विजेंद्र सिंह उनके सगे छोटे भाई हैं। उनका लक्ष्य आईएएस अधिकारी बनने का है। जिसके लिए वे सतत प्रयासरत हैं, आगे भी वे प्रयास करते रहेंगे।

सफलता के लिए कड़ा परिश्रम जरूरीः इकबाल

शाह टाइम्स संवाददाता,

गजरौला। नगर के नाईपुरा स्थित सेंट सैफ इंग्लिश एकेडमी एवं सेंट सेफ इण्टर कॉलेज का वार्षिकोत्सव संयुक्त रूप से

■ सेंट सेफ इंग्लिश एकेडमी व इण्टर कॉलेज का वार्षिकोत्सव

धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान कक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रतीक चिन्ह, मैडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में दोनों विद्यालयों में अध्ध्यनरत विद्यार्थी माहिरा, आर्यन, अश्विनी, ऋषभ, भूमि, भावना, निश्चित सैनी, भव्या, हुमैरा, कृतिका, हिमांशी, सावन, सलोनी, प्रिंस सैनी, रितिका, रिंकू, सुतिल, रोजिश, तनु, आरती, भूमिका, आफिया, मीनाक्षी, अभिषेक, चाहत, अदीबा, बुशरा, अंशिका, वाशु, गौसिया आदि को कक्षा में स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। प्रबंधक इकबाल अहमद सैफी ने कहा कि जिन बच्चों ने अथक परिश्रम करके अच्छे अंक अर्जित किए हैं, वे भविष्य में भी इसी लय के साथ पढ़ाई करें। कम अंक पाने वाले बच्चे निराश न हों, बल्कि पुनः पुरजोर तरीके से प्रयास करें, उन्हें भी निश्चित सफलता प्राप्त होगी। क्योंकि परिश्रम ही सफलता की कुंजी है। इस मौके पर इंग्लिश एकेडमी में संध्या रानी, छाया, ज्योति सिंह, पूनम रानी, वैशाली, अंशु, राखी, करूणा त्यागी जबकि इण्टर कॉलेज में नीरज कुमार, तालिब, हैदर अली, जगवीर सिंह, कमल सिंह, बबलेश कुमार, विजय सिंह, मधु शर्मा, संतोष सैनी, सोनू ठाकुर, सुनील वर्मा आदि मौजूद रहे।

बैंक के बाहर से बाइक चोरी

मंडी धनौरा। थाना क्षेत्र के गांव देहरी गुर्जर निवासी किसान प्रदीप नगर सोमवार दोपहर किसी जरूरी काम से बदायूं-बिल्सी स्टेट हाईवे किनारे स्थित भारतीय स्टेट बैंक शाखा में आए थे। उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल बैंक के बाहर खड़ी की और अंदर चले गए। इसी दौरान मौका पाकर कोई अज्ञात चोर बाइक लेकर फरार हो गया।

सम्बन्ध-विच्छेद

मेरा बेटा आलम व उसकी पत्नी श्रीमति मुस्कान गलत संगत में पड़ गये हैं तथा आये दिन परिवार से लड़ाई झगड़ा करते रहते हैं। जिस कारण मैं व मेरे परिवार उनसे सभी तरह के संबंध विच्छेद कर अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य के लिए मैं व मेरा परिवार जिम्मेदार नहीं होगा।

रहीस अहमद पुत्र जमरूद अहमद
निवासी मौहल्ला तलवार शाह
नईबस्ती अमरोहा

प्रसव के दौरान महिला की मौत पर डेढ़ घंटे जाम

नोडल अधिकारी ने अस्पताल किया सील, दो डाक्टरों पर मुकदमा दर्ज करने की तैयारी

शाह टाइम्स संवाददाता

मंडी धनौरा। थाना क्षेत्र के गांव शेरपुर मे पुलिस चौकी के पास स्थित एक मकान में चल रहे निजी अस्पताल में प्रसव के दौरान 25 वर्षीय महिला की मौत के बाद सोमवार को परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल के बाहर शव रखकर सड़क जाम कर दी। करीब डेढ़ घंटे तक जाम लगा रहा, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। बाद में पुलिस के कार्रवाई के आश्वासन पर परिजनों ने जाम खोल दिया।

जानकारी के अनुसार गांव विशावली निवासी अर्जुन सिंह अपनी पत्नी रज्जो (25) को प्रसव पीड़ा होने पर शेरपुर चौकी के पास स्थित निजी अस्पताल में लेकर पहुंचे थे।

आरोप है कि अस्पताल में इलाज के दौरान प्रसव के समय महिला की हालत बिगड़ गई और कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिवार में को. हराम मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। गुस्साए परिजनों ने शव को अस्पताल के बाहर सड़क पर रखकर हंगामा शुरू कर

दिया। देखते ही देखते सड़क पर जाम लग गया। सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक अमरपाल सिंह और बछरायूं थाना प्रभारी कुलदीप तोमर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने परिजनों को समझाया और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया। इसके बाद करीब डेढ़ घंटे बाद परिजनों ने जाम खोल दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग भी मौके पर पहुंच गया। स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी ने अस्पताल का निरीक्षण किया। जांच में अनियमितताएं मिलने पर अस्पताल को तुरंत सील कर दिया गया। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में निजी अस्पतालों की कार्यप्रणाली को लेकर भी चर्चा तेज हो गई। थाना प्रभारी निरीक्षक अमरपाल सिंह ने बताया कि चंद्रभान की तहरीर पर डॉ. पवन और डॉ. रंजीत के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। वहीं स्वास्थ्य विभाग भी अस्पताल के दस्तावेज और पंजीकरण से जुड़े रिकॉर्ड खंगाल रहा है। घटना के बाद मृतका के परिवार में मातम पसरा हुआ है। ग्रामीणों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा न हो।

सड़क हादसों में दो की मौत

पुलिस ने शव कब्जे में लेकर मोर्चरी के लिए भेजा

शाह टाइम्स संवाददाता,

गजरौला। अलग अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। इनमें से एक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई के लिए पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार बछरायूं थाना क्षेत्र के गांव ढ़यौटी निवासी सतवीर पुत्र नत्थू सिंह बीते दिन गजरौला क्षेत्र में अपनी रिश्तेदारी में आया था। रात को करीब डेढ़ बजे वह बाइक द्वारा अपने गांव वापस जा रहा था। जब वह फाजलपुर रेलवे फाटक से कुछ दूर आगे तेवा एपीआई लिमिटेड की कॉलोनी के सामने पहुंचा तभी एक अज्ञात वाहन उसे टक्कर मारते हुए फरार हो गया। हादसे में सतवीर की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने उसके परिजनों को घटना की जानकारी देते हुए शव को अग्रिम कार्रवाई के लिए पोस्टमार्टम हाउस भेजा, वहीं दूसरी ओर थाना क्षेत्र के सुल्तानठेर मौहम्मदपुर में पैदल पैदल जा रहे एक अज्ञात व्यक्ति को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौत हो गई। यह हादसा बीती रात करीब दो बजे के लगभग हुआ। घटना की जानक. ारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और अग्रिम कार्रवाई के लिए पोस्टमार्टम हाउस के लिए भेजा। पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

दोस्त बनकर साइबर ठगों ने लगाया लाखों का चूना

फर्जी फेसबुक एकाउंट से युवक को ठगा

शाह टाइम्स संवाददाता

नौगांवा सादात। कस्बे के मोहल्ला बंगला निवासी युवक साइबर ठगी का शिकार हो गया। ठगों ने उसके ओमान में रहने वाले दोस्त के नाम से फर्जी फेसबुक मैसेंजर अकाउंट बनाकर भरोसा जीता और पैसे भेजने के बहाने उसे जाल में फंसा लिया। युवक ने भरोसा कर हजारों रुपये ट्रांसफर कर दिए, बाद में ठगी का खुलासा होने पर उसके होश उड़ गए। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है।

कस्बे के मोहल्ला बंगला में कायम मेंहदी का परिवार रहता है। उनके बेटे कमर सिब्तैन के मुताबिक उनका एक करीबी दोस्त ओमान में रहता है, जिससे अक्सर मैसेंजर पर बातचीत होती रहती है। साइबर अपराधियों ने इसी दोस्त के नाम से फेसबुक मैसेंजर पर फर्जी एकाउंट बना लिया और डीपी पर उसका फोटो लगा दिया। कमर सिब्तैन उनकी चाल नहीं समझ पाए और जाल में फंस गए। साइबर अपराधियों ने कुछ पैसे अमानत के तौर पर भेजने हैं, जब मैं नौगावां सादात आऊंगा तो ले लूंगा। दोस्त समझते हुए कमर सिब्तैन ने अपने खाते की डिटेल साझा कर दी। इसके बाद साइबर अपराधियों ने 760400 रुपये खाते में डालने की स्लिप भेज दी और कहा कि इसमें से तीन लाख रुपये तुम्हे मेरे एजेंट को भेजने हैं अगर उसे पैसे नहीं पहुंचे तो मेरा वीजा खत्म हो जाएगा और ओमान में मुझे जेल में डाल दिया जाएगा। ये बात सुनकर कमर सिब्तैन घबरा गए इतना ही नहीं साइबर अपराधियों ने एजेंट से भी बात कराई। जाल में फंसे कमर सिब्तैन ने इसके बाद साइबर अपराधियों के बताए गए खाते में 28500 तथा बार कोड पर 91500 रुपये ट्रांसफर करा दिए। धोखाधड़ी का खुलासा उस समय हुआ जब साइबर अपराधियों ने कमर सिब्तैन को 50 हजार रुपये और ट्रांसफर कराने के लिए धमकाना शुरू किया। पूरे मामले की जानकारी पर उनके होश उड़ गए। सीओ अवधभान सिंह भदौरिया ने बताया कि इस संबंध ऑनलाइन तहरीर मिली है, मामले की जांच की जा रही है।

शिव मन्दिर में पारिवारिक मूर्तियों पर उठा विवाद

सार्वजनिक धर्मस्थल पर कब्जे की आशंका, नागरिकों ने एसडीएम को दिया ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

मंडी धनौरा। नगर के रामलीला मैदान के सामने बने नवदुर्गा मंदिर परिसर में नए शिव मंदिर को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। सोमवार को बड़ी संख्या में नगरवासियों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम धनौरा को सौंपकर मंदिर में लगाई गई पारिवारिक मूर्तियों पर आपत्ति जताई।

नगरवासियों का कहना है कि मंदिर का निर्माण नगर में "दिल्ली वालों" के नाम से पहचाने जाने वाले एक परिवार ने कराया है। आरोप है कि परिवार ने मंदिर का नाम शार–विनोद रखा है और अपने माता–पिता स्वर्गीय शारदा और

विनोद की मूर्तियां भी मंदिर में स्थापित करा दी हैं। लोगों का कहना है कि यह सार्वजनिक धार्मिक स्थल है, इसलिए यहां किसी परिवार विशेष की मूर्तियां लगाना ठीक नहीं है। ज्ञापन में कहा गया है कि इससे लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं और ऐसा लग रहा है कि परिवार मंदिर पर अपना निजी अधिकार जमाने की कोशिश कर रहा है। इसको लेकर नगर में धीरे–धीरे नाराजगी बढ़ रही है। लोगों ने चेतावनी दी कि अगर समय रहते मामला नहीं सुलझा तो विरोध प्रदर्शन भी हो सकता है।

क्षेत्रवासियों ने मांग की कि मंदिर से परिवार विशेष के पितरों की मूर्तियां हटाई जाएं और शिव मंदिर का नाम किसी परिवार के नाम पर न रखा जाए। साथ ही एसडीएम से कहा गया कि इस ज्ञापन को तुरंत मुख्यमंत्री कार्यालय भेजा जाए, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई हो सके। ज्ञापन देने वालों में ओपी गोला, हर्ष कुमार, अजय कुमार, रोहित, शिवम, दीपक, आकाश, नितिन, पुष्पेंद्र, धर्मवीर, हरिराम, विनोद गौड़, कैलाश सिंह, सत्येंद्र सिंह, बाबूराम, नेपाल, यशपाल, नितिन और आनंद शर्मा समेत कई नगरवासी शामिल रहे। तहसीलदार मूसाराम थारू ने बताया कि ज्ञापन मिला है दिखाया जाएगा क्या मामला है। उधर इस संबंध में मंदिर निर्माता का पक्ष मिलने पर उसको भी प्रकाशित किया जाएगा।

एक नजर

जय गोविंद स्कूल में परीक्षाफल वितरित

शाह टाइम्स ब्यूरो जोया। जय गोविंद पब्लिक स्कूल में परीक्षाफल वित. रित किया गया। जिसमें बच्चों ने अपनी–अपनी कक्षाओं में शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय में नर्सरी, एलकेजी, यूकेजी सहित कक्षा 1 से उच्च कक्षाओं तक के विद्यार्थियों को परिणाम वितरित किए गए। कई छात्रों ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिससे अभिभावकों और शिक्षकों में खुशी का माहौल रहा। विद्यालय प्रबंधक सरल कुमार व प्रधानाचार्य रफाउल हसन की ओर से मेधावी विद्यार्थियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। साथ ही छात्रों को आगे भी इसी तरह मेहनत करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों की भी अच्छी उपस्थिति रही और सभी ने बच्चों के प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त की।

मेहनत व अनुशासन से मिलती सफलताः वीरेन्द्र

शाह टाइम्स ब्यूरो जोया। प्रबधक वीरेन्द्र कुमार गुप्ता ने कहा कि बच्चों की सफलता मेहनत और अनुशासन पर निर्भर करती है। एएसएम. मॉडर्न एकेडमी खाता में वार्षिक रिपोर्ट कार्ड वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबंधक वीरेंद्र कुमार गुप्ता एवं प्रधानाचार्या आभा रस्तोगी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। कक्षा 1 के दिवित चौधरी ने 100% अंक प्राप्त कर विशेष उपलब्धि हासिल की। अन्य कक्षाओं के विद्यार्थियों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय की उपलब्धियों में कक्षा 11 के छात्र कल्पित ने जिला स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्य स्तर के लिए चयनित होकर 10,000 की सहायता प्राप्त की। वहीं कक्षा 10 के गुरमीत सिंह ने नेशनल ओलंपियाड में राष्ट्रीय स्तर पर टॉप किया और स्मिता सिंह राज्य टॉपर रहीं। कार्यक्रम में जागरूक अभिभावकों को भी सम्मानित किया गया। संचालन एनसीसी एएनओ लेफ्टिनेंट रविंद्र कुमार एवं मोहित कुमार ने किया।

पत्नी न प्रेमी संग मिलकर उतारा था पति को मौत के घाट

अवैध संबंधों में बाधा बनने पर दिया वारदात को अंजाम, प्रेमी, पत्नी व दोस्त गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। अवैध संबंधों में बांधा बन रहे पति को पत्नी ने अपने प्रेमी व उसके दोस्त के साथ मिलकर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने सनसनी केस हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। कत्ल में इस्तेमाल किये गये दो चाकू व मोबा. इलो को भी पुलिस ने बरामद किया है।

रिश्तो को कत्ल करने वाले हत्याकांड में एक बार फिर हसनपुर का नाम जुड़ गया है। रिश्तो को शर्मसार करने के साथ ही उसका कत्ल करने में इस बार पत्नी का नाम सामने आया है। कोतवाली क्षेत्र के गांव पिपलोती कला निवासी मेराज पुत्र मोमिन आयु 32 वर्ष का शव रविवार की सुबह घर में ही चारपाई पर खून से लथपथ सना हुआ पड़ा था। मेराज की लाश के बराबर में ही उसकी पत्नी रूही व दो बच्चे सो रहे थे। घटना को देखते हुए शुरू से ही पत्नी को शक के दायरे में देखा जा रहा था। कोतवाल राजेश कुमार तिवारी ने इस हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी फरमान मृतक मेराज का सगा चेहरा भाई है। फरमान के बड़े भाई के घर में रूही की बड़ी बहन है। रूही की शादी

मेराज से हो गई थी। रूही शादी से पहले से ही फरमान से प्यार करती थी। इस दौरान रूही दो बच्चों की मां बन गई। लेकिन फरमान से उसके अवैध संबंध बने हुए थे। चार दिन पहले मेराज ने फरमान से अवैध संबंधों का विरोध करते हुए रूही की प्लास्टिक के पाइप से पिटाई कर दी थी। रूही ने यह बात फरमान को बताई थी। उसके बाद उन्होंने तय कर लिया था कि अब मेराज को हर हाल में रास्ते से हटाना है। शनिवार की रात को रूही ने पति मेराज को दूध में नींद की गोलियां घोलकर पिला दी थी। जब वह गहरी नींद में सो गया तो उसके बाद रूही ने फरमान को घर बुला लिया था। फरमान रहरा थाना क्षेत्र के गांव बुरावली निवासी अदनान पुत्र मेहराज के साथ गुजरात में फेरी लगाने का काम करता है। फरमान ने इस घटना को अंजाम देने के लिए अदनान को भी बुला लिया था। उसके बाद आरोपियों ने पहले सोते हुए मेराज के हाथ पैरों को रस्सी से बांध दिया। उसके बाद उसकी गर्दन पर ताबड़तोड़ चाकू चला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। जिस समय आरोपी मेराज की गर्दन पर चाकू चला रहे थे। उस वक्त जालिम पत्नी रूही पति के पैरों पर बैठ गई थी ताकि वह विरोध ना कर सके। मेराज के घर के बराबर में डीजे बज रहा था। इससे भी किसी को कुछ पता नहीं चल सका। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किये गये दो चाकू वह दो मोबाइल को भी बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी फरमान अदनान व रूही को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया वहां से तीनों को जेल भेज दिया गया।

शिक्षित समाज से ही देश की उन्नति संभवः महबूब

शाह टाइम्स संवाददाता अमरोहा। लोक लेखा समिति के सभापति एवं सदर विधायक महबूब अली ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनकी शिक्षा पर पूरा ध्यान देना जरूरी है, क्योंकि शिक्षित समाज से ही देश की उन्नति संभव है। जोया विकास खंड स्थित किसान इंटर कॉलेज मिलक कटाई में 30 मार्च 2026 को आयोजित वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक महबूब अली शामिल हुए। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि बच्चे न सिर्फ परिवार बल्कि पूरे देश का भविष्य होते हैं, इसलिए अभिभावकों को उनकी शिक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यही बच्चे शिक्षा के बल पर देश का नाम रोशन करेंगे। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे, जिनमें सतवीर सिंह, वीरपाल सिंह, रियाजुद्दीन प्रधान, ग्रीस सिंह, नरेंद्र प्रधान, जयवीर सिंह, मनोज पंवार, जिले सिंह, जसवंत सिंह, जितेंद्र पंवार, सुंदर सिंह, भूप सिंह, प्रीतम सिंह, शंकर सिंह, जगत सिंह, रामनिवास सिंह, भूपेंद्र सिंह, नरेश सिंह, इकबाल सिंह, धीरज सिंह आदि शामिल रहे। साथ ही सैकड़ों की संख्या में अभिभावक एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

पिता का कत्ल, मां बनी कातिल, अब किसके सहारे जियेंगे मासूम ?

कैसे होगी मासूम बच्चों की परवरिश!

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। अवैध संबंधों के चलते मां ने बाप का प्रेमी के साथ मिलकर कत्ल करवा दिया। पति की हत्या के आरोप में मासूम बच्चों की मां जेल चली गई है। अब मासूम बच्चों के सामने उनकी परवरिश की समस्या आकर खड़ी हो गई है।

कोतवाली क्षेत्र के गांव पिपला. ती कलां निवासी मजदूर मेराज की उसकी पत्नी ने अपने प्रेमी व उसके दोस्त अदनान के साथ मिलकर चाकू से गर्दन रेत कर हत्या करवा दी थी। मेराज का दफिना कर

दिया गया है। जबकि उसके कत्ल के आरोप में उसकी पत्नी रूही जेल चली गई है। मेराज के दो बच्चे हैं उनके सर से अब मां बाप का साया हट चुका है। सबसे ज्यादा समस्या अब यह आकर खड़ी हो गई है कि आखिर इन मासूम बच्चों की परवरिश कौन करेगा। क्योंकि दोनों ही बच्चे अभी मासूम है। मेराज के पिता मो. मिन अब बूढ़े हो चुके हैं। फरहान 5 वर्ष और दूसरा अफफान 3 वर्ष है। दोनों ही बच्चे अभी मासूम है। दादा मोमिन के पास इतनी जमीन जायदाद नहीं है कि वह उनकी ढंग से परवरिश करें। ग्रामीण भी दोनों मासूम बच्चों के चेहरो को देखकर गमगीन है।

रास्ते के विवाद में दो पक्षों में खूनी संघर्ष

दम्पति घायल, दोनों ओर से मुकदमा

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। नौगावां सादात थाना क्षेत्र के गांव याहियापुर में पुरानी रंजिश और रास्ते के विवाद ने रविवार को हिंसक रूप ले लिया। खेत में काम कर रहे व्यक्ति पर दूसरे पक्ष के लोगों ने हमला बोल दिया, जिसके बाद देखते ही देखते दोनों पक्ष आमने–सामने आ गए और जमकर लाठी–डंडे चलने लगे। इस दौरान अफरा–तफरी मच गई और आसपास के लोग दहशत में आ गए।

पहले पक्ष के रोहित ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 29 मार्च की दोपहर करीब तीन बजे उनके पिता जयपाल सिंह अपने खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान गांव के महेंद्र अपनी पत्नी सर्वेश देवी और बेटे नकुल के साथ मौके पर पहुंचे। आरोप है कि तीनों ने रास्ते के विवाद को लेकर गाली–गलौज शुरू कर दी। जब जयपाल सिंह ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने लाठी–डंडों से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। रोहित का कहना है कि रास्ते को लेकर काफी समय से दोनों पक्षों के बीच विवाद चला आ रहा है और इसी रंजिश के चलते हमला किया गया। वहीं, दूसरे पक्ष की ओर से भी मामला दर्ज कराया गया है। महेंद्र सिंह की पत्नी सर्वेश देवी ने अपनी तहरीर में आरोप लगाया कि वह खेत पर पान चलाने के लिए गई थीं। इसी दौरान मामूली कहासुनी हो गई, जिसके बाद जयपाल सिंह और उनकी पत्नी राजवती ने उनके साथ मारपीट की और उन्हें घायल कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रभारी निरीक्षक बालेंद्र कुमार ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। गांव में इस घटना के बाद तनाव का माहौल बना हुआ है, हालांकि पुलिस का कहना है कि स्थिति नियंत्रण में है।

जुआ खेलते युवकों का वीडियो वायरल

शाह टाइम्स संवाददाता हसनपुर। कोतवाली क्षेत्र के गांव हथियाखेड़ा, डाकेवाली और आसपास के इलाकों में जुए के फड़ कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। क्षेत्र से लगातार सोशल मीडिया पर जुए के वीडियो वायरल हो रहे हैं। जो स्थानीय पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं। हाल ही में वायरल हुए वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि जुआरियों के हौसले कितने बुलंद हैं। वीडियो में खेतों और सुनसान ठिकानों पर जुआरियों का जमावड़ा लगा है, जहाँ ताश के पत्तों पर लाखों के दांव बेखौफ होकर लगाए जा रहे हैं। जमीन पर तिरपाल पर बिखरी रुपयों की गड्डियां और वीडियो में स्पष्ट दिखते चेहरे इस अवैध धंधे की गवाही दे रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस कार्रवाई के नाम पर केवल खानापूर्ति करती है। अक्सर संदिग्धों को पकड़ा तो जाता है, लेकिन ष्गुप्त साठगांठष के चलते रात के अंधेरे में उन्हें बिना किसी ठोस कानूनी कार्रवाई के छोड़ दिया जाता है। क्षेत्रीय जनता ने उच्चाधिकारियों से मांग की है कि इस गिरोह पर शिकंजा कसा जाए ताकि गांव का माहौल खराब होने से बच सके।

किशोरी से छेड़छाड़ में साढ़े तीन साल की सजा

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। पॉक्सो एक्ट कोर्ट ने किशोरी से छेड़छाड़ और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने के मामले में दोषी को साढ़े तीन साल जेल की सजा सुनाई। साथ ही 15 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। मामला आदमपुर थाना क्षेत्र के एक गांव से जुड़ा था। यहां रहने वाले एक किसान की नाबालिग बेटी के साथ 11 अगस्त 2024 को गांव के ही धर्मवीर उर्फ धर्म सिंह उर्फ धर्मी ने छेड़छाड़ की थी। विरोध करने पर आरोपी ने किशोरी को जान से मारने की धमकी दी थी। शिकायत पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपी धर्मवीर को जेल भेज दिया था। बाद में वह जमानत पर रिहा हो गया था। मुकदमे की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश विशेष पॉक्सो एक्ट की अदालत में विचाराधीन थी। पत्रावली के अवलोकन व साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने धर्मवीर को दोषी करार दिया। साढ़े तीन साल जेल की सजा सुनाई तथा 15 हजार का जुर्माना लगाया।

राजस्थान ने चेन्नई को 127 रन पर रोका

जैमी ओवरटन ने सर्वाधिक 43 रन बनाए जडेजा, बर्गर व आर्चर को 2-2 विकेट

गुवाहाटी, वार्ता। आईपीएल के तीसरे मैच में राजस्थान रायल्स ने चेंन्नई सुपर किंग्स को 127 रन पर समेट दिया। गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में आरआर के कप्तान रियान पराग ने बालिंग चुनी थी। चेन्नई से जैमी ओवरटन टॉप स्कोरर रहे, उन्होंने 43 रन बनाए। डेब्यू मैच में कार्तिक शर्मा ने 18 और इम्पैक्ट प्लेयर बनकर उतरे सरफराज खान ने 17 रन बनाए। बाकी कोई भी बैटर 10 रन तक नहीं पहुंच सका। राजस्थान के लिए 17 साल बाद आईपीएल खेल रहे रवींद्र जडेजा ने 2 विकेट लिए।

जोफ्रा आर्चर और नांद्रे बर्गर को भी 2-2 विकेट मिले। संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई और डेब्यू कर रहे बृजेश शर्मा ने 1-1 विकेट लिया। 1 बैटर रन आउट भी हुआ। 20वें ओवर में जैमी ओवरटन 43 रन बनाकर रन आउट हो गए। उनके विकेट के साथ सीएसके 127 रन पर सिमट गई। ओवरटन के अलावा कार्तिक शर्मा ने 18 और सरफराज खान ने 17 रन बनाए। 16वें ओवर में चेन्नई ने 9वां विकेट भी गंवा दिया। ओवर की तीसरी बाल रवि बिश्नोई ने गुड लेंथ पर गूगली फेंकी। मैट हेनरी ने बिश्नोई को ही कैच दे दिया, वे 5 रन बनाकर आउट हुए। चेन्नई सुपर किंग्स ने 15 ओवर के बाद 8 विकेट खोकर 93 रन बना लिए। जैमी ओवरटन और मैट हेनरी ने टीम को 90 के पार पहुंचाया। टीम ने 82 रन पर 8वां विकेट गंवा दिया था। 13वें ओवर में चेन्नई ने 8वां विकेट भी गंवा दिया। जोफ्रा आर्चर ने ओवर की पांचवीं बाल फुलर लेंथ फेंकी। नूर अहमद शाट खेलने गए, लेकिन काट बिहाइंड हो गए। वे 1 रन ही बना सके। आर्चर ने ऋतुराज गायकवाड को भी पवेलियन भेजा था। 11वें ओवर में चेन्नई ने 7वां विकेट भी गंवा दिया। ओवर की तीसरी बाल बृजेश शर्मा ने फुलर लेंथ इन स्विंगर फेंकी। कार्तिक शर्मा फ्लिक करने गए, लेकिन गेंद उनके पैड्स पर लग गई। राजस्थान ने स्ठॉ की अपील की और अंपायर ने आउट का फैसला दे दिया। कार्तिक अपने डेब्यू मैच में 18 रन बनाकर आउट हुए। बृजेश ने भी डेब्यू मैच में पहला विकेट लिया। राजस्थान के लिए 17 साल बाद आईपीएल खेलने उतरे रवींद्र जडेजा ने अपने पहले ही ओवर में 2 विकेट ले लिए। 8वें ओवर की दूसरी बाल जडेजा ने गुड लेंथ पर फेंकी। सरफराज खान स्वीप शाट खेलने गए, लेकिन गेंद उनके पैड्स से लग गई।

राजस्थान ने अपील की और अंपायर ने पगबाधा आउट दे दिया। सरफराज 17 रन बनाकर आउट हुए। शिवम दुबे बैटिंग करने उतरे, उन्होंने पहली ही गेंद पर छक्का लगा दिया। जडेजा ने आखिरी गेंद पर हिसाब बराबर किया और दुबे को लान्ग आफ पर कैच करा दिया। दुबे 6 रन ही बना सके। चेन्नई ने 7वें ओवर में फिफ्टी पूरी कर ली। डेब्यू कर रहे कार्तिक शर्मा ने रवि बिश्नोई के खिलाफ ओवर की आखिरी गेंद पर छक्का लगाया और टीम की हाफ सेंचुरी पूरी करा दी। सरफराज खान भी पिच पर मौजूद रहे। संदीप शर्मा ने पावरप्ले के आखिरी ओवर में विकेट लिया। चेन्नई ने पावरप्ले में चौथा विकेट भी गंवा दिया। ओवर की तीसरी बाल संदीप शर्मा ने स्लोअर फेंकी। मैट शार्ट बड़ा शाट खेलने गए, लेकिन शार्ट मिड-विकेट पोजिशन पर यशस्वी जायसवाल के हाथों कैच हो गए। शार्ट 2 रन ही बना सके। पावरप्ले में 3 विकेट गिरने के बाद सीएसके ने इम्पैक्ट प्लेयर नियम का इस्तेमाल कर लिया।

खेल विशेष

31-सदस्यीय सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग शिविर की घोषणा

नई दिल्ली, वार्ता। हॉकी इंडिया ने आगामी अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए सोमवार को एक से नौ अप्रैल तक चलने वाले 31 सदस्ईय सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग शिविर की घोषणा की है। टीम हाल ही में हैदराबाद, तेलंगाना में संपन्न हुए एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर्स में शानदार प्रदर्शन करने के बाद इस कैंप में हिस्सा ले रही है। इस टूर्नामेंट में टीम ने रजत पदक हासिल किया था और आगामी एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 (बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाला) के लिए सफलतापूर्वक क्वालिफाई कर लिया था। इस शिविर का मुख्य जोर टीम के तालमेल को बेहतर बनाने, खिलाड़ियों की फिटनेस के स्तर को ऊपर उठाने और खेल के रणनीतिक पहलुओं को और अधिक पैना करने पर रहेगा। यह सब नई कोच सजोर्ड मारिजने की देखरेख में टीम को एक ठोस आकार देने की प्रक्रिया का हिस्सा है। यह महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि भारत जून में एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप 2026 में हिस्सा लेने वाला है। इसके बाद अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड्स में एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 होगा, और फिर 19 सितम्बर से 4 अक्टूबर 2026 तक जापान में 2026 एशियाई खेलों का आयोजन किया जाएगा। गोलकीपिग यूनिट में सविता, माधुरी किडो, बंसरी सोलंकी और बिछू देवी खारीबाम शामिल हैं।

एएफसी अंडर 20 महिला एशियाई कप, भारत की 23 सदस्ईय टीम की घोषणा

नई दिल्ली, वार्ता। भारतीय अंडर 20 महिला टीम के मुख्य कोच जोआकिम एलेक्जेंडर्सन ने एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप थाईलैंड 2026 के लिए 'यंग टाइग्रेस' की 23 सदस्ईय टीम की घोषणा कर दी है। भारत ने 20 साल बाद इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई किया है। वह अपने अभियान की शुरुआत दो अप्रैल को थम्मासेट स्टेडियम में जापान के खिलाफ मैच से करेगा। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के साथ पांच अप्रैल, पाथुम थानी स्टेडियम में और चीनी ताइपे के खिलाफ (आठ अप्रैल पाथुम थानी स्टेडियम में मैच होगा। ग्रुप की शीर्ष दो टीमें और तीनों ग्रुप में से तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीमें क्वार्टरफाइनल में जगह बनाएंगी। इसके अलावा, क्वार्टर-फाइनल जीतने वाली चार टीमें फीफा अंडर 20 महिला विश्व कप पोलैंड 2026 के लिए क्वालिफाई करेंगी। भारतीय टीम 20 मार्च को बैंकॉक पहुंची थीं, और उन्हें वहां के स्थानीय माहौल में ढलने के लिए 13 दिन मिले। यात्रा करने वाले दल में 24 खिलाड़ी शामिल थे, जिसमें से अब डिफेंडर अल्का इंदवार को टीम से बाहर कर दिया गया है, क्योंकि एलेक्जेंडर्सन ने अंतिम टूर्नामेंट के लिए अपनी 23-खिलाड़ियों की टीम को अंतिम रूप दे दिया है।

पंजाब की नजर घरेलू मैदान में वापसी पर

IPL 2026: चौथा मैच आज, गुजरात का लक्ष्य सीजन की मजबूत शुरुआत

मुल्लनपुर, वार्ता। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सीजन के चौथे मैच में मुल्लनपुर, न्यू चंडीगढ़ के महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में गुजरात टाइटन्स (जीटी) के खिलाफ खेलेगी। पंजाब किंग्स जहां अपनी मजबूत बल्लेबाजी पर निर्भर है, वहीं गुजरात टाइटन्स संतुलन और संरचना पर ध्यान केंद्रित करती है, जहां व्यक्तिगत खिलाड़ी मैच का रुख बदल सकते हैं।

पंजाब किंग्स के लिए, अभियान एक स्पष्ट उद्देश्य के साथ शुरू होता है: घरेलू मैदान पर अपनी बादशाहत फिर से कायम करना। उनकी बल्लेबाजी इकाई, जो आक्रामक इरादे और गहराई के लिए बनाई गई है, इस महत्वाकांक्षा का केंद्र है। सबसे आगे कप्तान श्रेयस अय्यर हैं, जिनकी भूमिका केवल रन बनाने से कहीं अधिक है, उनसे उम्मीद की जाती है कि वे पारी को संभालें, दबाव झेलें, और मिली हुई शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलें, जो टीम के दबदबे के लिए एक मजबूत आधार तैयार करे। शीर्ष क्रम की जोड़ी, प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह, पारी की शुरुआत में ही आक्रामकता लाती है, जिसका लक्ष्य पावरप्ले का पूरा फायदा उठाना और विरोधी गेंदबाजों को परेशान करना होता है। मध्य क्रम में, नेहल वढेरा परिस्थितियों के अनुसार ढलने की क्षमता प्रदान करते हैं, जबकि मार्कस स्टोइनिस एक गतिशील ऑलराउंडर के रूप में टीम में शामिल होते हैं, जो कुछ ही ओवरों में मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं। यह मुख्य टीम सुनिश्चित करती है कि पंजाब की पारी में आक्रामक इरादे और लचीलापन, दोनों ही बने रहें। पंजाब की 'घरेलू मैदान पर वापसी' की कहानी को जो बात और भी मजबूत बनाती है, वह है उनके निचले मध्य क्रम की गहराई।

शशांक सिंह और अजमतुल्लाह ओमरजई में पारी को शानदार ढंग से समाप्त करने की क्षमता है, जिससे टीम बिना अपनी संरचना खोए, मैच के अंतिम क्षणों में तेजी से रन बना पाती है। ऐसी पिच पर, जिससे बल्लेबाजो को मदद मिलने की उम्मीद है, बल्लेबाजी की यह गहराई एक चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने या उसका पीछा करने में निर्णायक साबित हो सकती है। हालांकि, पंजाब के लिए सबसे बड़ी चुनौती गेंदबाजी में निरंतरता बनाए रखना है। अर्शदीप सिंह पावरप्ले और डेथ ओवरों में जिम्मेदारी के साथ गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगे, जिन्हें लॉकी फर्ग्यूसन की तेज गेंदबाजी का भरपूर समर्थन मिलेगा। युजवेंद्र चहल की अगुवाई में स्पिन गेंदबाजी विभाग मध्य ओवरों को नियंत्रित करने और विकेट लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इन दोनों टीमों का सामूहिक प्रदर्शन ही तय करेगा कि पंजाब अपनी बल्लेबाजी की ताकत को मैच में पूर्ण प्रभुत्व में बदल पाता है या नहीं। दूसरी ओर, गुजरात टाइटन्स कप्तान शुभमन गिल की अगुवाई में अधिक संयमित और व्यवस्थित रणनीति के साथ मैदान में उतरेगी।

गेंद से छेड़छाड़ मामले में फखर जमान पर लग सकता है प्रतिबंध

लाहौर, वार्ता। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2026 में गेंद से छेड़छाड़ मामले में पाकिस्तान के स्टार खिलाड़ी फखर जमान पर कम से कम एक मैच का प्रतिबंध लग सकता है।

फखर जमान ने रविवार को पीएसएल 2026 के मैच में लाहौर कलंदर्स की कराची किंग्स के हाथों चार विकेट की हार के दौरान गेंद से छेड़छा की यह घटना सामने आई थी।

यह घटना किंग्स के लक्ष्य का पीछा करने के दौरान आखिरी ओवर की शुरुआत में हुई। उस समय मैदानी अंपायर फैसल अफरीदी ने हारिस रऊफ से गेंद निरीक्षण के लिए ले ली थी, क्योंकि गेंद शाहीन शाह अफरीदी और फखर के बीच एक-दूसरे को पास की गई थी।

फैसल ने दूसरे ऑन-फील्ड अंपायर शरफुद्दौला के साथ लंबी चर्चा की और दोनों ने गेंद से छेड़छाड़ होने का संदेह जताते हुए उसे बदलकर दूसरी गेंद लाने का फैसला किया। किंग्स को पांच पेनल्टी रन दिए गए और उनके बैट्समैन-खुशदिल शाह और आजम खान-को दूसरी गेंद चुनने की इजाजत दी गई। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक बयान के अनुसार, कलंदर्स के इस खिलाड़ी पर लेवल-111 का अपराध करने का आरोप लगाया गया है।

ग्रीन के गेंदबाजी ना करने पर रहाणे ने कहा क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से पूछिए

मुम्बई, वार्ता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने कप्तान अजिक्य रहाणे ने कैमरुन ग्रीन के गेंदबाजी नहीं करने के सवाल पर कहा कि इस बारे में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) से पूछिए कि वह क्यों गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं।

ग्रीन ने टी-20 विश्व कप के बाद से ही गेंदबाजी नहीं की है। सोमवार को सीए ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि ग्रीन पीठ के निचले हिस्से की हल्की चोट से उबर रहे हैं और गेंदबाजी में वापसी की उनकी टाइमलाइन आईपीएल से पहले ही केकेआर को बता दी गई थी। सीए के प्रवक्ता ने कहा कि कैमरन के पीठ के निचले हिस्से में चोट है, जिसका ईलाज चल रहा है। उन्हें कुछ समय के लिए गेंदबाजी से दूर रहना होगा। वह इस समय भारत में धीरे-धीरे अपनी गेंदबाजी दबाव बढ़ा रहे हैं, ताकि करीब 10-12 दिनों में वापसी कर सकें। केकेआर को यह जानकारी दे दी गई है और वे इससे पूरी तरह वाकिफ हैं। उल्लेखनीय है कि ग्रीन ने सितम्बर 2024 से अक्तूबर 2025 तक 12 महीने तक प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में गेंदबाजी नहीं की थी,

क्योंकि उनकी पीठ में स्ट्रेस फैक्चर की सर्जरी हुई थी। कोलकाता नाइट राइडर्स ने ग्रीन को 25-20 करोड़ रुपये में खरीदा है। गेंदबाजी संयोजन के स्थिर न होने पर रहाणे ने कहा कि टीम अभी सही संतुलन तलाश रही है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है जब ग्रीन जल्द ही गेंदबाजी शुरू करेंगे, तो संयोजन थोड़ा अलग होगा। अभी हमें संतुलन देखना है और यह समझना है कि हमारे लिए कौन अच्छा गेंदबाजी कर सकता है। बल्लेबाजी में हमने अच्छा किया, लेकिन गेंद से सही संतुलन ढूंढना बहुत जरूरी है। उम्मीद है ग्रीन जल्द गेंदबाजी शुरू करेंगे, तब हम देख पाएंगे कि संयोजन सही बैठता है या नहीं। केकेआर की मुश्किलें कई मुख्य तेज गेंदबाजो की गैरमौजूदगी से और बढ़ गई हैं, जिससे टीम को कम अनुभव वाले खिलाड़ियों पर निर्भर रहना पड़ा है। रहाणे ने इसे चुनौती भरा दौर बताया,

लेकिन इसे टीम के अन्य खिलाड़ियों के लिए मौका भी कहा। एमआई के खिलाफ छह विकेट की हार में उन्होंने ब्लेसिग मुजरबानी, कार्तिक त्यागी और वैभव अरोड़ा को तेज गेंदबाज के तौर पर खिलाया, जबकि स्पिन की जिम्मेदारी वरुण चक्रवर्ती के साथ सुनील नारायण और अनुकूल रॉय ने संभाली। रहाणे ने कहा कि स्पिनर्स पर दबाव कम करने के लिए एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज होना जरूरी है, और सही संतुलन तभी बनेगा जब ग्रीन पूरी तरह योगदान दे पाएंगे।

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने वेस्टइंडीज को 90 रनों से हराया

बासटेयर, वार्ता। बेथ मूनी (65), फीबी लिचफील्ड (46) और जॉर्जिया वेयरहम (39 रन/तीन विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को 90 रन से शिकस्त दी। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली हैं। 270 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज के बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण के आगे अधिक देर तक नहीं टिक सके और उनकी पूरी टीम 46 ओवरों में 179 रन पर सिमट गई।

हेली मैथ्यूज ने सर्वाधिक 45 रनों की पारी खेली। किआना जोसेफ (29), स्टेफनी टेलर (18), शिनेल हेनरी (19) और करिश्मा रामहैक (14) रन बनाकर आउट हुई। ऐफी फ्लेचर ने 28 गेंदों में नाबाद 32 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए एश्ले गार्डनर और जॉर्जिया वेयरहम ने तीन-तीन विकेट लिए। तालिया मैग्रा को दो विकेट मिले। अलाना किंग ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इसे पहले ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने रविवार रात

खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवरों में सात विकेट पर 269 रन का स्कोर बनाया। जॉर्जिया वॉल और फीबी लिचफील्ड की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 64 रन जोड़े। 11वें ओवर में अश्मिनी मुनिसार ने जॉर्जिया वॉल (23) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसी ओवर की अगली गेंद पर उन्होंने एलिस पेरी (शून्य) का भी शिकार कर लिया। 14वें ओवर में हेली मैथ्यूज ने फीबी लिचफील्ड (46) को आउट किया। तालिया मैग्रा (24), जॉर्जिया वेयरहम (39) रन बनाए। बेथ मूनी ने सर्वाधिक 65 रनों की पारी खेली। निकोला कैरी (30) और अलाना किंग (26) रन बनाकर नाबाद रही। वेस्टइंडीज के लिए हेली मैथ्यूज ने तीन विकेट लिए।

तीरंदाज कोमालिका बारी दमदार प्रदर्शन को लेकर आश्वस्त

रायपुर, वार्ता। वर्ष 2021 में जब कोमालिका बारी ने अपने राज्य की साथी दीपिका कुमारी की बराबरी करते हुए विश्व कैडेट और विश्व जूनियर दोनों खिताब जीतने वाली भारत की दूसरी महिला रिकर्व तीरंदाज बनने का गौरव हासिल किया, तब से जमशेदपुर की इस खिलाड़ी से काफी सारी उम्मीदें जुड़ गई थीं। हालांकि, जूनियर स्तर पर शानदार प्रदर्शन के बाद सीनियर सर्किट में उनका सफर उतना आसान नहीं रहा।

कोमालिका एशियाई खेलों और 2028 ओलंपिक जैसे बड़े टूर्नामेंट्स के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन अभी तक वह पूरी तरह अपनी जगह पक्की नहीं कर पाई हैं। अब 2026 एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में चयन की दौड़ अंतिम चरण में पहुंच चुकी है, ऐसे में कोमालिका ने अपनी तैयारियों को और तेज कर दिया है।

पुणे में चल रहे प्रशिक्षण शिविर में वह अपनी तकनीक को निखारने के साथ-साथ मानसिक मजबूती और दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने पर भी खास ध्यान दे रही हैं। झारखंड की यह प्रतिभाशाली तीरंदाज यहां जारी पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में तीरंदाजी प्रतियोगिता की प्रमुख आकर्षण हैं। कोमालिका ने साई मीडिया से बातचीत में कहा कि मैं फिलहाल टॉप-16 में हूं और राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर का हिस्सा हूं। एशियाई खेलों के चयन को लेकर मैं गंभीरता से तैयारी कर रही हूं। साथ ही, मैं ज्यादा से ज्यादा प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अनुभव हासिल करना चाहती हूं, जबकि अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम को भी बनाए रख रही हूं। मेरा अंतिम लक्ष्य (2028) ओलंपिक है। इस समय मेरा प्रशिक्षण काफी अच्छा चल रहा है और मैं कड़ी मेहनत कर रही हूं। सबसे ज्यादा ध्यान मानसिक रूप से मजबूत रहने पर है, क्योंकि प्रदर्शन में इसकी बहुत बड़ी भूमिका होती है। मेरी यात्रा ने मुझे सिखाया है कि उतार-चढ़ाव आते रहेंगे, लेकिन कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से उन्हें पार कर आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि मैच अनुभव हासिल करने के अलावा वह अधिक से अधिक जनजातीय बच्चों को इस खेल को करियर के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करना चाहती हैं।

कोमालिका ने 12 साल की उम्र में पहली बार धनुष-बाण उठाया। उन्हें उनकी मां, जो एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हैं, का पूरा समर्थन मिला। उनकी मां ही उन्हें बिरसानगर में स्थानीय तीरंदाजी कोच के पास लेकर गईं, जहां से उनके करियर की शुरुआत हुई। साल 2012 में कोमालिका ने अपने शुरुआती संघर्षों का सामना करना शुरू किया। शुरुआती दिनों में उनके परिवार की आर्थिक स्थिति इतनी मजबूत नहीं थी कि वे अभ्यास के लिए धनुष खरीद सकें, इसलिए उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान बांस से बने अस्थाई धनुष का सहारा लिया। प्रशिक्षण शुरू करने के चार साल बाद कोमालिका ने जमशेदपुर स्थित टाटा आर्चरी अकादमी में प्रवेश लिया और कोच धर्मेंद्र तिवारी तथा पूर्णिमा महतो के मार्गदर्शन में अभ्यास शुरू किया। लेकिन देश की इस प्रतिष्ठित अकादमी तक पहुंचने का सफर आसान नहीं था, क्योंकि उन्हें अपने बिरसानगर स्थित घर से रोजाना 18 किलोमीटर साइकिल चलाकर वहां पहुंचना पड़ता था। वह कहती हैं, ष्जब मैंने तीरंदाजी शुरू की थी, तब मेरे कई सीनियर खिलाड़ी थे जिन्हें मैं रोल मॉडल मानती थी। हमें उन्हें आमतौर पर सिर्फ प्रतियोगिताओं के दौरान देखने का मौका मिलता था और इससे हमें काफी प्रेरणा मिलती थी। यही एक बड़ा कारण है कि मैं खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में हिस्सा ले रही हूं।

जिरी को हराकर यानिक सिनर ने जीता मियामी ओपन का खिताब

फ्लोरिडा/अमेरिका, वार्ता। यानिक सिनर ने जिरि लेहेका को 6- 4, 6- 4 से हराकर मियामी ओपन पुरूष एकल खिताब अपने नाम कर लिया है। इस जीत के साथ ही सिनर पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए है जिन्होंने 'सनशाइन डबल' पूरा किया। उन्होंने कैलिफोर्निया में इंडियन वेल्स और फ्लोरिडा के हार्ड कोर्ट पर बिना कोई सेट हारे दोनों ट्रॉफियां जीती हैं।

इटली के सिनर ने वर्षा बाधित मियामी फाइनल में चेक गणराज्य के 21वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी जिरी लेहेका पर सिनर की 6-4, 6-4 की शानदार जीत ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि वह और अल्काराज बाकी खिलाड़ियों से कितने आगे हैं। दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी सिनर ने अब मास्टर्स टूर्नामेंट में लगातार 34 सेट जीते हैं। इसके साथ ही वह नोवाक जोकोविच

और राफेल नडाल के साथ उन चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं,

जिन्होंने ग्रैंड स्लैम के बाद के स्तर के टूर्नामेंट में लगातार तीन खिताब जीते हैं। खिताब जीतने के बाद सिनर ने कहा कि यह मेरे लिए एक शानदार दौर रहा है और मैं इस मुकाम तक पहुंचने के लिए हमने जो मेहनत की है, उससे मैं बेहद खुश हूं। इंडियन वेल्स से पहले हमने अभ्यास के लिए कुछ अच्छे दिन बिताए थे। इस तरह के नतीजे देखकर मुझे बहुत खुशी होती है, और साथ ही जिस स्तर का खेल हम दिखाने की कोशिश कर रहे हैं और जिस तरह का खिलाड़ी हम बनने की कोशिश कर रहे हैं, उसे देखकर भी मुझे खुशी होती है।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

मंगलवार, 31 मार्च 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

ईसी के द्वार भाजपा

पांच राज्यों असम, तमिलनाडु, केरल, पुड्डुचेरी, पश्चिमी बंगाल में चुनाव होने जा रहे हैं। इनमें पुड्डुचेरी केंद्रशासित प्रदेश है। यहां यह कहना जरूरी है कि सबसे ज्यादा घमासान पश्चिमी बंगाल में देखने में आ रहा है। वहां भाजपा और वहां की सत्तारूढ़ पार्टी टीएमसी बेहद आक्रामक अंदाज में चुनाव प्रचार को हवा दे रहे हैं। प्रदेश की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चुनाव आयोग को सीधे निशाने पर ले रही हैं। वह यहां तक कह रही हैं कि भाजपा के साथ साठगांठ कर चुनाव आयोग किसी भी तरह से टीएमसी को हराने में लगा है। वह धमकी देती भी दिखाई देती हैं जिसमें कहती हैं कि सरकार टीएमसी की ही बन रही है। भाजपा भी टीएमसी पर जमकर बरस रही है और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर मतदाताओं को धमकाने का सीधे आरोप लगा रही है। अपनी बात को सिद्ध करने के लिए सोमवार को केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और किरेन रिजिजू के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल भी चुनाव आयोग से मिला है, जिसमें बाकायदा शिकायत दर्ज कराई गई है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लोगों के घरों में जाकर धमका रही हैं और उन्होंने प्रशासन और पुलिस की मदद से पूरे चुनाव को हाईजैक कर लिया। भाजपा नेताओं का यहां तक कहना है कि पिछले चुनाव में भी सत्ताधारी दल ने दबाव और दादागिरी से सत्ता हासिल की थी। भाजपा के नेता चाहते हैं कि चुनाव आयोग पश्चिमी बंगाल के प्रशासन और पुलिस तंत्र को अपने नियंत्रण में लेकर निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराए। बताया जाता है कि चुनाव आयोग ने भाजपा प्रति. निधिमंडल को आश्वासन दिया है कि निष्पक्ष व शांति से चुनाव कराने के लिए सभी कदम उठाए जाएंगे। जैसाकि हम जानते हैं कि यह चुनाव ऐसे समय में हो रहे हैं जब पूरे देश में एसआईआर कराया जा रहा है और बड़े पैमाने पर वोटों की छंटनी दिखाई देती है। पश्चिमी बंगाल भी इससे अछूता नहीं है। वहां भी लगभग 70 लाख मतदाता मतों से वंचित कर दिए गए हैं। ऐसा टीएमसी का आरोप है। जबकि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ऐसा नहीं मानते। उन्होंने कहा है कि बड़ी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ एसआईआर किया गया है। चुनाव आयोग के दावे कुछ भी हों, लेकिन एक बात साफ है कि तमाम विपक्षी दल एसआईआर को लेकर आश्वस्त नहीं दिखते और ममता बनर्जी तो एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर बेहद आक्रामक रही हैं और वह सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई हैं और खुद ही वकालत कर डाली। जाहिर है यह तमाम बातें बताने के लिए काफी हैं कि चुनाव आयोग के सामने इस समय साख का बड़ा संकट है और यदि उसको अपनी साख बचानी है, तो वह निष्पक्ष व पारदर्शी चुनाव कराकर ही बचाई जा सकती है। चुनाव आयोग को इन आरोपों से बचना होगा, जो उस पर भाजपा की निकटता को लेकर लगते रहे हैं।

नीतिगत सुधार किए जाने चाहिएं

देश के संस्थानों में बहुजन समाज की बड़े पदों पर हिस्सेदारी कम है और उनकी उचित भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आरक्षण से आगे बढ़कर नीतिगत सुधार किए जाने चाहिएं, उनसे मिलने जब भी किसी संस्थान या संगठन के लोग आते हैं, तो सबकी शिकायत यही रहती है कि उनके संस्थान में वरिष्ठ पदों पर कमजोर वर्ग के लोगों की हिस्सेदारी नहीं के बराबर है, हाल ही में जनसंसद में ग्रामीण बैंक के एससी- एसटी वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान भी यह बात सामने आई कि प्रोन्नति में रोस्टर नियम होने के बावजूद दलित और आदिवासी कर्मचारियों के साथ भेदभाव किया जाता है।

-राहुल गांधी, नेता विपक्ष, लोकसभा

अहिंसा का शाश्वत संदेश : क्यों आज भी प्रासंगिक हैं महावीर

योगेश कुमार गोयल

अहिंसा परमो धर्मः का उद्घोष करने वाले भगवान महावीर का जीवन और दर्शन केवल एक धार्मिक परंपरा तक सीमित नहीं है बल्कि यह सम्पूर्ण मानवता के लिए शाश्वत मार्गदर्शक सिद्धांतों का स्रोत है। आज का युग विज्ञान, तकनीक और भौतिक उपलब्धियों के शिखर पर अवश्य पहुंच गया है लेकिन इसके साथ ही मानवता नैतिक, मानसिक और पर्यावरणीय संकटों से भी जूझ रही है।

ऐसे समय में भगवान महावीर के उपदेश और अमृतवाणी पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठती है। आधुनिक जीवन की आपाधापी में मनुष्य अपने स्वार्थ, लोभ और अहंकार के वशीभूत होकर ऐसे निर्णय लेने लगा है, जो न केवल उसके अपने जीवन को प्रभावित करते हैं बल्कि समाज और प्रकृति के संतुलन को भी बिगाड़ देते हैं। हिंसा आज केवल शारीरिक रूप तक सीमित नहीं रही बल्कि विचारों, शब्दों और व्यवहार में भी व्याप्त हो चुकी है। प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड़ में व्यक्ति संवेदनहीन होता जा रहा है। ऐसे परिदृश्य में महावीर स्वामी का अहिंसा दर्शन मानवता को करुणा, सहिष्णुता और आत्मसंयम की ओर लौटने का आह्वान करता है।

भगवान महावीर का दर्शन इस मूल विचार पर आधारित है कि संसार का प्रत्येक जीव समान है और सभी में आत्मा का वास है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि किसी भी जीव को पीड़ा देना स्वयं अपने अस्तित्व को आहत करना है। आज जब पर्यावरण संकट, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के विनाश जैसी समस्याएं हमारे सामने खड़ी हैं, तब महावीर का यह सिद्धांत अत्यंत सार्थक प्रतीत होता है कि पेड़-पौधे, जल, वायु और अग्नि भी चेतन तत्व हैं और उनके प्रति भी संवेदनशीलता आवश्यक है। महावीर स्वामी ने केवल उपदेश ही नहीं दिए बल्कि अपने जीवन से यह सिद्ध किया कि संयम, तप और आत्मानुशासन के माध्यम से मनुष्य अपने भीतर की अशुद्धियों को दूर कर सकता है। उन्होंने कर्म के सिद्धांत को स्पष्ट करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने कर्मों के लिए स्वयं उत्तरदाई है। कर्म ही जीवन की दिशा निर्धारित करते हैं और उसी के अनुसार जीव विभिन्न योनियों में भ्रमण करता है। यह विचार आज के समय में व्यक्ति को अपने आचरण के प्रति सजग और जिम्मेदार बनने की प्रेरणा देता है। उनकी अमृतवाणी में जीवन के हर पहलू के लिए मार्गदर्शन निहित है। वे कहते हैं कि संसार के सभी प्राणी बराबर हैं, इसलिए 'जीओ और जीने दो' का सिद्धांत अपनाना चाहिए। यह केवल एक नैतिक उपदेश नहीं बल्कि सामाजिक सद्भाव और शांति का आधार है। यदि समाज में हर व्यक्ति इस सिद्धांत को आत्मसात कर ले तो हिंसा, द्वेष और संघर्ष स्वतः समाप्त हो सकते हैं। महावीर स्वामी ने यह भी कहा कि अहिंसा से बड़ा कोई व्रत नहीं है। आज जब युद्ध, आतंकवाद और सामाजिक हिंसा विश्व के विभिन्न हिस्सों में व्याप्त हैं, तब यह संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो व्यक्ति स्वयं हिंसा करता है, दूसरों से करवाता है या हिंसा का समर्थन करता है, वह अपने लिए शत्रुता और दुःख का बीज बोता है। यह विचार आधुनिक समाज में नैतिक जिम्मेदारी और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करता है।

उनका धर्म केवल कर्मकांड तक सीमित नहीं था बल्कि आंतरिक शुद्धता पर आधारित था। उन्होंने कहा कि धर्म का स्थान आत्मा की पवित्रता में है, बाहरी आडंबर उसमें सहायक तो हो सकते हैं परंतु अनिवार्य नहीं। यह विचार आज के समय में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जब धर्म का स्वरूप कई बार बाहरी प्रदर्शन तक सीमित हो जाता है। महावीर का संदेश हमें सच्चे धर्म की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है, जहां आत्मा की शुद्धता और आचरण की पवित्रता ही सर्वोपरि है। महावीर स्वामी ने मानव मन के चार प्रमुख दोषों (क्रोध, मान, माया और लोभ) को जीवन के पतन का कारण बताया। उन्होंने कहा कि क्रोध प्रेम को नष्ट करता है, अहंकार ज्ञान को, छल मित्रता को और लोभ सभी गुणों को समाप्त कर देता है। आज के तनावपूर्ण जीवन में यह शिक्षाएं अत्यंत उपयोगी हैं। यदि व्यक्ति इन दोषों पर नियंत्रण कर ले तो उसका जीवन संतुलित और सुखमय बन सकता है। उनकी वाणी में सामाजिक समानता का भी स्पष्ट संदेश मिलता है। उन्होंने कहा कि जन्म से नहीं बल्कि कर्म से व्यक्ति महान बनता है। यह विचार सामाजिक न्याय और समानता की भावना को मजबूत करता है।

आधुनिक लोकतांत्रिक मूल्यों के संदर्भ में भी यह सिद्धांत अत्यंत प्रासंगिक है। महावीर स्वामी ने सेवा को सर्वोच्च धर्म बताया। उन्होंने कहा कि रोगियों और पीड़ितों की सेवा करना प्रभु की सेवा से भी बढ़कर है। आज जब समाज में संवेदनहीनता बढ़ती जा रही है, तब यह संदेश मानवता को पुनः जागृत करने का कार्य करता है। कोरोना महामारी जैसे संकटों के दौरान हमने देखा कि सेवा और सहानुभूति ही समाज को संभालने का सबसे बड़ा आधार बनी। उनकी शिक्षाओं में स्त्री-पुरुष समानता का भी उल्लेख मिलता है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मुक्ति पाने का अधिकार सभी को समान रूप से है। यह विचार आज के समय में लैंगिक समानता के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। महावीर स्वामी का दर्शन हमें यह भी सिखाता है कि धैर्य और सहनशीलता के बिना अहिंसा का पालन संभव नहीं है। जो व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों में अपना धैर्य खो देता है, वह सच्चे अर्थों में अहिंसक नहीं हो सकता। यह शिक्षा आज के तनावपूर्ण और प्रतिस्पर्धात्मक जीवन में मानसिक संतुलन बनाए रखने की प्रेरणा देती है। उनकी अमृतवाणी का सार यह है कि मन, वचन और कर्म से किसी भी प्राणी को कष्ट न पहुंचाया जाए। यही सच्चा धर्म है और यही जीवन की सर्वोच्च साधना है। उन्होंने यह भी कहा कि आत्मा अमर है, शरीर नश्वर है और जीवन का अंतिम लक्ष्य आत्मा की मुक्ति है। यह विचार व्यक्ति को आध्यात्मिक दृष्टि प्रदान करता है और जीवन के वास्तविक उद्देश्य को समझने में सहायता करता है। आज के समय में, जब मानवता अनेक चुनौतियों से जूझ रही है, चाहे वह नैतिक पतन हो, पर्यावरणीय संकट हो या मानसिक अशांति, भगवान महावीर की शिक्षाएं एक प्रकाश स्तंभ की तरह मार्गदर्शन करती हैं। उनका दर्शन न केवल व्यक्तिगत जीवन को सुधारने का मार्ग दिखाता है बल्कि समाज और विश्व में शांति, सद्भाव और संतुलन स्थापित करने की प्रेरणा भी देता है। महावीर जयंती केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं बल्कि आत्ममंथन और आत्मसुधार का अवसर है।

यह हमें अपने भीतर झांकने और यह विचार करने का अवसर देती है कि क्या हम वास्तव में अहिंसा, सत्य, संयम और करुणा के मार्ग पर चल रहे हैं। यदि हम भगवान महावीर के सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाएं तो न केवल हमारा व्यक्तिगत जीवन सार्थक होगा बल्कि समाज और विश्व भी अधिक शांतिपूर्ण और मानवीय बन सकेगा। अतः यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भगवान महावीर की अमृतवाणी सदैव प्रासंगिक रहेगी। यह मानवता के लिए एक ऐसी अमूल्य धरोहर है, जो समय, परिस्थिति और युग की सीमाओं से परे जाकर हर युग में मार्गदर्शन करती रहेगी।

गाजर के डंठल-छिलकों से खाद्य सामग्री का निर्माण

पौधों के विपरीत, कवक प्रकाश संश्लेषण नहीं करते। उनमें जड़ें भी नहीं होतीं कि जिनकी मदद से वे बढ़ सकें। बल्कि कवक तो बाहरी स्रोतों से अपना भोजन-पोषण प्राप्त करते हैं और तो और, जंतुओं से उलट, कवक पाचन के पहले भोजन ग्रहण नहीं करते, बल्कि वे जैविक चीजों को तोड़ने पचाने के लिए अपने आसपास शक्तिशाली एंजाइम छोड़ते हैं और फिर मायसेलिया की मदद से अपने आसपास मौजूद पोषण अवशोषित करते हैं।

जैसे-जैसे दुनिया की आबादी बढ़ रही है, ज्यादा दिन चलने वाले और पौष्टिक खाद्य की जरूरत भी बढ़ रही है। इस सम्बंध में, 2024 में लुबिस एवं साथियों द्वारा संपादित पुस्तक बायोमास कन्वर्जन एंड सस्टेनेबल बायोरिफाइनरी पठनीय है। यह किताब जैविक पदार्थ बायोमास अपशिष्ट का अन्य रूप में उपयोगी इस्तेमाल और बायोरिफाइनरी इस्तेमाल में हुई हालिया तरक्की पर प्रकाश डालती है, और प्रबंधित पुनर्उपयोग से जैविक अपशिष्ट और उप-उत्पादों को कम करने के तरीकों पर चर्चा करती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि जैसे-जैसे आबादी बढ़ रही है, जैविक कचरे को खाद्य उत्पादों में तब्दील करने के तरीके खोजना आवश्यक होता जा रहा है।

हमारे भोजन में कई तरह की सब्जियां, अंडे और मांस शामिल होते हैं। इनको पकाने के लिए काटते या साफ करते समय हम इनका अखाद्य हिस्सा छीलकर या छांटकर अलग करते हैं और कचरे की तरह फेंक देते हैं। गाजर के साथ भी हम यही करते हैं, इसका छिलका, ऊपरी नोंक और डंठल तरफ का हिस्सा हम छील-काटकर अलग कर देते हैं। गाजर के कुछ हिस्सों से हम मिठाई भी बनाते हैं और बाकी हिस्सा खाने लायक न होने के कारण फेंक देते हैं, जो बर्बाद ही जाता है। उपरोक्त पुस्तक में गगन जे। कौर और साथियों का आलेख इस मुद्दे पर विस्तार से बात करता हैय शीर्षक है 'असेसमेंट ऑफ कैरट रिजेक्ट्स एंड वेस्ट्स फॉर फूड प्रोडक्ट एंड एज ए बायोफ्यूल'। इसी संदर्भ में, दिसंबर 2025 में जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल एंड फूड केमिस्ट्री में जर्मनी की गीसेन यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट ऑफ फूड केमिस्ट्री के मार्टिन गैंड के नेतृत्व में एक अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक दल का शोध पत्र छपा था। यह अध्ययन गाजर के कचरे से कवक पनपाने की बात करता है। कवकों फफूंद के पोषण प्राप्त करने के तरीके पौधों और जंतुओं से सर्वथा अलग हैं।

पौधों के विपरीत, कवक प्रकाश संश्लेषण नहीं करते। उनमें जड़ें भी नहीं होतीं कि जिनकी मदद से वे बढ़ सकें। बल्कि कवक तो बाहरी स्रोतों से अपना भोजन-पोषण प्राप्त करते हैं। और तो और, जंतुओं से उलट, कवक पाचन के पहले भोजन ग्रहण नहीं करते, बल्कि वे जैविक चीजों को तोड़ने पचाने के लिए अपने आसपास शक्तिशाली एंजाइम छोड़ते हैं और फिर मायसेलिया की मदद से अपने आसपास मौजूद पोषण अवशोषित करते हैं। बताते चलें कि मायसेलिया कवक में जड़ जैसी संरचना होती है जो तंतुनुमा जाल बनाती है। पोषण हासिल करने का अनोखा तरीका उन्हें विभिन्न पर्यावरणों में पनपने के काबिल बनाता है और उनकी पारिस्थितिक भूमिकाओं को मजबूत करता है। कवक में लगभग हर जैविक चीज को अपघटित करने की जबरदस्त क्षमता भी होती है, जिसमें वह खाद्य कचरा भी शामिल है जिसे हम पचा नहीं पाते। कवक का एक आम उदाहरण मशरूम है, जिसका इस्तेमाल शोरबा, तरी, पास्ता और पिज्जा बनाने में किया जाता है।

यह पूरी तरह से शाकाहारी खाद्य है और इसमें विटामिन तथा एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। मशरूम ऐसे कवक हैं जो उपलब्ध बाहरी पोषक तत्वों का इस्तेमाल करके पनपते हैं, जिनमें खाद्य कचरा भी शामिल है। हमारे आहार में भी मशरूम शामिल हो सकते हैं। दिसंबर 2025 में एक शोध समूह ने विभिन्न देशों के 100 से ज्यादा तरह के मशरूम का परीक्षण किया और पाया कि वे गैर-खाद्य कचरे को उपयोगी बनाने में काफी असरदार हैं। शोधकर्ताओं ने गाजर के कचरे पर अध्ययन केंद्रित किया, और देखा कि कवक उन्हें कैसे पचाते हैं और उससे खाने लायक चीजें बनाते हैं। उदाहरण के लिए, टीम ने गाजर के छिलके वगैरह पर पनपाए गुलाबी ओइस्टर मशरूम के मायसेलिया से वीगन पैटीज बनाई। ए वीगन पैटीज कुछ व्यंजनों में सोया की जगह इस्तेमाल की जा सकती हैं। हममें से कई लोग अपने भोजन में कई तरह से गाजर खाते हैंय जैसे सब्जी बनाकर, सलाद में या गाजर का हलवा वगैरह बनाकर। लेकिन रसोइए और आहारविद सलाह देंगे कि हमें इन व्यंजनों में मशरूम का ज्यादा इस्तेमाल करना चाहिए क्योंकि ए सेहत के लिए फायदेमंद हैं। कवक की मदद से खाद्य कचरे को प्रोटीन और विटामिन युक्त खाद्य में बदलकर भविष्य में शायद खाद्य सुरक्षा हासिल की जा सकती है।

स्रोत फीचर्स
डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन

शाहजहांपुर में क्यों हुआ शहीदों का अपमान?

रोहित कौशिक

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में शहीदों की प्रतिमाओं को ध्वस्त कर डंपिंग ग्राउंड में फेंक दिया गया। जब इस मुद्दे पर हंगामा हुआ तो प्रशासन ने पुनः इन प्रतिमाओं को स्थापित करा दिया। शहीदों के इस अपमान से कई सवाल खड़े हो गए है। क्या इस देश में देश पर मर-मिटने वाले क्रान्तिकारियों के साथ न्याय हो पाया है ? क्या इस देश ने आजादी की लड़ाई लड़ने वाले क्रान्तिकारियों को वह सम्मान दिया है, जिसके वे हकदार थे? एक तरफ सरकारें क्रांतिकारियों का नाम जपती रहीं तो दूसरी तरफ जनता क्रान्तिकारियों के गीत गाती रही लेकिन न ही सरकारों ने और न ही जनता ने क्रान्तिकारियों के जज्बे के साथ न्याय किया। एक तरफ क्रान्तिकारियों के लिए भाषणों में बड़ी-बड़ी बातें की जाती रहीं तो दूसरी क्रान्तिकारियों को याद करना सिर्फ औपचारिकता रह गई। सरकारें राष्ट्रभक्ति, देशभक्ति और देशद्रोह का पाठ पढ़ाती रहीं लेकिन स्वयं ही देशभक्त क्रान्तिकारियों का अपमान करती रहीं। राष्ट्रभक्ति का नारा लगाने वाली सरकार में आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले क्रान्तिकारियों का सम्मान तार-तार कर दिया गया। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के शहादत दिवस यानी 23 मार्च की रात्रि में उत्तर प्रदेश सरकार ने क्रान्तिकारियों का ऐसा अपमान किया कि एक सच्चे देशभक्त का खून खौल जाए। लेकिन जब इस दौर में देशभक्ति भी नकली हो और खून पानी हो तो सत्ता के सामने देशभक्तों की आवाज कैसे निकल सकती है ? इस दौर में जबकि देशभक्ति का अर्थ मुसलमानों को गाली देना ही रह गया हो, सच्ची देशभक्ति की भावना कहां दिखाई देती है ? शहाजहांपुर में भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के शहादत दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार ने शहाजहांपुर के तीन क्रान्तिकारियों को फांसी दे दी। उत्तर प्रदेश सरकार के बुलडोजर ने शहाजहांपुर में शहा. जहांपुर के तीन क्रान्तिकारियों रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खां और ठाकुर रोशन सिंह की प्रतिमाओं को मलबे में तब्दील कर दिया। बेशर्मी देखिए कि रात के अंधेरे में ध्वस्त किए गए इन अवशेषों को शहर के बाहर डंपिंग ग्राउंड में फेंक दिया गया। जब मैंने इस मुद्दे पर क्रान्तिकारियों पर प्रामाणित लेखने करने वाले प्रख्यात लेखक सुधीर विद्यार्थी से बात की तो उन्होंने बहुत ही दुखी मन से कहा कि काकोरी शहीदों को उनके शहर में फिर मृत्युदंड दे दिया गया। सुधीर विद्यार्थी भी मूल रूप से शहाजहांपुर के रहने वाले ही है। उन्होंने बताया जब शहाजहांपुर में ए प्रतिमाए लगी थी तो मैं छात्र था और मेरे सामने ही ये प्रतिमाएं लगी थीं। 9 अगस्त 1925 को हुए काकोरी ट्रेन कांड में शहा. जहांपुर के सुप्रसिद्ध क्रान्तिकारी रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खां और ठाकुर रोशन सिंह को 19 दिसम्बर। 1927 को उत्तर प्रदेश के विभिन्न जेलों में फांसी पर लटकाया गया था। कितना शर्मनाक है उत्तर प्रदेश सरकार ने इन क्रान्तिकारियों को एक बार फिर न केवल फांसी पर लटकाया बल्कि इनके अंगों को भी काट कर मलबे को फेंक दिया गया। सवाल यह है शासन और प्रशासन ने इन क्रान्तिकारियों की प्रतिमाओं पर रात को ही क्यों बुलडोजर चलाया गया? दिन में इन्हें क्यों ध्वस्त नहीं किया गया ? स्पष्ट है कि इस मुद्दे पर शासन और प्रशासन ने छिप कर खेल खेला। बाद इस मुद्दे पर लीपापोती कर कार्रवाई की बात की गई। सवाल यह है कि कार्रवाई किस पर होगी ? क्या उत्तर प्रदेश में सरकार की हरी झंडी के बिना कुछ हो सकता है ? प्रतिमाओं के ध्वस्त होने के बाद जब हंगामा बढ़ा तो कहा जा गया कि नई प्रतिमाए लगाई जाएंगी। सवाल यह है कि नई प्रतिमाएं लगाने की जरूरत ही क्या थी ? प्रख्यात लेखक सुधीर विद्यार्थी का कहना कि इन प्रतिमाओं का कलात्मक पक्ष भी बहुत मजबूत था। तो फिर इन प्रतिमाओं को ध्वस्त करने की क्या जरूरत थी? अगर ये प्रतिमाए ध्वस्त करनी ही थीं तो इन्हें सम्मान के साथ ध्वस्त क्यों नहीं किया गया? क्यों इन प्रतिमाओं के ध्वस्त अवशेषों को शहर के बाहर डंपिंग ग्राउन्ड में फेंक दिया गया ?

> जब मैंने इस मुद्दे पर क्रान्तिकारियों पर प्रामाणित लेखने करने वाले प्रख्यात लेखक सुधीर विद्यार्थी से बात की तो उन्होंने बहुत ही दुखी मन से कहा कि काकोरी शहीदों को उनके शहर में फिर मृत्युदंड दे दिया गया। सुधीर विद्यार्थी भी मूल रूप से शहाजहांपुर के रहने वाले ही है। उन्होंने बताया जब शहाजहांपुर में ए प्रतिमाए लगी थी तो मैं छात्र था और मेरे सामने ही ये प्रतिमाएं लगी थीं। 9 अगस्त 1925 को हुए काकोरी ट्रेन कांड में शहाजहांपुर के सुप्रसिद्ध क्रान्तिकारी रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खां और ठाकुर रोशन सिंह को 19 दिसम्बर। 1927 को उत्तर प्रदेश के विभिन्न जेलों में फांसी पर लटकाया गया था। क्या सौंदईकरण के नाम पर शहीदों का इस तरह अपमान किया जाएगा ? इस दौर में सौंदईकरण के नाम अनेक शहरों के पुराने और ऐतिहासिक महत्व के भवनों और मंदिरों को ध्वस्त किया जा रहा है। वाराणसी में सौंदईकरण के नाम पर अनेक मंदिरों को तोड़ दिया गया। निश्चित रूप से सौंदईकरण होना चाहिए लेकिन सरकारों को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि विकास की प्रक्रिया में देश के लिए मर मिटने वालो शहीदों की प्रतिमाओं और ऐतिहासिक इमारतों को भी संरक्षित किया जाए। विकास के नाम अपने अतीत को भूलना ठीक नहीं है। इस दौर में नई पीढ़ी सोशल मीडिया की गिरफ्त में है। नई पीढ़ी को सोशल मीडिया की गिरफ्त से बाहर निकालने और अपने इतिहास की भूली कड़ियों की याद दिलाने के लिए ऐतिहासिक महत्व की चीजें काफी मददगार हो सकती हैं। लेकिन इस दौर में इतिहास की चिंता सिर्फ राजनीति के लिए की जा रही है। जरूरत इस बात की है आज इतिहास की चिंता नई पीढ़ी में सच्ची देशभक्ति पैदा करने के लिए होनी चाहिए। सिर्फ नारे लगाकर देशभक्ति नहीं की जा सकती। सच्ची देशभक्ति के लिए जरूरी है कि नई पीढ़ी आजादी की लड़ाई लड़ने वाले क्रान्तिकारियों की सच्ची विरासत को समझे। विकास की इस प्रक्रिया में क्रान्तिकारियों की सच्ची विरासत को भुलाने की को. शिश की जा रही है। विडम्बना यह है कि शहीदों को यह अपमान राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रभक्त जैसे शब्दो का रोज इस्तेमाल करने वाली सरकार में किया जा रहा है। हमारे देश में बहुत पहले से ही क्रान्तिकारियों को वह सम्मान नहीं मिल पाया जिसके वे हकदार थे लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार में तो हद ही हो गई। अब तो खुले आम क्रान्तिकारियों को जमीन में गाड़ दिया गया। हालांकि इस मुद्दे पर हंगामा बढ़ने के बाद इन प्रतिमाओं को पुनः स्थापित कर दिया गया है, लेकिन शहाजहांपुर में शहीदों का अपमान क्यों हुआ? यह सवाल तो अपनी जगह बना ही रहेगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संक्षिप्त समाचार

अफगान-पाक में फिर संघर्ष, एक की मौत, 12 घायल

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान की सरकार ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तान की सेना ने रविवार को देश के कुनार प्रांत के असदाबाद शहर के बाहरी इलाकों पर गोलाबारी की, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 12 से ज्यादा लोग घायल हो गए। दोनों देशों के बीच फरवरी से टकराव बढ़ा हुआ है। इसे पिछले कई दशकों में अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सबसे गंभीर टकराव माना जा रहा है। पाकिस्तान का आरोप है कि अफगानिस्तान अपनी जमीन पर आतंकवादियों को पनाह दे रहा है, जो पाकिस्तान के अंदर हमले करते हैं।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्रियों के खिलाफ धन शोधन की जांच तेज

नई दिल्ली। नेपाल के धन शोधन जांच विभाग के अधिकारियों ने तीन पूर्व प्रधानमंत्रियों और दो पूर्व मंत्रियों से जुड़े धन शोधन के मामले की जांच तेज कर दी है। 'द काठमांडू पोस्ट' की एक रिपोर्ट के अनुसार यह कार्रवाई प्रारंभिक पूछताछ में उनके वित्तीय रिकॉर्ड और संपत्तियों में विसंगतियां पाए जाने के बाद की गई है। डीएमएलआई ने नेपाल पुलिस के केंद्रीय जांच ब्यूरो के सहयोग से पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा, केपी शर्मा ओली और पुष्प कमल दहल के साथ-साथ पूर्व मंत्री आरजू राणा देउबा और दीपक खड़का के खिलाफ विस्तृत जांच शुरू की है।

सोशल मीडिया के दबाव में मत आइए, खुद को अपनाइए: कुब्रा सैत

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री कुब्रा सैत ने हाल ही में सोशल मीडिया पर दिखने वाले परफेक्ट बॉडी स्टैंडर्ड्स पर अपनी बात रखते हुए बताया है कि किस तरह से सोशल मीडिया का दखल व्यक्तिगत जीवन में बढ़ गया है। कुब्रा ने लोगों को सलाह भी दी है कि इन चीजों के लिए सोशल मीडिया को दोष देने के बजाय खुद के अंदर झांकना चाहिए। कुब्रा सैत ने कहा कि असली समस्या सोशल मीडिया नहीं, बल्कि हमारी अपनी असुरक्षाएं हैं।

मुंबई। आपूर्ति वितरण के दौरान खाली एलपीजी गैस सिलेंडरों के साथ भरे हुए सिलेंडर प्राप्त करने के लिए कतार में इंतजार करते लोग।

इजरायली सेना का तेहरान में सैन्य ठिकानों पर नए हमलों का दावा

यरूशलेम। इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा है कि वह तेहरान पर लक्ष्य साधकर उसके सैन्य ठिकानों पर नए हमले कर रहा है।आईडीएफ ने टेलीग्राम पर कहा, ष्इजरायली रक्षा बल वर्तमान में पूरे तेहरान ईरानी आतंकी शासन के बुनियादी सैन्य ढांचों पर हमले कर रहा है। गौरतलब है कि अमेरिका-इजरायल ने 28 फरवरी को तेहरान सहित ईरान में कई ठिकानों पर हमले किए थे, जिससे भारी क्षति हुई और नागरिक हताहत हुए। इसके बाद ईरान ने इजरायली क्षेत्र के साथ-साथ पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमले किए।

अमेरिका-ईरान के बीच वार्ता की मध्यस्थता को पाक तैयार: डार

इशाक डार की इसको लेकर मिस्र, सऊदी अरब और तुर्की के शीर्ष राजनयिकों के साथ बातचीत हुई है

इस्लामाबाद। पाकिस्तान जल्द ही ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता वार्ता की मेजबानी करने के लिए तैयार है। विदेश मंत्री एवं उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने रविवार को इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि इसको लेकर मिस्र, सऊदी अरब और तुर्की के शीर्ष राजनयिकों के साथ बातचीत हुई है।

ये बातचीत ऐसे समय में हुई जब ईरान ने अमेरिका को जमीनी हमला करने के खिलाफ चेतावनी दी थी और अमेरिका- इजरायल और ईरान के बीच जारी जंग के चलते वैश्विक तेल की कीमतें बढ़ गई हैं। डार ने हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया कि बातचीत सीधी होगी या परोक्ष, या यह कब और कहां होगी लेकिन उन्होंने कहा कि यह आने वाले दिनों में होगी। पाकिस्तानी विदेश मंत्री के दावों के बाद अमेरिका या ईरान,

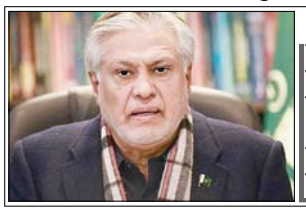

■ पाकिस्तानी विदेश मंत्री के दावों के बाद अमेरिका या ईरान, किसी ने भी तत्काल कोई टिप्पणी जारी नहीं की

किसी ने भी तत्काल कोई टिप्पणी जारी नहीं की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान बहुत खुश है कि ईरान और अमेरिका दोनों ने बातचीत में पाकिस्तान की मध्यस्थता पर अपना भरोसा जताया है, जो आने वाले दिनों में होगी। राजनयिकों से मुलाकात के बाद डार ने दावा किया कि उन्होंने मध्यस्थता के लिए पाकिस्तान के प्रयासों का सक्रिय रूप से समर्थन किया है और पाकिस्तान से अपील की है कि वह शामिल पक्षों के बीच व्यवस्थित बातचीत के लिए माहौल तैयार करे। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, डार ने बढ़ते तनाव के बीच शांति तक पहुंचने के एकमात्र व्यावहारिक रास्ते के रूप में कूटनीति की वकालत की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इस संघर्ष को समाप्त करने के सभी प्रयासों और पहलों में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। उन्होंने कहा कि हम स्थिति को शांत करने और संघर्ष का समाधान खोजने के अपने प्रयासों में अमेरिकी नेतृत्व के साथ भी सक्रिय रूप से जुड़े रहे हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि मंत्री चतुष्पक्षीय बैठक समाप्त होने के बाद पाकिस्तान से रवाना हो गए हैं। डार ने बताया कि इस बैठक के बाद प्रत्येक मंत्री के साथ अलग-अलग बहुत ही सार्थक द्विपक्षीय बैठकें भी हुईं। एक प्रमुख मध्यस्थ के रूप में उभरते हुए, पाकिस्तान उन चुनिंदा देशों में से एक है जिनके अमेरिका और ईरान दोनों के साथ कूटनीतिक रूप से अच्छे संबंध हैं। पाकिस्तान के अधिकारियों का कहना है कि उनके ये सार्वजनिक प्रयास हफ्तों की खामोश कूटनीति के बाद सामने आए हैं, हालांकि अब तक न तो ईरान और न ही अमेरिका ने बातचीत करने में बहुत ज्यादा इच्छा दिखाई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अब तक कूटनीति और बातचीत करने के प्रयासों को लेकर अमेरिका की गंभीरता के बारे में मिले-जुले संकेत दिए हैं।

जल्द समझौता नहीं हुआ, तो तबाह कर देंगे खर्ग द्वीप

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ईरान को चेतावनी, ईरान के खिलाफ जमीनी कार्रवाई करने का दे सकते है आदेश

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को कहा कि उनका देश ईरान में अपने सैन्य अभियानों को समाप्त करने के लिए एक और अधिक समझदार शासन के साथ गंभीरता से बात. चीत कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में काफी प्रगति हुई है, लेकिन अगर किसी भी वजह जल्द ही कोई समझौता नहीं हो पाता है (जिसकी बहुत अधिक संभावना है) और अगर होर्मुजलडमरूमध्य व्यापार के लिए नहीं खुलता है, तो हम उनके सभी बिजली उत्पादन संयंत्रों, तेल कुओं और खर्ग द्वीप को पूरी तरह तबाह कर देंगे, जिन्हें हमने जानबूझकर अभी तक छुआ नहीं है।

उन्होंने लिखा, यह उन असंख्य सैनिकों और अन्य लोगों का बदला होगा, जिन्हें ईरान ने पिछले शासन के 47 वर्षों के आतंक के दौरान बेरहमी से मार डाला था। इस मामले पर ध्यान देने के धन्यवाद। अमे. रिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ईरान के खिलाफ जमीनी कार्रवाई करने का आदेश दे सकते हैं। अमेरिकी अखबार द वाल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प ईरान के पास मौजूद यूरेनियम को अपने कब्जे में लेना चाहते हैं। इस बीच, अमेरिका मिडिल ईस्ट में करीब 10000 अतिरिक्त सैनिक भेजने की योजना बना रहा है। इनमें से 3500 से ज्यादा सैनिक पहले ही वहां पहुंच चुके हैं। 3500 से ज्यादा अमेरिकी सैनिक 28 मार्च को मिडिल ईस्ट पहुंचे। इसमें से 2500 मरीन सैनिक थे। यूरेनियम एक ऐसा पदार्थ है, जिससे परमाणु ऊर्जा भी बनाई जा सकती है और परमाणु बम भी। फर्क सिर्फ इस बात से पड़ता है कि उसे कितना एनरिच यानि कि शुद्ध किया गया है। प्राकृतिक यूरेनियम में काम का हिस्सा बहुत कम होता है, इसलिए उसे मशीनों (सेंट्रीफ्यूज) के जरिए धीरे-धीरे शुद्ध किया जाता है। इसी प्रक्रिया को 'यूरेनियम एनरिचमेंट' कहते हैं। माना जा रहा है कि ईरान का बड़ा परमाणु भंडार उन पहाड़ी ठिकानों के मलबे के नीचे दबा है, जिन्हें अमेरिका ने बमबारी में निशाना बनाया था। आईएईए प्रमुख राफेल ग्रोसी के मुताबिक, यह यूरेनियम इस्फहान की अंडरग्राउंड टनल और नतांज जैसे ठिकानों पर हो सकता है।

ट्रम्प ने पहले दावा किया था कि हमलों में ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह तबाह हो गया, लेकिन अब माना जा रहा है कि काफी यूरेनियम नष्ट नहीं हुआ, बल्कि मलबे के नीचे दब गया है। ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि ज्यादातर यूरेनियम मलबे के नीचे दबा है और अभी उसे निकालने का कोई प्लान नहीं है। साथ ही, ईरान के पास अभी भी ऐसी मशीनें हैं, जिनसे वह यूरेनियम को और शुद्ध बना सकता है और नए गुप्त ठिकाने भी बना सकता है। ईरान के विदेश मंत्री ने भी कहा था कि लगभग सारा 60 प्रतिशत समृद्ध यूरेनियम मलबे के नीचे दबा हुआ है और अभी उसे निकालने की कोई योजना नहीं है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ईरान के पास अभी भी यूरेनियम को और समृद्ध करने के लिए सेंट्रीफ्यूज मशीनें हैं और वह नए अंडरग्राउंड ठिकाने भी बना सकता है। ट्रम्प और उनके कुछ सहयोगियों का मानना है कि एक सीमित और टारगेटेड आपरेशन के जरिए इस परमाणु सामग्री को कब्जे में लिया जा सकता है, जिससे युद्ध लंबा नहीं खिंचेगा और अप्रैल के मध्य तक इसे खत्म किया जा सकता है। ट्रम्प खुद भी लंबे युद्ध से बचना चाहते हैं, क्योंकि उनके कुछ सहयोगी चाहते हैं कि वे ध्यान घरेलू मुद्दों और आने वाले चुनावों पर दें, जहां रिपब्लिकन पार्टी को नुकसान का खतरा बताया जा रहा है। एक्सपर्ट ट्रम्प के यूरेनियम हासिल करने के लिए जमीनी आपरेशन शुरू करने की योजना को मुश्किल और खतरनाक मानते हैं। उनका कहना है कि इसके लिए बड़ी संख्या में अमेरिकी सैनिकों को ईरान के अंदर भेजना पड़ेगा।

■ ट्रम्प ईरान के पास मौजूद यूरेनियम को अपने कब्जे में लेना चाहते हैं
■ अमेरिका मिडिल ईस्ट में करीब 10000 अतिरिक्त सैनिक भेजने की योजना बना रहा है
■ 3500 से ज्यादा अमेरिकी सैनिक 28 मार्च को मिडिल ईस्ट पहुंचे

ईरान के कई महत्वपूर्ण ठिकानों को किया गया नष्ट: ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को दावा किया कि अमे. रिकी सेना ने ईरान के कई महत्वपूर्ण ठिकानों को 'खत्म या फिर पूरी तरह से नष्ट' कर दिया है। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर कहा कि ईरान में बड़ा दिन। हमारी महान सेना ने कई लंबे समय से वांछित लक्ष्यों को खत्म और नष्ट कर दिया गया है। हालांकि, उन्होंने न तो विस्तार से जानकारी दी और न ही लक्ष्यों की पहचान की। एक संबंधित घटनाक्रम में, लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) ने सोमवार को घोषणा की कि 29-30 मार्च की रात को अदचित अल कुसैर में एक गोला फटने से संयुक्त राष्ट्र का एक शांति रक्षक मारा गया और दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। यूएनआईएफआईएल ने शांति रक्षक की राष्ट्रीयता का उल्लेख नहीं किया। इसने यह भी नहीं बताया कि गोला किसने दागा था। एजेंसी ने कहा कि हमें गोले के स्रोत का पता नहीं है। हमने सभी परिस्थितियों का निर्धारण करने के लिए जांच शुरू कर दी है।

ईरान के साथ प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष बातचीत कर रहे हैं: ट्रम्प

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि हम ईरान के साथ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह से बातचीत कर रहे है। उन्होंने अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत का जक्रि करते हुए पत्रकारों से कहा कि हम उनके साथ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह से बातचीत कर रहे हैं। ट्रम्प ने आगे कहा कि बैठक के दौरान दोनों पक्ष बहुत जरूरी मुद्दों पर चर्चा कर रहे थे। उन्होंने दावा किया कि ईरान अमेरिका के शांति समझौते की ज्यादातर शर्तों सहमत हो गया है, लेकिन हम इससे ज्यादा चाहते है। गौरतलब है कि गत 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमला करना शुरू कर दिया। ईरान इजरायली इलाके के साथ-साथ पश्चिम एशिया में अमेरिका के सैन्य ठिकानों पर भी जवाबी हमले कर रहा है।

भारतीय राजदूत ने कुवैती अधिकारियों से की मुलाकात

कुवैत सिटी। कुवैत की भारतीय राजदूत परिमिता त्रिपाठी ने सोमवार को कुवैत के केंद्रीय शवगृह का दौरा किया। जल शोधन इकाई पर हुए हमले में जान गंवाने वाले एक भारतीय नागरिक का यहां पार्थिव शरीर रखा गया है। राजदूत ने यहां जनरल डिपार्टमेंट ऑफ क्रिमिनल एविडेंस के जनरल मैनेजर ब्रिगेडियर अब्दुल रहीम अल-अवधी से मुलाकात की। उन्होंने कुवैती अधिकारियों से मिली त्वरित और संवेदनशील सहायता के लिए आभार व्यक्त किया। भारतीय दूतावास मृतक के परिवार के साथ निरंतर संपर्क में है और पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द भारत भेजने के लिए कुवैती अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहा है। कुवैत सरकार के अनुसार, सोमवार (30 मार्च) को कुवैत के एक विद्युत एवं जल शोधन इकाई पर हुए ईरानी हमले में एक भारतीय कर्मचारी की मौत हो गई। विद्युत एवं जल मंत्रालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि इस हमले में संयंत्र के सेवा भवन को भी नुकसान पहुंचा है। पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक कम से कम सात भारतीय नागरिकों के मारे जाने की पुष्टि हुई है और एक के लापता होने की खबर है।

ईरान के हैवी वॉटर उत्पादन संयंत्र गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त: आईएईए

वियना। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने सोमवार को पुष्टि की कि ईरान में खोंदाब स्थित 'हैवी वाटर' उत्पादन संयंत्र गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया है और अब चालू हालत में नहीं है।

उल्लेखनीय है कि हैवी वाटर (ड्यूटेरियम ऑक्साइड) का इस्तेमाल परमाणु संयंत्रों में परमाणु विखंडन प्रक्रिया को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है। यह परमाणु रिएक्टर में न्यूट्रॉन को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आईएईए ने कहा कि इस संयंत्र में कोई घोषित परमाणु सामग्री मौजूद नहीं है। एजेंसी के अनुसार, 'उपग्रह चित्रों के स्वतंत्र विश्लेषण और संयंत्र की जानकारी के आधार पर यह पुष्टि हुई है कि खोंदाब स्थित 'हैवी वाटर' उत्पादन संयंत्र को भारी नुकसान पहुंचा है और यह अब कार्य करने की स्थिति में नहीं है। ईरान ने 28 मार्च को आईएईए को सूचित किया था कि 27 मार्च को खोंदाब स्थित इस संयंत्र पर हमला हुआ था। चूंकि वहां कोई घोषित परमाणु सामग्री नहीं थी, इसलिए विकिरण का कोई खतरा नहीं देखा गया। खोंदाब संयंत्र मध्य ईरान के मरकजी प्रांत में अराक शहर से 55 किमी उत्तर-पश्चिम में स्थित है और यह अराक परमाणु परिसर (जिसे आईआर-40 सुविधा के रूप में भी जाना जाता है) का हिस्सा है। ईरान ने यह भी बताया कि खुजेस्तान स्टील उत्पादन कारखाने पर भी हमले हुए, जहां सीलबंद कोबाल्ट-60 (सीओ 60) और सीजयिम-137 (सीएस 137) जैसे रेडियोधर्मी तत्वों का उपयोग किया जाता है, हालांकि वहां से भी कोई विकिरण नहीं फैला। इसके अलावा, बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के क्षेत्र में भी हमले की सूचना मिली है, जो 10 दिनों में ऐसी तीसरी घटना है। आईएईए के मुताबिक, चालू रिएक्टर को कोई नुकसान नहीं हुआ है और संयंत्र की स्थिति सामान्य है।

■ ईरान ने 28 मार्च को आईएईए को सूचित किया था कि 27 मार्च को खोंदाब स्थित इस संयंत्र पर हमला हुआ था

दक्षिणी सूडान में सोने की खदान में झड़प

जुबा। दक्षिणी सूडान की राजधानी जुबा के बाहरी इलाके में स्थित एक सोने की खदान पर हुए हमले में 70 से अधिक लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को इस घटना की पुष्टि की। बताया जा रहा है, यह हमला खदान के अंदर हुए विवाद के बाद किया गया था।

घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें खुले मैदान में कई शव दिखाई दे रहे हैं। एक स्थानीय पत्रकार के मुताबिक, कई अन्य लोग जान बचाने के लिए जंगलों की ओर भाग गए हैं। बताया जा रहा है कि सेंट्रल इक्वेटोरिया राज्य के जेबेल इराक इलाके में स्थित यह खदान पहले भी अवैध खनिकों और खनन कंपनियों के बीच हिंसक झड़पों का केंद्र रही है। पुलिस प्रवक्ता क्वाजिज्वोक डोमिनिक अमोडोक ने कहा कि हमले के बारे में विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। उन्होंने कहा, अभी तक मिली जानकारी के अनुसार अज्ञात बंदूकधारियों ने जेबेल इराक स्थित सोने की खदान पर हमला किया। 70 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है और कई अन्य घायल हैं। वहीं, सूडान पीपल्स लिबरेशन आर्मी ने इस हमले की निंदा की है और इसके लिए सरक. ारी बलों को जिम्मेदार ठहराया है।

■ अज्ञात हमलावरों ने 70 से ज्यादा लोगों की हत्या की

लेबनान में 3,70,000 बच्चों समेत 10 लाख ने छोड़ा घर: यूनिसेफ

बेरूत। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक ओर सेना को दक्षिणी लेबनान में आक्रमण का विस्तार करने का निर्देश दिया है, वहीं दूसरी ओर यूनिसेफ ने चेतावनी दी है कि लेबनान में तेजी से बढ़ते संघर्ष ने बड़ा मानवीय संकट पैदा कर दिया है। मात्र तीन हफ्तों के भीतर देश की लगभग 20 प्रतिशत आबादी विस्थापित हो गई है।

प्रभावित लोगों में 370000 से अधिक बच्चे शामिल हैं। यूनिसेफ के अनुसार, हर दिन औसतन 19000 बच्चे अपना घर छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने रविवार को नॉर्दर्न कमांड से जारी वीडियो संदेश में कहा है कि मैंने अभी मौजूदा सुरक्षा बफर जोन का और विस्तार करने का निर्देश दिया है। हम इजरायल के उत्तर की स्थिति को मौलिक रूप से बदलने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके साथ ही उन्होंने कब्जे वाले 'गाजा मॉडल' को दो. हराने के अपने देश के घोषित प्रयास को आगे बढ़ाया। यूनिसेफ के अधिकारियों का कहना है कि विस्थापन की गति और पैमाना हाल के वर्षों में अभूतपूर्व है। पूरे देश में 10 लाख से अधिक लोग अपने घरों से भागने को मजबूर हुए हैं। इनमें से कई दूसरी, तीसरी या चौथी बार विस्थापित हुए हैं। सहायता समूहों ने इस स्थिति को बेहद अराजक और अस्थिर करने वाला बताया है।

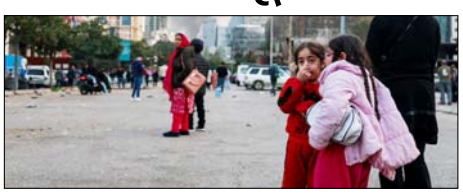

■ मात्र तीन हफ्तों के भीतर देश की लगभग 20 प्रतिशत आबादी विस्थापित हो गई है।

इजरायल ने सीएनएन पत्रकारों से बदसलूकी पर बटालियन को किया सस्पेंड

तेल अवीव। वेस्ट बैंक में सीएनएन पत्रकारों से बदसलूकी और हिरासत मामले में इजरायली सेना ने पूरी बटालियन को सस्पेंड किया और रिजर्व बटालियन की आपरेशनल गतिविधियां भी रोक दीं। यह बटालियन नेत्जाह यूनिट का हिस्सा है। सेना के मुताबिक बटालियन को तुरंत वेस्ट बैंक से हटाकर ट्रेनिंग पर भेजा गया है और जांच पूरी होने तक यह किसी आपरेशन में शामिल नहीं होगी। यह घटना पिछले हफ्ते फलस्तीनी गांव तायासिर में हुई, जहां सीएनएन टीम रिपोर्टिंग कर रही थी। आरोप है कि सैनिकों ने टीम को हिरासत में लिया और एक फोटो जर्नलिस्ट से मारपीट की, जिससे उसका कैमरा टूट गया।

अब खबरें आपके मोबाइल फोन पर... www.shahtimesnews.com

S.D. COLLEGE OF COMMERCE
(Affiliated to Maa Shakumbhari University, Saharanpur)
BHOPA ROAD, MUZAFFARNAGAR
Invites Application for
APPOINTMENT OF ASSTT. PROFESSOR
In The Following Courses:
B.Sc. (Computer Science)
B.A. (Economics) B.Sc. (Botany)
M.Com. B.Com.
Eligibility & Salary :- As per UGC & University Norms
Interested candidates can mail their resume within 15 days of publishing of the advertisement to :
sdccmzn819@gmail.com
or Contact at- 9897690116

S.D. COLLEGE OF MANAGEMENT STUDIES
(Affiliated to Maa Shakumbhari University, Saharanpur)
Bhopa Road, Muzaffarnagar
Invites Application for
APPOINTMENT OF ASSTT. PROFESSOR
In The Following Courses:
BBA BCA
BFA B.Sc (Comp.Science)
Eligibility & Salary :- As per UGC & University Norms
Interested candidates can mail their resume within 15 days of publishing of the advertisement to :
sdcmsug236@gmail.com
Or Contact: 8937095006

श्री कृष्णा वोकेशनल एण्ड पैरामैडिकल कॉलेज
गांधी कॉलोनी, सेन पचैण्ड़ा रोड़, निकट गऊशाला, मुजफ्फरनगर
प्रवेश सूचना-पैरामेडिकल/वोकेशनल एण्ड यूनिवर्सिटी कोर्स
10th व 12th (OPEN Board) से करें (विषय-साइंस, आर्ट, कॉमर्स etc.)
प्रवेश- 10th हेतु- 8th पास/10thफेल, 12th हेतू-10th पास/12th फेल
(Fresh, Part Admission & TOC Facility Available) (Exam-July व Oct 2026)
NIOS(शिक्षा मंत्रालय) कोर्स- DNYS, Radiology (X-Ray Tech), CCH(एलोपैथिक), CAT(आयुर्वेदिक-पंचकर्मा टैक), CHD(होम्योपैथिक), Diploma in Yoga & YTTP, ECCE-(प्री-प्राईमरी शिक्षक हेतु), CCA (कम्पयूटर), ET (इलेक्ट्रिकल टैक.) ETC.
Contact us for UGC Approved University Courses:-
Dip. in CMS&ED, Dip. in Panchkarma Therapy, OT Tech., DMLT, BMLT, BNYS, Optometry, Ophthalmic, Dental Tech & Hygiene, Radiology & Imaging Tech, Dietician and Nutritionist, Optician Dispensing, MPHW, MRT, Agriculture, Bachelor (All Paramedical) BBA, MBA, BSC, MSC, B.Com, M.Com, M.A. B.A. Polytechnic, ITI, Nursing Assitant Etc.
M.: 8505978850, 9634519104

यौन समस्याएं
यौन समस्याओं के विशेषज्ञ
पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें
डा. सम्राट
नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अफीम, चरस, डोडे पोस्त इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।
नावल्टी सिनेमा चौक
मुजफ्फरनगर (यू.पी.)
M-9412211108